आर.एन.आई. नं. 45080/85, पी.ओ.
रजि.नं. मालवा डिवी./04/2024-26

आज
* निर्जला एकादशी
* भीमसेनी ग्यारस

दैनिक अवन्तिका

सब पे नज़र, सबकी ख़बर

संस्थापक : स्व. श्री गोवर्धनलालजी मेहता | वर्ष 39 अंक 328 | इंदौर, गुरुवार 25 जून, 2026 | ज्येष्ठ शुक्ल 11 संवत् 2083 | पृष्ठ-12 मूल्य-4.00 | www.awantika.com

देश विदेश

राममंदिर चोरी-एसआईटी ने चंपत राय समेत 17 को आरोपी माना

अयोध्या। अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम ने जांच रिपोर्ट में मंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय, ट्रस्टी डॉ. अनिल मिश्रा और निर्माण प्रभारी गोपाल राव समेत 17 लोगों को आरोपी माना है। इनके खिलाफ एफआईआर होना लगभग तय माना जा रहा है। सूत्रों से यह जानकारी मिली है। जांच के दौरान एसआईटी टीम को दानपात्रों की चाबियां रामशंकर यादव उर्फ टिन्नू के पास मिलीं। टीम आज फिर जांच के लिए अयोध्या पहुंच सकती है। एसआईटी ने ऐसे करीब 150 सेवादारों और कर्मचारियों को चिह्नित किया है, जिनकी आर्थिक स्थिति में 22 जनवरी, 2024 को रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद बदलाव आया। इनमें चंपत राय के करीबी माने जाने वाले फूलकांत मिश्रा भी शामिल हैं। उनके पास 3 लग्जरी कारें हैं, जिनकी कुल कीमत 25 लाख है।

सिंधु नदी का पानी न मिलने से पाकिस्तान परेशान

इस्लामाबाद। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने सिंधु नदी का पानी रोका, तो पाकिस्तान की परेशानियां बढ़ गई हैं। पाकिस्तान ने यह मसला अंतरराष्ट्रीय कोर्ट में भी लेकिन वहां भी इस पर कोई फैसला नहीं हुआ। इसके बाद अब रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ भारत को जंग छेड़ने की धमकी दे रहे हैं। वहीं, आर्मी चीफ आसिम मुनीर जंग की साजिश रचने में जुटे हैं। नियंत्रण रेखा यानी छङ्कउ पर पाकिस्तानी सेना की 8 ब्रिगेड ने 35 एंटी ड्रोन यूनिट तैनात की हैं। पाकिस्तान ने एआई फेंसिंग भी की है। इसके तहत टारगेटिंग और सर्विलांस को तेज किया गया है। पाकिस्तान ने हाल ही में इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर और काउंटर ड्रोन ग्रिड भी तैयार किया है। सूत्रों के अनुसार पाकिस्तान ने अफगानिस्तान से जुड़ी अपनी सीमाओं से 5 बटालियन को इस महीने की शुरूआत में ही मूव कराकर एलओसी के रावलाकोट, कोटली और भीम्बर सेक्टर में तैनात किया है।

दिल्ली में बच्ची से रेप-हत्या आरोपी को गोली मारी

नई दिल्ली। दिल्ली में 11 साल की बच्ची से रेप और उसकी हत्या का आरोपी मंगलवार रात पुलिस एनकाउंटर में घायल हो गया। पुलिस का दावा है कि उसे क्राइम सीन रीक्रिएट करने के लिए ले जाया जा रहा था, तभी उसने भागने की कोशिश की। रोकने के लिए उसे पैर में गोली मार दी गई। फिलहाल वह अस्पताल में भर्ती है। पीड़ित बच्ची गुब्बारा बेचती थी। सोमवार सुबह फुटपाथ पर सो रही थी। आरोप है कि टैक्सी ड्राइवर बबलू ने उसे अगवा किया। उसका रेप किया और हत्या कर लाश महरौली के जंगल में फेंक दी। सोमवार सुबह करीब 6 बजे परिवार ने पीसीआर कॉल के जरिए महरौली थाने में बच्ची की गुमशुदगी दर्ज कराई। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज और मुखबिर की मदद से चार घंटे में ही बबलू को गिरफ्तार कर लिया।

केतन अग्रवाल मर्डर केस को लेकर भड़कीं एक्ट्रेस आंचल खुराना

मुंबई। पुणे के लोहगढ़ किले में कारोबारी परिवार से जुड़े केतन अग्रवाल की कथित हत्या के मामले पर टीवी एक्ट्रेस आंचल खुराना ने रिएक्ट किया है। मामले को लेकर आंचल खुराना ने सोशल मीडिया पर वीडियो शेयर कर कहा, एक करोड़पति बाप के बेटे का एक करोड़पति बाप की बेटी से अरेंज मैरिज फिक्स होती है। दोनों फैमिलीज बहुत ही क्लोज थीं, तो उन्होंने बच्चों की शादी फिक्स कर दी, लेकिन बेटी का चेतन से अफेयर था। आप यह बात अपने पैरेंट्स को बोल सकते थे, अपने मंगेतर से बोल सकते थे, लेकिन उसने उसे खाई से धक्का मार देना पसंद किया। एक्ट्रेस ने कहा कि यह मामला महिला या पुरुष का नहीं, बल्कि इंसानियत और नैतिकता का है। उन्होंने सवाल उठाया कि रिश्तों में मतभेद होने पर लोग बातचीत के बजाय हिंसा का रास्ता क्यों चुन रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि किसी के खिलाफ अत्याचार न पुरुषों पर होना चाहिए और न ही महिलाओं पर।

लोकल ट्रेन में दरवाजा बंद करने को लेकर हुए विवाद में यात्री की चाकू मारकर हत्या

मुंबई। लोकल ट्रेन से एक बेहद चौंकाने वाली घटना सामने आई है। चर्चगेट से नालासोपारा जाने वाली एक फास्ट लोकल ट्रेन में मंगलवार, 23 जून की देर रात भारी बारिश के दौरान कोच का दरवाजा खुला रखने या बंद करने को लेकर दो यात्रियों में विवाद हो गया। यह बहस इतनी बढ़ गई कि एक अज्ञात आरोपी ने 22 वर्षीय युवक के पेट में चाकू घोंप दिया. जिससे युवक की मौत होगा। वहीं बोरीवली स्टेशन आने से पहले ही ट्रेन से कूदकर फरार हो गया। पुलिस और रेलवे अधिकारियों से मिली जानकारी के अनुसार, पीड़ित की पहचान मयंक लोहार (22) के रूप में हुई है। मयंक चर्चगेट से रात 10.05 बजे रवाना हुई लोकल ट्रेन के फर्स्ट क्लास कंपार्टमेंट में सफर कर रहा था। रात करीब 10.42 बजे ट्रेन अंधेरी स्टेशन पहुंची, जहां आरोपी भी उसी डिब्बे में सवार था।

कलयुगी पिता ने पत्नी और 3 मासूम बच्चों को नहर में फेंका

पटना। बिहार के पश्चिम चंपारण जिले में मानवता को झकझोर देने वाली एक दर्दनाक घटना सामने आई है। कुमारबाग थाना क्षेत्र के भंगहा गांव निवासी एक व्यक्ति पर अपनी पत्नी और तीन मासूम बच्चों को नहर में फेंकने का आरोप लगा है। इस घटना में तीनों बच्चों की डूबने से मौत हो गई, जबकि पत्नी ने किसी तरह तैरकर अपनी जान बचा ली। घटना के बाद पूरे इलाके में शोक और आक्रोश का माहौल है। जानकारी के अनुसार, भंगहा गांव निवासी लोरिक यादव के पुत्र रामबाबू यादव का सोमवार रात अपनी पत्नी ललिता देवी से किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। बताया जाता है कि मंगलवार तड़के करीब तीन बजे रामबाबू अपनी पत्नी और तीनों बच्चों को बाइक पर बैठाकर घर से निकला। उसने पत्नी से कहा कि वह उसे उसके मायके, मझौलिया थाना क्षेत्र के बिरवा गांव छोड़ने जा रहा है।

दक्षिण कोलकाता के तारातला ट्रांसपोर्ट डिपो के पास निर्माणाधीन गोदाम का शेड अचानक गिरने से

हादसे में 3 की मौत, 40 से ज्यादा लोगों के दबे होने की आशंका

एजेंसी ▶▶ कोलकाता

18 का रेस्क्यू, सेना भी बचाव में जुटी

दक्षिण कोलकाता के तारातला ट्रांसपोर्ट डिपो के पास बुधवार दोपहर 12:07 बजे निर्माणाधीन गोदाम का शेड अचानक गिर गया। घटना में अब तक 3 लोगों की मौत हो चुकी है। पहले 5 लोगों की जान जाने की खबर आई थी।

मलबे में दबे 18 लोगों को रेस्क्यू कर बाहर निकाला जा चुका है। सभी घायलों को इलाज के लिए एसएसकेएम अस्पताल के ट्रॉमा केयर सेंटर में भर्ती कराया गया है। अभी भी 40 से ज्यादा लोगों के दबे होने की आशंका है।

स्थानीय लोगों के मुताबिक, हादसे के वक्त गोदाम में कंक्रीट ढलाई का काम चल रहा था। पुलिस के मुताबिक, रेस्क्यू में कोलकाता पुलिस, डिजास्टर मैनेजमेंट ग्रुप, सिविल डिफेंस, फायर एंड इमरजेंसी सर्विसेज और सेना भी जुटी है। मलबे और लोहे की रॉड को हटाने के लिए क्रेन मंगाई गई है। गैस कटर से लोहे की छड़ों को काटा जा रहा है। मलबे में दबे मजदूरों-कर्मचारियों की चीखें भी सुनाई दे रही हैं, उनके जल्द से जल्द रेस्क्यू के प्रयास जारी हैं। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे। मुख्यमंत्री के साथ मंत्री अग्निमित्रा पॉल और कौशिक चौधरी समेत कई मंत्री भी मौजूद रहे। राज्य सरकार ने लोगों की मदद के लिए हेल्पलाइन नंबर 1070, 8697981070 और 033-22143526/22535185 जारी किए हैं। जानकारी के मुताबिक गोदाम की जमीन ओडिशा के व्यवसायी की थी जिन्होंने किसी प्रायवेट फर्म को इसे लीज पर दिया था।

घटिया निर्माण सामग्री और डिजाइन की खामी रही हादसे की वजह

इस हादसे ने रियल एस्टेट और निर्माण प्रोजेक्ट्स में गुणवत्ता की भारी अनदेखी को उजागर किया है। स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया है कि इलाके में लंबे समय से अवैध निर्माण चल रहा था, जबकि फायर विभाग के अधिकारी ने सीधे तौर पर घटिया सामग्री (सबस्टैंडर्ड मटेरियल) के इस्तेमाल की बात कही है। मौके पर मौजूद कोलकाता नगर निगम के अधिकारियों और एक स्ट्रक्चरल इंजीनियर ने प्रथम दृष्टया डिजाइन और निर्माण में भारी खामी की आशंका जताई है। इंजीनियर के मुताबिक, लोहे के बीम इतने मजबूत नहीं थे कि वे ऊपर की कंक्रीट का भारी वजन झेल सकें, और ढलाई को सपोर्ट देने के लिए जरूरी 'ब्रेस' भी नहीं लगाए गए थे।

मेरा पैर काट लो लेकिन मुझे बचा लो

हादसे के बाद बचाव कार्य के दौरान एक युवक अंकित सिंह ने मलबे में फंसे एक मजदूर को ढूंढने में अहम भूमिका निभाई। उसने घायल मजदूर का पैर पकड़कर बचाव दल को उसकी सही जगह तक पहुंचने में मदद की, जिसके बाद रेस्क्यू टीम ने उसे बाहर निकालने का प्रयास तेज कर दिया। मलबे में फंसा मजदूर दर्द से कराहते हुए बार-बार कह रहा था- 'मैंने अपना पैर खो दिया है, अगर जरूरत हो तो बाकी हिस्सा काटकर मुझे बाहर निकालो, बस मेरी जान बचा लो।

मानसून मध्यप्रदेश पहुंचा, 4 दिन में पूरा राज्य कवर करेगा

मुंबई में बारिश से पेड़ उखड़े, कई गाड़ियां दबीं

एजेंसी ▶▶ जयपुर/भोपाल

मध्य प्रदेश-गुजरात में बुधवार को 9 दिन की देरी से मानसून की एंट्री हुई। दोनों राज्यों में मानसून आने की सामान्य तारीख 15 जून रहती है। मौसम विभाग के मुताबिक, मानसून अगले 4 दिन में पूरे मध्य प्रदेश को कवर कर सकता है। इसी के साथ मानसून ने अब देश के 22 राज्यों को कवर कर दिया है। 5 जुलाई तक बाकी राज्यों को कवर कर सकता है।

वहीं, मंगलवार को मुंबई में 13 दिन की देरी से मानसून की एंट्री हुई थी। इसके बाद से मुंबई में तेज बारिश जारी है। मंगलवार सुबह 8 बजे से बुधवार सुबह 7 बजे तक मलवणी फायर स्टेशन में 334एमएम और एफ/साउथ वार्ड में 328एमएम बारिश हुई। 27 इलाकों में 200 से 300एमएम के बीच बारिश हुई। मुंबई में अंधेरी सब-वे में पानी भर गया। इसे अस्थाई रूप से बंद किया गया है। विक्रोली वेस्ट में रिहायशी इमारत के पास बनी रिटेनिंग वॉल गिर गई। कई इलाकों में पेड़ उखड़े, जिसकी चपेट में आने से कई वाहनों को नुकसान पहुंचा। इधर, अरुणाचल प्रदेश में पिछले एक हफ्ते से तेज बारिश जारी है। आज सुबह कीयी पन्योर जिले में याजाली सर्किल के नीपको प्रोजेक्ट कॉलोनी में बाढ़ आ गई। घटना में 3 लोग लापता हुए हैं। 18 से ज्याद घरों को नुकसान पहुंचा है। कई निचले इलाकों में पानी

देश के 6 राज्यों में प्री-मानसून बारिश जारी

देश के 6 राज्यों उत्तर प्रदेश, राजस्थान, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा और दिल्ली में प्री-मानसून बारिश जारी है। मंगलवार को बिहार में बिजली गिरने से 11 लोगों की मौत हुई थी। मौसम विभाग के मुताबिक, दक्षिण पश्चिम मानसून तेलंगाना, ओडिशा, छत्तीसगढ़, झारखंड और बिहार के कुछ इलाकों में आगे बढ़ गया है। अगले 2-3 दिनों में उत्तर प्रदेश में पहुंच सकता है।

शिवसेना उद्धव गुट को संसद में ऑफिस खाली करना होगा

सांसदों की संख्या 5 से कम हुई; 2 सांसद लोकसभा स्पीकर से मिलेंगे

एजेंसी ▶▶ मुंबई

शिवसेना को संसद भवन में अपना मौजूदा ऑफिस खाली करना पड़ सकता है। संसद भवन के नियमों के मुताबिक, सिर्फ 5 या उससे ज्यादा सांसदों वाली पार्टी को संसद भवन में ऑफिस मिल सकता है।

लोकसभा अध्यक्ष जैसे ही छह सांसदों के शिंदे गुट में विलय को औपचारिक मान्यता दे देते हैं। यूबीटी के पास सिर्फ 4 सांसद (3 लोकसभा और 1 राज्यसभा) रह जाएंगे। ऐसे में संसद भवन में उन्हें अपना मौजूदा ऑफिस खाली करना पड़ सकता है। पार्टी के दो लोकसभा सांसद अनिल देसाई और अरविंद सावंत बुधवार शाम लोकसभा स्पीकर ओम बिरला के चैंबर में उनसे मुलाकात की। उन्होंने कहा कि हमने स्पीकर साहब से कहा कि अगर कोई आपके पास बागी गुट का पत्र आया है तो हमें बताएं। पर अभी ऐसा कुछ नहीं आया है और हमें कागज नहीं मिला। महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे की शिवसेना में 22 जून को बगावत हो गई थी। लोकसभा के कुल 9 में से 6 सांसद पार्टी से अलग होकर डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे की शिवसेना में शामिल हो गए थे। शिंदे के साथ सभी 6 सांसदों ने मुंबई में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर टूट का ऐलान किया। शिंदे ने कहा, जब 2022 में हमने पार्टी और धनुष-बाण बचाने के लिए विद्रोह किया था, तब 40 विधायक थे और अब हमने छक्का लगाया है।'

खामेनेई के अंतिम संस्कार के लिए पीएम मोदी को न्योता

एजेंसी ▶▶ तेहरान

ईरान के राष्ट्रपति मसूद पजशकियान ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पूर्व सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई के राजकीय अंतिम संस्कार में शामिल होने का न्योता भेजा है। अयातुल्ला खामेनेई की 28 फरवरी को इजराइल-अमेरिका के हमले में मौत हो गई थी। इसके बाद 4 मार्च को उनका अंतिम संस्कार होना था लेकिन जंग की वजह से इसे टाल दिया गया था। अब इसकी शुरूआत 4 जुलाई से होगी। उनके शव को तेहरान के ग्रैंड मोसल्ला परिसर में अंतिम दर्शन के लिए रखा जाएगा। इसके बाद 9 जुलाई को मशहद स्थित इमाम रजा दरगाह में दफन किया जाएगा। अधिकारियों को उम्मीद है कि तेहरान, कुम और मशहद में होने वाले अंतिम संस्कार कार्यक्रमों में करीब 2 करोड़ लोग शामिल हो सकते हैं। ईरान ने अंतिम संस्कार समारोह के लिए दुनिया के कई देशों को निमंत्रण भेजा है। खास तौर पर पड़ोसी और मित्र देशों को इसमें शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया है।

सीएम नायडू ने किया देश की सबसे बड़ी निजी सोने के खदान का उद्घाटन

एजेंसी ▶▶ जोंनागिरी

आंध्र प्रदेश के जोंनागिरी में 405 करोड़ रुपये की लागत से बने देश के सबसे बड़े निजी गोल्ड माइनिंग प्रोजेक्ट का उद्घाटन मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने किया। परियोजना से पहले साल 400 किलोग्राम और बाद में सालाना 2 टन तक सोना उत्पादन होने की उम्मीद है। इससे 700 लोगों को रोजगार मिलेगा और राज्य सरकार को करोड़ों रुपये की रॉयल्टी प्राप्त होगी। आंध्र प्रदेश के कुरनूल जिले का जोंनागिरी इलाका अब देश के गोल्ड मैप पर अपनी खास पहचान बनाने जा रही है। बुधवार को मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू यहां देश के सबसे बड़े निजी क्षेत्र के गोल्ड माइनिंग प्रोजेक्ट का उद्घाटन किया। करीब 405 करोड़ रुपये की लागत से तैयार इस परियोजना को जियो मैसूर सर्विसेज इंडिया प्राइवेट लिमिटेड और दक्कन गोल्ड माइन्स लिमिटेड ने मिलकर विकसित किया है।

दिल्ली से अमृतसर के लिए उड़ा, तकनीकी खराबी से रास्ता भटका

एअर इंडिया का विमान पाक एयरस्पेस में घुसा

एजेंसी ▶▶ अमृतसर

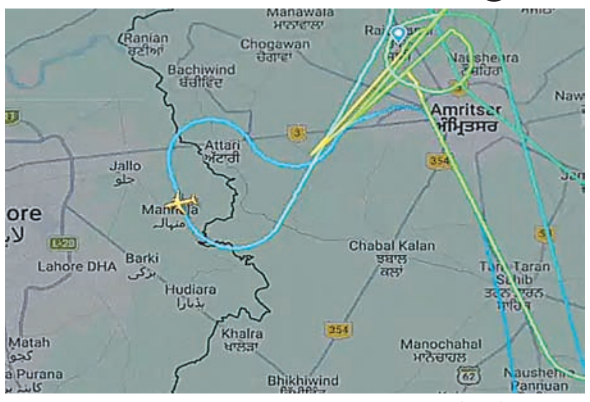

एअर इंडिया की एक फ्लाइट सोमवार रात रास्ता भटककर पाकिस्तान के हवाई क्षेत्र में जा घुसी। इसे पाकिस्तान की एयर ट्रैफिक अथॉरिटी ने चेतावनी देकर वापस भेजा। विमान ने दिल्ली से उड़ान भरी थी और इसे अमृतसर लैंड होना था।

पाकिस्तान के एयर स्पेस से जब फ्लाइट लौटी तब तक अमृतसर एयरपोर्ट पर ट्रैफिक बढ़ गया था, ऐसे में इसे वापस दिल्ली भेज दिया गया। एयरपोर्ट अधिकारियों ने बताया है कि तकनीकी खराबी के कारण यह फ्लाइट रास्ता भटक गई थी। मामले की जांच की जा रही है।

इससे पहले 12 जून को पाकिस्तान की भी पैसेंजर फ्लाइट फ्लाई जिन्ना-9ढ514 खराब मौसम के कारण भारतीय एयरस्पेस में घुस आई थी। लाहौर एयरपोर्ट से उड़ान भरने के कुछ ही समय बाद फ्लाइट रास्ता भटक गई थी। हालांकि, तकनीकी गड़बड़ी का अंदेशा होते ही फ्लाइट को वापस पाकिस्तानी एयरस्पेस में लाया गया।

3 मिनट की देरी से उड़ा था विमान- एयरपोर्ट अथॉरिटी से मिली जानकारी के मुताबिक, एयरबस एआई-321 विमान ने सोमवार रात 9 बजकर 18 मिनट पर दिल्ली से उड़ान भरी थी। यह विमान अपने तय समय से 3 मिनट देरी से उड़ा था। उड़ान के दौरान विमान में तकनीकी खराबी आई।

पुणे मर्डर- मंगेतर के साथ सिया की रोमांटिक पोस्ट

दोनों लोहगढ़ किला गए तो प्रेमी भी पहुंचा

एजेंसी ▶▶ पुणे

पुणे में मंगेतर की हत्या करने वाली 20 साल की सिया गोयल ने सोशल मीडिया अकाउंट पर केतन अग्रवाल (26) के साथ कई रोमांटिक पोस्ट किए थे। कभी प्रपोजल की तस्वीरें, कभी फूल देकर प्यार जताने वाले पल, तो कभी डांस और गले मिलने के वीडियो।

दोनों की नवंबर में होने वाली शादी की तैयारियां भी सोशल मीडिया पोस्ट का हिस्सा थीं। इस साल फरवरी में सगाई के बाद सिया ने इंस्टाग्राम पर एक केक की तस्वीर शेयर करते हुए लिखा था- मेरे दिल को उसका घर मिले एक महीना पूरा हुआ। उसने केतन को टैग भी किया था। पुलिस के मुताबिक, 18 जून को केतन की मौत के दिन लोहगढ़ किले पर एक युवक 33त्उ तापमान में हुडी पहनकर आया था। पुलिस ने जांच में इसे ही आधार बनाकर एक-एक कड़ियां जोड़ीं। आखिरकार सिया और उसे बॉयफ्रेंड चेतन चौधरी (22) को केतन की हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया।

सोशल मीडिया पर सिया और उसके मंगेतर केतन का रिश्ता किसी परफेक्ट लव स्टोरी जैसी थी। 19 जून को सिया का बर्थडे था। केतन ने एक महीने पहले यानी 19 मई से ही काउंटडाउन सेलिब्रेशन शुरू कर दिया था। वह रोज उसे अलग-अलग तरीके से अपनी मंगेतर सरप्राइज देता। सिया सोशल मीडिया पर इसके वीडियो पोस्ट करती थी। ये पोस्ट अब वायरल हो रहे हैं। एक पोस्ट में केतन अपनी कार फूलों से सजाकर सिया को गिफ्ट देता दिखा। सिया ने इसका वीडियो पोस्ट कर लिखा- उसने 'पसंद है तुम्हें' वाली बात को बहुत सीरियसली से ले लिया।

सीसीटीवी में हुडी पहने युवक सिया-केतन के पीछे-पीछे चलते दिखा

जांच टीम के एक अधिकारी ने बताया कि किले के टिकट काउंटर पर लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच के दौरान हमें केतन और सिया साथ-साथ चलते दिखाई दिए। फुटेज को ध्यान से देखने पर पुलिस ने पाया कि दोनों से करीब 20 फीट पीछे एक युवक भी चल रहा था। उसने शॉर्ट्स और हुडी पहन रखी थी। उसने हुडी को इतना नीचे खींच रखा था कि उसका चेहरा दिखाई नहीं दे रहा था। इसके ऊपर उसने हेडसेट भी लगा रखा था। एक दूसरी फुटेज में दिखा कि सिया अचानक पीछे मुड़ती है और उसी समय हुडी पहना युवक झट से नीचे बैठ जाता है। पुलिस ने उस दिन के तापमान की जांच की तो पता चला कि 18 जून को उस समय 33 डिग्री सेल्सियस तापमान था। ऐसे में सवाल उठा कि इतनी गर्मी में कोई हुडी क्यों पहनेगा। परिवार शोक में था, इसलिए पुलिस ने शुरुआत में ज्यादा पूछताछ नहीं की गई।

महाकाल श्रृंगार

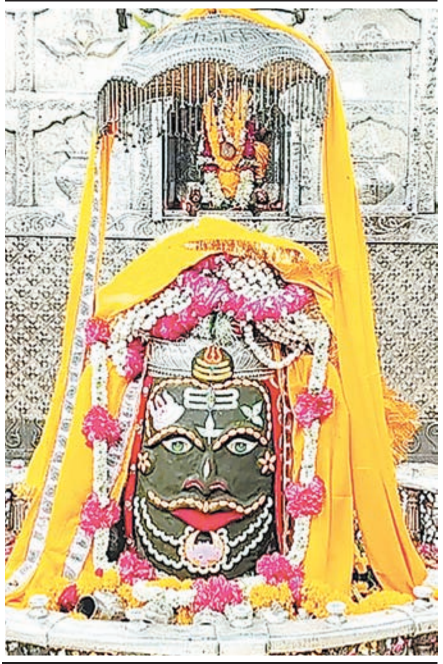

ज्योतिर्लिंग महाकालेश्वर का मंगलवार को आकर्षक श्रृंगार किया गया।

सिंहस्थ से पूर्व श्री महाकाल मंदिर परिसर में श्रद्धालु सुविधा पर चल रहा नया काम

शुरू होगी डिजिटल लॉकर प्रणाली क्यूआर कोड से खुलेगा सामान

इस नई व्यवस्था के तहत श्रद्धालुओं को मोबाइल, जूता-चप्पल और अन्य सामान रखने की सुविधा मिलेगी

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

सिंहस्थ-28 के पूर्व विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर में आने वाले लाखों श्रद्धालुओं के लिए एक बड़ी राहत भरी खबर है। मंदिर प्रबंध समिति जल्द ही परिसर में अत्याधुनिक सशुल्क डिजिटल लॉकर सुविधा शुरू करने जा रही है। इस नई व्यवस्था के तहत श्रद्धालुओं को मोबाइल, जूता-चप्पल और अन्य सामान रखने के लिए लंबी कतारों में नहीं लगना पड़ेगा। मंदिर समिति ने इसके लिए निजी एजेंसी के चयन की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

यह पूरी व्यवस्था आधुनिक तकनीक पर आधारित होगी। श्रद्धालुओं को केवल क्यूआर कोड स्कैन करना होगा, अपनी भाषा चुननी होगी और मोबाइल नंबर दर्ज करना होगा। डिजिटल भुगतान के बाद उन्हें एक विशेष

क्यूआर कोड या ओटीपी मिलेगा, जिसके माध्यम से वे अपना सामान सुरक्षित रख सकेंगे और वापस प्राप्त कर सकेंगे। इस प्रोजेक्ट में वेब-आधारित प्लेटफॉर्म, मोबाइल एप, ऑनलाइन पेमेंट और रियल-टाइम मॉनिटरिंग जैसी सुविधाएं शामिल होंगी, जिससे मंदिर प्रशासन एक क्लिक पर लॉकर की उपलब्धता और आय की निगरानी कर सकेगा।

शुल्क पर मंदिर समिति का नियंत्रण होगा

फिलहाल लॉकर सुविधा के शुल्क को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं है। निविदा प्रक्रिया के बाद वेंडर के आने पर शुल्क का निर्धारण मंदिर प्रबंध समिति के प्रशासक द्वारा किया जाएगा। मंदिर समिति के पास शुल्क की अधिकतम सीमा तय करने और उसे नियंत्रित करने के पूर्ण अधिकार होंगे। चयनित एजेंसी को 24 घंटे सेवा प्रदान करने के साथ ही साइबर सुरक्षा, डेटा गोपनीयता और आपदा प्रबंधन के कड़े मानकों का पालन करना अनिवार्य होगा।

प्रतिबंध सख्ती से लागू हो सकेंगे

वर्तमान में सुरक्षा कारणों से मंदिर में मोबाइल और अन्य वस्तुओं पर प्रतिबंध है, जिसके चलते श्रद्धालुओं को सामान रखने के लिए अलग-अलग स्थानों पर भटकना पड़ता है। नई डिजिटल प्रणाली से यह प्रक्रिया सुव्यवस्थित और पारदर्शी हो जाएगी। यदि यह परियोजना समय पर लागू होती है, तो महाकाल मंदिर उन चुनिंदा धार्मिक स्थलों में शामिल हो जाएगा जहाँ तकनीक-संचालित लॉकर सुविधा श्रद्धालुओं को एक बेहतर अनुभव प्रदान करेगी।

अब एक मोबाइल नंबर पर तीन महीने में सिर्फ एक बार अनुमति

भगवान महाकाल की भस्म आरती में बार-बार अनुमति लेने वालों पर अब मंदिर समिति ने सख्ती कर दी है। अब एक बार अनुमति लेने के बाद उसी मोबाइल नंबर से दोबारा बुकिंग के लिए 90 दिन का इंतजार करना होगा। नए नियम के तहत अब कोई भी श्रद्धालु, चाहे आम हो या प्रोटोकॉल वाला, एक मोबाइल नंबर से तीन महीने में केवल एक बार ही भस्म आरती की अनुमति ले सकेगा। वर्ष 2024 में भी तत्कालीन कलेक्टर नीरज सिंह ने भस्म आरती की बुकिंग में धांधली की शिकायतों के बाद एक आधार और एक मोबाइल नंबर से तीन महीने में एक बार अनुमति का नियम बनाया था। कुछ समय तक ये व्यवस्था चली, लेकिन बाद में बंद कर दी गई थी। महाकाल मंदिर के प्रशासक प्रथम कौशिक ने साफ किया कि यह व्यवस्था पहले से लागू है। अब इसे और प्रभावी तरीके से लागू किया जा रहा है ताकि आम श्रद्धालुओं को भी आसानी से दर्शन का मौका मिले। इस नियम से उन आम भक्तों को फायदा होगा जो महीनों तक ऑनलाइन बुकिंग नहीं कर पाते थे। अब वीआईपी और बार-बार दर्शन करने वालों की मोनोपॉली भी टूटेगी। मंदिर समिति का दावा है कि इससे भस्म आरती में पारदर्शिता बढ़ेगी।

निरंतर दुर्घटना का दौर

महाआयोजन को देखते हुए धर्मनगरी के आसपास क्षेत्रों में अब विकसित बेहतर सड़कों पर वाहन दौड़ रहे हैं। बराबर राष्ट्रीय एवं प्रांतीय स्तर की एजेंसियां इन सडकों के निर्माण कर रही है। सड़कों को बराबर उन्नत किया जा रहा है। इसके चलते इन सड़कों पर वाहनों की गति बढ़ती ही जा रही है। परिणाम स्वरूप दुर्घटनाओं की स्थिति भी बराबर सामने आ रही है। एक के बाद एक दुर्घटना धड़ल्ले से हो रही है और लोग काल कवलित हो रहे हैं। शनिवार से शुरू हुआ सड़क हादसों का दौर निरंतर रहा है। तीन दिन में 5 घरों के चिराग बुझे हैं। इनके साथ ही करीब इतने ही लोग गंभीर रूप से घायल हुए जो कि अस्पतालों में मौत से संघर्ष कर रहे हैं। बराबर बढ़ती दुर्घटनाओं को लेकर धीरे-धीरे आक्रोश की स्थिति भी पनपने लगी है। खास ये है कि इन उच्च सड़कों का उन्नयन तो क्षेत्रों में कर दिया गया है लेकिन उन पर सुरक्षा के तमाम मानकों का अब भी अभाव देखा जा रहा है। यही नहीं इन सड़कों पर चलने वाले वाहन चालकों की स्थिति भी नियमों से परे ही है। अधिकांश मामलों में परिवहन के नियमों की अवहेलना की स्थिति सामने दिखाई दे रही है। कई स्थानों पर सुरक्षा मानकों की कमी भी सामने आ रही है। क्षेत्रीय एवं भौगोलिक स्थिति में भी कुछ स्थल ब्लैक पाईंट बन रहे हैं। अभी तो इनमें से कुछ सड़कें निर्माण के अंतिम दौर में ही हैं और कुछ निमार्णाधीन ही हैं ऐसे में इन सड़कों पर स्पीड नियंत्रण को लेकर मार्गदर्शिका का भी संबंधित क्षेत्रों में अभाव देखा जा रहा है। निर्माण में लगे वाहन बेतरतीब दौड़ रहे हैं। खुसूर-फुसूर है कि अभी तो कई निर्माण जारी ही हैं और ऐसे में दुर्घटनाओं के हाल नियंत्रण से बाहर जाने जैसे हो रहे हैं। ऐसे में निर्माणों की पूर्णता के साथ आखिर क्या होगा। दुर्घटनाओं का यह ग्राफ किस और जाएगा।

खुसूर फुसूर

निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा ने दिए निर्देश, महाकाल की राजसी सवारी के पूर्व

चौड़ीकरण कार्य पूर्ण करना लक्ष्य रखते हुए कार्य करें

निर्माण एजेंसी द्वारा कार्य में लापरवाही पाए जाने पर निगम आयुक्त ने लगाई 5 लाख की पैनल्टी

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

- निगम आयुक्त द्वारा अधिकारियों को निर्देशित किया कि मार्ग के छोटा सराफा से छत्री चौक तक निगम द्वारा चिह्नित भवनों एवं दुकानों के निशान के अंतर्गत तुड़ाई कार्य को शीघ्र पूर्ण कर नाली निर्माण की गति को बढ़ाए, साथ ही सती गेट पर शेष मकानों को हटाने के साथ स्थानीय रहवासियों से समन्वय कर चौड़ीकरण कार्य को गति प्रदान करे। छत्री चौक चौराहे पर अस्थाई अतिक्रमण हटाने के निर्देश निगम आयुक्त द्वारा दिए गए।
- निगम आयुक्त ने बताया कि बाबा महाकाल की राजश्री सवारी के पूर्व निगम द्वारा कंठाल चौराहे से छत्री चौक तक चौड़ीकरण कार्य पूर्ण किये जाने का लक्ष्य रखा गया है, स्थानीय नागरिकों के सहयोग के साथ निगम के सभी अधिकारी अपने दायित्व का निर्वहन करते हुए दिन रात कार्य कर रहे है बारिश के दौरान जलभराव की निकासी के लिए समुचित व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश पर सिंहस्थ 2028 के तहत श्रद्धालुओं की सुविधाओं को दृष्टिगत रखते हुए विभिन्न मार्गो के चौड़ीकरण कार्य प्रचलित है निर्माण कार्यों को गुणवत्ता के साथ समय सीमा में पूर्ण करने के लिए निगम आयुक्त द्वारा नियमित रूप से चौड़ीकरण कार्यो का निरीक्षण किया जा रहा है।

आयुक्त अभिलाष मिश्रा द्वारा सोमवार रात्रि में कंठाल चौराहे से छत्रीचौक तक प्रचलित चौड़ीकरण कार्य का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा द्वारा सम्बंधित अधिकारियों एवं ठेकेदार को निर्देशित किया गया कि भगवान श्री महाकालेश्वर की राजश्री सवारी से पूर्व कार्य को पूर्ण करने का लक्ष्य निर्धारित करते हुए कार्य को किया जाए। आपने प्रतिदिन के कार्य की प्रगति रिपोर्ट की जांच करते हुए संबंधित अधिकारियों एवं निर्माण एजेंसी के प्रतिनिधि को निर्देशित किया कि कंठाल चौराहे से सती गेट मकानों के हटाने के पश्चात मौजूद मलबे को रात्रि के समय सम्बंधित ठेकेदार द्वारा अपने संसाधनों एवं मैन पावर को बढ़ाकर हटाने का कार्य किया जाए, प्री मानसून बारिश को दृष्टिगत रखते हुए मार्ग पर चूरम को बिछाये ताकि मार्ग पर फिसलन नहीं हो, निरीक्षण के दौरान सती गेट से सराफा मार्ग पर प्रीकास्ट ड्रेन का कार्य धीमी गति ये होना पाये जाने पर तथा पेवर ब्लॉक कार्य में मौजूद लेबर नहीं पाए जाने पर निगम आयुक्त द्वारा नाराजगी जाहिर करते हुए निर्माण एजेंसी पर 5 लाख का जुर्माना किया गया। निगम आयुक्त द्वारा छत्री चौक से सत्यनारायण मंदिर तक चौड़ीकरण कार्य का निरीक्षण किया गया निरीक्षण के दौरान मार्ग पर विद्युत पोल शिफ्टिंग के साथ नाली निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है, निगम आयुक्त मिश्रा द्वारा सम्बन्धित ठेकेदार को निर्देशित किया कि छत्री चौक से ढाबा रोड पर रात्रिकालीन शिफ्ट में सीआरएम कर शीघ्र डीएलसी का कार्य शीघ्र पूर्ण करें, मार्ग के कमरी मार्ग चौराहे पर नाली निर्माण के दौरान जल भराव की स्थिति निर्मित पाए जाने पर वैकल्पिक पाइप लाइन से पानी की निकासी करे, बारिश के दौरान ठेकेदार ढाबा रोड से सत्यनारायण मंदिर तक चूरम का उपयोग मार्ग पर करें ताकि मार्ग पर कीचड़ नहीं हो।

निरीक्षण के दौरान अपर आयुक्त संतोष टैगोर, एसडीएम लक्ष्मी नारायण गर्ग, अधीक्षणयंत्री यंत्री आर के जैन, कार्यपालन यंत्री हिमांशु तिवारी, सहायक यंत्री डी एस परिहार भवन अधिकारी राजकुमार राठौर उपयंत्री राजेंद्र रावत, एवं सम्बन्धित कार्य के ठेकेदार कंसल्टेड मौजूद रहे।

पर्यटन बोर्ड द्वारा पंडे-पुजारियों पर टिप्पणी को लेकर नाराजगी

अखिल भारतीय पुजारी महासंघ ने दी एफआईआर और मानहानि की चेतावनी, कहा-माफी मांगें

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

ग्वालियर स्थित भारतीय पर्यटन एवं यात्रा प्रबंध संस्थान टूरिज्म बोर्ड की ओर से पंडे-पुजारियों को लेकर की गई टिप्पणी पर अखिल भारतीय पुजारी महासंघ ने कड़ा विरोध जताया है। महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष महेश पुजारी ने संस्था से बयान वापस लेकर सार्वजनिक माफी मांगने की मांग की है। उन्होंने चेतावनी दी कि ऐसा नहीं होने पर संस्था के खिलाफ मानहानि और एफआईआर जैसी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

महेश पुजारी ने बताया कि टूरिज्म बोर्ड के हवाले से प्रकाशित एक खबर में कहा गया था कि सिंहस्थ के दौरान पंडे-पुजारी श्रद्धालुओं के साथ नो-नो न करें और ड्राइवर मनमानी न करें, बल्कि मुस्कुराकर जय महाकाल बोलें। महासंघ ने इस टिप्पणी पर आपत्ति जताते हुए पंडे-पुजारी नो-नो शब्द का स्पष्ट अर्थ बताने की मांग की है।

महेश पुजारी ने कहा कि तीर्थ स्थल और मंदिरों की परंपरा व व्यवस्था में पंडे-पुजारियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। देशभर से आने वाले श्रद्धालु अपने पारंपरिक पंडों के माध्यम से धार्मिक कर्मकांड करवाते हैं और ब्राह्मणों से आशीर्वाद लेते हैं। उन्होंने दावा किया कि श्रद्धालुओं के साथ पुजारियों का व्यवहार हमेशा सम्मानजनक और विनम्र रहता है।

न्यूज कॉलम

सीमेंट कांक्रीट रोड एवं नाला निर्माण कार्य का भूमि पूजन संपन्न

उज्जैन। सीएम मॉनिट विशेष निधि एवं पार्षद मद की राशि रुपए लगभग 80 लाख की लागत से नगर निगम द्वारा वार्ड क्रमांक 2 अंतर्गत किए जाने वाले विभिन्न निर्माण एवं विकास कार्यों का भूमि पूजन सांसद अनिल फिरोजिया, उज्जैन उत्तर विधायक अनिल जैन कालूहेड़ा, महापौर श्री मुकेश टटवाल, निगम अध्यक्ष कलावती यादव द्वारा क्षेत्रीय पार्षद हेमंत गहलोत, मंडल अध्यक्ष रितेश जटिया, विक्रम ठाकुर, जगदीश अग्रवाल, सत्यनारायण खोईवाल की उपस्थिति में संपन्न हुआ। उल्लेखनीय है कि वार्ड क्रमांक 2 अंतर्गत सीएम मॉनिट विशेष निधि एवं पार्षद मद की राशि से वार्ड अंतर्गत नगर निगम द्वारा राशि रुपए लगभग 80 लाख की लागत से सीमेंट कांक्रीट रोड एवं नाली निर्माण का कार्य करवाया जाएगा जिससे वार्ड के नागरिकों को आवागमन में सुविधा होगी उल्लेखनीय है कि वार्ड क्रमांक 2 महावीर नगर अंतर्गत दूधिया नीम से बावड़ी होकर गढ़कालिका पहुंच मार्ग तक विशेष निधि के तहत 21 लाख की लागत से सीमेंट कांक्रीट रोड निर्माण, पूर्व पार्षद मोहन राठौर के घर के पीछे से गढ़ कालिका पहुंच मार्ग तक विशेष निधि के तहत 29 लाख रुपए की लागत से आरसीसी नाला निर्माण कार्य, रामनगर से गढ़कालिका पहुंच मार्ग तक विशेष निधि के अंतर्गत 11 लाख रुपए की राशि से सीमेंट कांक्रीट रोड निर्माण एवं वार्ड क्र. 2 अंतर्गत सांखला आटा चक्की के पास सरदार जी वाली गली में पार्षद मद की राशि रुपए 19 लाख की लागत से सीमेंट कांक्रीट रोड निर्माण का कार्य करवाया जाएगा इस प्रकार कुल 80 लाख के निर्माण कार्यों की सौगात वार्ड अंतर्गत मिली है भूमि पूजन कार्यक्रम के दौरान उपस्थित अतिथियों द्वारा वार्ड के वरिष्ठ नागरिकों का भी पुष्पमाला पहनाकर एवं शाल भेंटकर सम्मान किया। इस दौरान एमआईसी सदस्य प्रकाश शर्मा, शानू मेहता, अशोक केथवास, विशाल शर्मा, सुभाष डोडिया, राकेश पंडिया, धर्मेंद्र परिहार, जितेंद्र भाटी, पंकज मिश्रा, आनंद जैन, कविता राठोर, निर्मल दिसावल, मधु सोनी, मोहन राठौर, रूपेश श्रीवास्तव, घनश्याम गौड़, रत्नेश साहनी एवं वार्ड के नागरिक उपस्थित रहे।

ओंकारेश्वर राज परिवार के राव जितेंद्र सिंह का हृदय गति होने से स्वर्गवास

उज्जैन। ओंकारेश्वर राज परिवार से स्व. राव शैलेंद्र सिंह के सुपुत्र राव जितेंद्र सिंह का मंगलवार को हृदय गति होने से स्वर्गवास हो गया। वह काफी चर्चित चेहरा रहे।

सामाजिक काम राजनीतिक धार्मिक मंदिर ट्रस्ट के ट्रस्टी राव पुष्पेंद्र सिंह के अच्छे चेहरे भाई थे। आदिवासी समाज धर्मशाला एवं काफी योगदान रहा। कुछ पूर्व पश्चात उनकी पत्नी का भी निधन हो गया। अपने पीछे केवल एक पुत्री को छोड़कर गए। वैसे भरा पूरा परिवार है समस्त ओंकारेश्वर के लोगों ने दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित की, जहां इस परिवार की अंतईश्तियां होते हैं। कोटि तीर्थ घाट के ऊपर अग्नि संस्कार उनकी पुत्री ने संस्कार किया।

कल विशेष फलदायी निर्जला एकादशी

श्रीहरी विष्णु भगवान को प्रसन्न करने के लिए श्रद्धालु रखेंगे व्रत

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

हर साल ज्येष्ठ महीने के शुक्ल पक्ष की एकादशी को निर्जला व्रत रखा जाता है। वैसे तो सभी एकादशियों का फल विशेष फलदाई होते हैं। परंतु निर्जला एकादशी का बहुत ही अधिक महत्व बताया गया है।

माना जाता है कि इस एकादशी के व्रत को करने से सभी एकादशी का व्रत करने समान फल की की प्राप्ति होती है। यानि साल 24 में एकादशी होती है इस साल 26 एकादशी है अधिकमास होने के कारण ,बताते है इन सभी एकादशियों का फल निर्जला एकादशी के व्रत से ही मिल जाता है।

इस एकादशी पर निर्जल व्रत करने का विधान है यानि कुछ खाया-पिया नहीं जाता है भूखे प्यासे रहकर बिना अन्न पानी के इस व्रत को किया जाता है। अगले दिन यानी द्वादशी तिथि को स्नान

कर श्रीहरी विष्णु भगवान की पूजा करने के बाद ही अन्न-जल ग्रहण व्रत का पारण किया जाता है। ज्योतिषाचार्य पंडित राहुल भारद्वाज गढ़ी ने बताया कि 25 जून गुरुवार को निर्जला एकादशी का व्रत किया जाएगा।

देवास रोड पर फोरलेन परियोजना की जमीनी हकीकत सामने आई

प्रतिदिन बन रही जाम की स्थिति

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

देवास रोड पर सोमवार को जो दृश्य दिखा, उसने फोरलेन परियोजना की जमीनी हकीकत उजागर कर दी। सड़क के एक हिस्से पर दर्जनों दोपहिया और चारपहिया वाहन कतारबद्ध खड़े थे, जबकि बचे हुए संकरे हिस्से से दोनों दिशाओं का ट्रैफिक निकालने की कोशिश हो रही थी। नतीजा यह रहा कि यहां तीन घंटे तक जाम की स्थिति बनी रही और सैकड़ों लोग परेशान होते रहे।

फोरलेन निर्माण के चलते मार्ग के दूसरे हिस्से में डामरीकरण और बिजली कंपनी का काम चल रहा है। इसलिए फिलहाल इसी हिस्से से दोनों ओर का आवागमन संचालित किया जा रहा है। लेकिन जिस सड़क पर यातायात चलना चाहिए था, उसका बड़ा हिस्सा अवैध पार्किंग ने घेर रखा है। तस्वीर में साफ दिखाई देता है कि सड़क किनारे खड़े वाहन ट्रैफिक के लिए उपलब्ध जगह को लगातार कम कर रहे हैं।

स्थानीय लोगों का कहना है कि कार शोरूम के पास आने वाले ग्राहकों और कर्मचारियों के वाहनों के लिए पर्याप्त पार्किंग व्यवस्था नहीं है। परिणामस्वरूप दोपहिया और चारपहिया वाहन सीधे मुख्य मार्ग पर ही खड़े किए जा रहे हैं। इसके अलावा आसपास लगने वाले फल, सब्जी और चाय-नाश्ते के ठेले भी सड़क की उपयोगी चौड़ाई कम कर रहे हैं । ऐसे में थोड़े से ट्रैफिक दबाव में भी वाहन रेंगने लगते हैं।

विडंबना यह है कि जिस देवास रोड पर वर्षों तक सिंगल लेन होने के कारण जाम की समस्या रही, उसी समस्या के समाधान के लिए सरकार करोड़ों रुपये खर्च कर फोरलेन सड़क बना रही है। लेकिन सड़क चौड़ी होने के बावजूद यदि उसका हिस्सा पार्किंग और अतिक्रमण की भेंट चढ़ जाए तो विकास का उद्देश्य अधूरा ही रह जाएगा।

समस्या केवल देवास रोड तक सीमित नहीं

यह समस्या केवल देवास रोड तक सीमित नहीं है। फ्रीगंज क्षेत्र में भी कई बड़े अस्पताल, व्यावसायिक प्रतिष्ठान और संस्थान अपनी पार्किंग की जिम्मेदारी सड़क और फुटपाथ पर छोड़ चुके हैं। एसएस हास्पिटल सहित कई स्थानों पर सड़क किनारे खड़े वाहन आम दृश्य बन चुके हैं। पैदल चलने वालों के लिए बने फुटपाथ तक वाहनों और अतिक्रमण के कब्जे में हैं।

नगर निगम और यातायात पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल

सबसे बड़ा सवाल नगर निगम, यातायात पुलिस और संबंधित विभागों की कार्यप्रणाली पर है। जब करोड़ों रुपये की सड़क परियोजनाओं के साथ पार्किंग प्रबंधन और अतिक्रमण नियंत्रण की व्यवस्था नहीं होगी, तब जाम की समस्या खत्म होने के बजाय नए रूप में सामने आती रहेगी। जनता अब पूछ रही है कि यदि फोरलेन बनने के बाद भी सड़क पर चलने की जगह नहीं बचेगी तो फिर विकास कार्यों पर खर्च हुए करोड़ों रुपये का लाभ आखिर किसे मिलेगा।

विश्वविद्यालय के कला शिक्षा विभाग की यह प्रस्तुति रंगमंच के इतिहास में मील का पत्थर साबित हुई है — कुलगुरु डॉ. अर्पण भारद्वाज

शहीद-ए-आजम भगत सिंह के जीवन पर आधारित नाट्य प्रस्तुति

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय, उज्जैन के कला शिक्षा विभाग द्वारा परिकृति संस्था के सहयोग से शहीद-ए-आजम भगत सिंह के जीवन पर आधारित नाट्य प्रस्तुति वतन तेरे लिए का अभिरंग नाट्यगृह, कालिदास संस्कृत अकादमी में अत्यंत भावपूर्ण एवं सफल मंचन किया गया। यह प्रस्तुति न केवल एक सांस्कृतिक आयोजन रही, बल्कि राष्ट्रप्रेम, बलिदान और ऐतिहासिक चेतना का सशक्त संदेश भी बनकर उभरी।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि लोकतंत्र सेनानी श्री ठाकुर भानु प्रताप सिंह पंवार रहे।

प्रस्तुति के दौरान पूरा सभागार देशभक्ति के जज्बे से ओत-प्रोत दिखाई दिया और दर्शकों ने खड़े होकर जोरदार तालियों के साथ कलाकारों का उत्साहवर्धन किया।

कुलगुरु डॉ. अर्पण भारद्वाज ने अपने उद्बोधन में कहा कि विश्वविद्यालय के कला शिक्षा विभाग की यह प्रस्तुति मील का पत्थर साबित हुई है, जो विद्यार्थियों की प्रतिभा, समर्पण और सांस्कृतिक प्रतिबद्धता का उत्कृष्ट उदाहरण है। उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत कला शिक्षा विभाग की स्थापना को विश्वविद्यालय की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताते हुए कहा कि यह पहल विद्यार्थियों की रचनात्मक क्षमता को नई दिशा दे रही है।

नाटक के लेखक एवं निर्देशक सतीश दवे ने अपने सशक्त निर्देशन के माध्यम से स्वतंत्रता संग्राम की गौरवगाथा को जीवंत कर दिया। प्रस्तुति में भगत सिंह के जन्म से लेकर उनकी शहादत तक के महत्वपूर्ण प्रसंगों को अत्यंत प्रभावी ढंग से मंचित किया गया। जलियांवाला बाग हत्याकांड, लाला लाजपत राय की शहादत का प्रतिशोध, असेंबली बम कांड, जेल संघर्ष और अंतिम बलिदान जैसे जीवंत दृश्यों ने दर्शकों को भावविभोर कर दिया।

सब पे नज़र, सबकी ख़बर

दैनिक अवन्तिका

इंदौर | उज्जैन | गुरुवार 25 जून, 2026 | www.awantika.com

न्यूज ब्रीफ

मतदाता सूची के वार्षिक पुनरीक्षण के संबंध में बैठक 29 जून को

इंदौर। सचिव राज्य निर्वाचन आयोग श्री दिनेश श्रीवास्तव ने जानकारी दी है कि नगरीय निकायों एवं पंचायतों की मतदाता सूची के वार्षिक पुनरीक्षण वर्ष 2026 की समीक्षा बैठक 29 जून को 4:30 बजे आयोजित की गई है। बैठक में उप जिला निर्वाचन अधिकारी (स्थानीय निर्वाचन), रजिस्ट्रीकरण/सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी एवं सहायक अधीक्षक (स्थानीय निर्वाचन) शामिल होंगे। बैठक वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से होगी। बैठक में अनुपस्थित, शिफ्टेड, मृत एवं रिपीट मतदाओं की जॉच सहित अन्य विषयों पर चर्चा की जायेगी।

8 जुलाई तक चलेगा राज्यव्यापी जन-जागरूकता अभियान

इंदौर। मध्य प्रदेश पुलिस द्वारा साइबर अपराधों की रोकथाम एवं जन-जागरूकता के उद्देश्य से राज्य स्तरीय अभियान सेफ क्लिक 2026 का शुभारंभ किया गया है। वर्ष 2025 में आयोजित अभियान की सफलता के बाद इस वर्ष इसका दूसरा संस्करण 24 जून से 8 जुलाई तक पूरे प्रदेश में संचालित किया जाएगा। भोपाल में मुख्यमंत्री ने रविंद्र भवन में अभियान का शुभारंभ किया। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य नागरिकों को इंटरनेट और डिजिटल माध्यमों के सुरक्षित उपयोग के प्रति जागरूक करना तथा साइबर अपराधों से बचाव संबंधी जानकारी प्रदान करना है।

बारिश के साथ ही जिले में खरीफ की बुआई का कार्य भी प्रारंभ

इंदौर। इंदौर जिले में मंगलवार की शाम से बारिश का सिलसिला प्रारंभ हो गया है। जिले में आज बुधवार की सुबह साढ़े 8 बजे तक पिछले 24 घंटे में 22.4 मिलीमीटर (लगभग एक इंच) औसत वर्षा हो चुकी है। बारिश शुरू होते ही जिले में खरीफ की बुआई का कार्य भी शुरू हो गया है। जिले में वर्ष खरीफ सीजन में कुल 2 लाख 52 हजार 624 हेक्टेयर क्षेत्र में फसलों का क्षेत्राच्छादन किया जाएगा। इसमें प्रमुख रूप से 2 लाख 33 हजार हेक्टेयर रकबे में सोयाबीन की बोनी होगी, जो कुल क्षेत्र का लगभग 92 प्रतिशत है।

इंदौर ग्रामीण पुलिस द्वारा सेफ क्लिक 2.0 का शुभारंभ

इंदौर। साइबर अपराधों के विरुद्ध जन-जागरूकता बढ़ाने और युवाओं को डिजिटल सुरक्षा के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से इंदौर ग्रामीण पुलिस द्वारा ह्लसेफ क्लिक 2.0ह्व साइबर जागरूकता अभियान का शुभारंभ किया गया। बंसल कॉलेज में आयोजित कार्यक्रम में एक हजार से अधिक विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं कॉलेज स्टाफ ने भाग लिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ पुलिस अधीक्षक राजेन्द्र कुमार वर्मा ने किया। इस अवसर पर उन्होंने विद्यार्थियों को साइबर अपराधों के बदलते स्वरूप, ऑनलाइन धोखाधड़ी, डिजिटल अरेस्ट, फर्जी कॉल, सोशल मीडिया ठगी, बैंकिंग फ्रॉड तथा ओटीपी फ्रॉड जैसे अपराधों से बचाव के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि डिजिटल युग में जागरूकता ही सबसे बड़ा सुरक्षा कवच है और प्रत्येक नागरिक को साइबर सुरक्षा के प्रति सतर्क एवं जिम्मेदार रहना चाहिए। पुलिस अधीक्षक श्री वर्मा ने विद्यार्थियों से स्वयं जागरूक बनने के साथ-साथ अपने परिवार, मित्रों एवं समाज के अन्य लोगों को भी साइबर अपराधों के प्रति जागरूक करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि यदि प्रत्येक युवा साइबर सुरक्षा का संदेश अपने आसपास के लोगों तक पहुंचाए तो साइबर अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित किया जा सकता है।

कॅरियर काउंसलिंग के लिए नियुक्त किए जाएंगे विषय विशेषज्ञ

इंदौर। जॉबफैयर एवं कॅरियर काउंसिलिंग योजना के अंतर्गत जिले के शासकीय हाईस्कूल, हाईर सेकेण्डरी स्कूलों के अध्ययनरत छात्र-छात्राओं के भविष्य निर्माण में मार्गदर्शन कार्य के लिये काउन्सर एवं विषय विशेषज्ञों के आवेदन मंगाए गए है। उपसंचालक पी. एस. मण्डलोई ने बताया कि काउन्सलर पद के लिए न्यूनतम योग्यता मनोविज्ञान विषय में स्नातकोत्तर डिग्री में डिप्लोमा होना अनिवार्य है। विषय विशेषज्ञ पद हेतु कॅरियर मार्गदर्शन के क्षेत्र में अनुभव एवं परामर्श देने की योग्यता रखना अनिवार्य रखने वाले आवेदक अपने आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं।

कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव सम्पन्न, 25 छात्राओं को मिली नौकरी

इंदौर। शासकीय महिला पॉलीटेक्निक महाविद्यालय इंदौर में गत दिवस एमआरएफ लिमिटेड द्वारा कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव आयोजित किया गया। इस प्लेसमेंट ड्राइव में महाविद्यालय की विभिन्न शाखाओं की छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्लेसमेंट प्रक्रिया के माध्यम से कंपनी द्वारा 25 प्रतिभावान छात्राओं का चयन किया गया। यह महाविद्यालय द्वारा प्रदान किए गए गुणवत्तापूर्ण तकनीकी प्रशिक्षण का परिणाम है। शासकीय महिला पॉलीटेक्निक महाविद्यालय की प्राचार्या श्रीमती विजया शिंदे, प्रभारी प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट अधिकारी श्री दिनेश भूरिया तथा अन्य संकाय सदस्यों ने चयनित छात्राओं को बधाई दी है।

योजना पर पुजारी महासंघ ने जताई आपत्ति

सिंहस्थ 2028 से पहले पुजारियों और ड्राइवरों को मिलेगी ट्रेनिंग

दैनिक अवन्तिका ▶▶ उज्जैन

सिंहस्थ 2028 को लेकर मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड ने बड़ा कदम उठाया है। ग्वालियर स्थित आईआईटीटीएम के साथ मिलकर उज्जैन के पंडों-पुजारियों और ऑटो-टैक्सी ड्राइवरों को मेहमाननवाजी और व्यवहार संबंधी विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम अगस्त 2026 से शुरू होने जा रहा है। हालांकि, सरकार की इस योजना पर अखिल भारतीय पुजारी महासंघ ने कड़ा विरोध दर्ज कराया है। अखिल भारतीय पुजारी महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष महेश पुजारी ने इस पहल को पंडों-पुजारियों को बदनाम करने की साजिश बताया है। उन्होंने कहा कि देश के तीर्थ स्थल आज भी पंडों और पुजारियों की वजह से सुरक्षित और व्यवस्थित हैं। श्रद्धालु दूर-दूर से अपने पारंपरिक पंडों को खोजकर उनके माध्यम से पूजा-अर्चना और आशीर्वाद प्राप्त करते हैं।

पंडों-पुजारियों को क्या सिखाया जाएगा?

प्रशिक्षण कार्यक्रम में पंडों-पुजारियों को श्रद्धालुओं के साथ विनम्र और सम्मानजनक व्यवहार करने की जानकारी दी जाएगी। तनावपूर्ण परिस्थितियों में धैर्य बनाए रखने का प्रशिक्षण भी दिया जाएगा। महिलाओं, बुजुर्गों और दिव्यांग श्रद्धालुओं की सहायता करने के तरीकों पर विशेष जोर रहेगा। इसके साथ ही भीड़ प्रबंधन और श्रद्धालुओं को सही मार्गदर्शन देने के बारे में भी प्रशिक्षण दिया जाएगा।

ड्राइवरों के लिए भी होगा विशेष प्रशिक्षण

ऑटो और टैक्सी ड्राइवरों को सुरक्षित ड्राइविंग के नियम सिखाए जाएंगे। उन्हें सही किराया लेने, यात्रियों से मुस्कुराकर संवाद करने और प्राथमिक उपचार यानी फर्स्ट एड की जानकारी दी जाएगी। इसके अलावा जीपीएस के उपयोग और उज्जैन शहर की पूरी जानकारी भी प्रशिक्षण का हिस्सा होगी।

महेश पुजारी का कहना है कि सिंहस्थ जैसे आयोजनों में कई बार अधिकारियों और पुलिस का व्यवहार ही सवालों के घेरे में रहता है, जिसकी तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर भी सामने आते रहते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि भीड़ प्रबंधन के नाम पर कई संस्थाएं श्रद्धालुओं को दूर से दर्शन करवाकर बाहर कर देती हैं। ऐसे में पहले अधिकारियों को खुद व्यवहार और प्रबंधन के गुण सीखने चाहिए, उसके बाद दूसरों पर सवाल उठाने चाहिए।

क्या है सरकार का मेगा प्लान?

आईआईटीटीएम के निदेशक डॉ. चंद्रशेखर बरुआ के अनुसार सिंहस्थ 2028 में करोड़ों श्रद्धालुओं के उज्जैन पहुंचने की संभावना है। ऐसे में श्रद्धालुओं को बेहतर अनुभव और सुविधाएं उपलब्ध कराना प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि भविष्य में श्रद्धालुओं को पंडों के रूखे व्यवहार या ड्राइवरों की मनमानी जैसी समस्याओं का सामना न करना पड़े, इसके लिए यह विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम तैयार किया गया है।

पहले चरण में 1000 लोगों को मिलेगी ट्रेनिंग

योजना के पहले चरण में 1000 लोगों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण लेने वालों को प्रतिदिन 400 से 500 रुपये तक स्टाइपेंड दिया जाएगा। प्रतिभागियों के रहने और खाने की व्यवस्था भी निशुल्क होगी। इसके अलावा फील्ड विजिट और आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने का व्यावहारिक प्रशिक्षण भी दिया जाएगा।

आईआईटीटीएम ने दिया अपना पक्ष- निदेशक डॉ. चंद्रशेखर बरुआ ने कहा कि संस्था का उद्देश्य किसी को नीचा दिखाना नहीं है। उन्होंने कहा कि कोशिश यह है कि उज्जैन आने वाला हर श्रद्धालु सम्मान और बेहतर अनुभव के साथ वापस लौटे। उनका कहना है कि श्रद्धालु अपने साथ अच्छी यादें लेकर जाएं, शिकायतें नहीं।

हरीफाटक से महाकाल के नीलकंठ द्वार रूट पर ऑटो-ई रिक्शा बैन

उज्जैन आने वाले श्रद्धालुओं को जाम से मिलेगी राहत

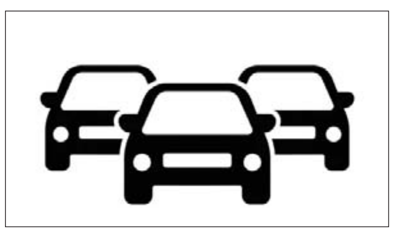

दैनिक अवन्तिका ▶▶ उज्जैन

उज्जैन में महाकाल मंदिर क्षेत्र की जाम समस्या कम करने के लिए यातायात पुलिस ने हरी फाटक-बेगमबाग-नीलकंठ द्वार मार्ग पर ऑटो और ई-रिक्शा संचालन पर रोक लगा दी है। ऑटो संघ की सहमति से लिया गया यह निर्णय श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों को राहत देने के उद्देश्य से लागू किया गया है।

नियम उल्लंघन पर कार्रवाई होगी। महाकाल मंदिर क्षेत्र में जाम की समस्या से निपटने के लिए यातायात पुलिस ने बड़ा फैसला लिया है। हरी फाटक क्षेत्र से बेगमबाग होते हुए नीलकंठ द्वार की ओर अब ऑटो एवं ई-रिक्शा का संचालन नहीं होगा। उप पुलिस अधीक्षक यातायात दिलीप परिहार और थाना प्रभारी यातायात इन्द्रपाल सिंह की मौजूदगी में ऑटो एवं ई-रिक्शा संघ के पदाधिकारियों के साथ बैठक हुई। शहर के प्रमुख मार्गों पर यातायात सुगम बनाने और आमजन की सुविधा को लेकर चर्चा के बाद इस रूट पर ऑटो-ई रिक्शा बंद करने के प्रस्ताव पर सर्वसम्मति बनी। याद रहे कि महाकाल मंदिर पहुंच इस मार्ग पर हरी फाटक से नीलकंठ द्वार के बीच संकरे रास्ते पर ऑटो-ई रिक्शा की वजह से रोज भारी जाम लगता है। श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों को परेशानी होती है। महाकाल मंदिर जाने वाला ये प्रमुख मार्ग है, इसलिए यातायात सुचारू करना जरूरी था।

क्यों लगाया गया बैन?

लंबा जाम- महाकाल मंदिर और भारत माता मंदिर पहुंचने वाले इस मार्ग पर रोज लंबा जाम लगता है। संकरे रास्ते पर ऑटो-ई रिक्शा की भीड़ से ट्रैफिक पूरी तरह ठप हो जाता है।

श्रद्धालु होते हैं परेशान

देशभर से आने वाले श्रद्धालुओं को मंदिर तक पहुंचने में घंटों लगते हैं। बुजुर्ग, महिलाएं और बच्चों को जाम में फंसकर सबसे ज्यादा परेशानी झेलनी पड़ती है।

वीआईपी-प्रोटोकॉल एंट्री भी यहीं से

इसी मार्ग से वीआईपी और प्रोटोकॉल वाले श्रद्धालुओं का प्रवेश होता है। जाम की वजह से सुरक्षा व्यवस्था और प्रोटोकॉल मूवमेंट भी प्रभावित होता था।

बैठक में ऐसे बनी सहमति

बैठक में ऑटो-ई रिक्शा संघ के पदाधिकारियों ने पुलिस प्रशासन को पूरा सहयोग देने का आश्वासन दिया। इस दौरान सभी वाहन चालकों से निर्धारित यातायात नियमों का पालन करने और शहर में सुगम यातायात व्यवस्था बनाए रखने में मदद करने को कहा गया। इस दौरान बताया गया कि नए नियम का उल्लंघन करने पर कार्रवाई की जाएगी। इस फैसले से हरी फाटक-बेगमबाग-नीलकंठ द्वार रूट पर जाम की समस्या कम होगी। पैदल श्रद्धालुओं और लोकल ट्रैफिक को राहत मिलने की उम्मीद है।

इंदौर की पांच औद्योगिक संस्थानों को किया गया सील

दैनिक अवन्तिका ▶▶ इंदौर

इंदौर में फायर सेफ्टी मानकों के पालन को सुनिश्चित करने के लिए जिला प्रशासन द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में कलेक्टर शिवम वर्मा के निर्देश पर बुधवार को नगर निगम एवं संबंधित विभागों की संयुक्त टीम ने पोलोग्राउंड औद्योगिक क्षेत्र में निरीक्षण अभियान चलाकर फायर सेफ्टी नियमों का उल्लंघन करने वाले पांच औद्योगिक संस्थानों को सील कर दिया।

निरीक्षण के दौरान पाया गया कि संबंधित संस्थानों में आवश्यक अग्नि सुरक्षा उपकरणों, आपातकालीन सुरक्षा व्यवस्थाओं तथा निर्धारित फायर सेफ्टी मानकों का समुचित पालन नहीं किया जा रहा था। सुरक्षा मानकों में गंभीर कमियां पाए जाने पर प्रशासन ने तत्काल कार्रवाई करते हुए संस्थानों को सील कर दिया। कार्रवाई के तहत रौनक पेंट फैक्ट्री, स्टार पेंट, पेपर ट्रेंड लिंक प्राइवेट लिमिटेड, सारा फोम तथा वाडीलाल केमिकल को सील किया गया। इन संस्थानों में अग्नि सुरक्षा व्यवस्थाओं की कमी के कारण किसी भी आपात स्थिति में जनहानि एवं बड़े हादसे की आशंका बनी हुई थी। कलेक्टर श्री वर्मा ने कहा है कि नागरिकों एवं कर्मचारियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है।

शराब दुकान पर बवाल! ओवररेटिंग के आरोप पर जमकर चले लात-घूंसे

दैनिक अवन्तिका ▶▶ इंदौर

इंदौर के स्कीम नंबर-54 स्थित एक शराब दुकान पर कथित ओवररेटिंग को लेकर रविवार देर शाम जमकर हंगामा हो गया। आरोप है कि दुकान पर शराब खरीदने पहुंचे एक ग्राहक से निर्धारित कीमत से अधिक पैसे मांगे गए। जब ग्राहक ने इसका विरोध किया तो उसकी दुकान कर्मचारियों से कहासुनी हो गई। देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ गया कि दोनों पक्षों के बीच जमकर लात-घूंसे चलने लगे।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, शराब दुकान के बाहर कुछ देर तक अफरा-तफरी का माहौल बना रहा। विवाद बढ़ता देख वहां मौजूद लोगों की भीड़ जमा हो गई। कई लोगों ने बीच-बचाव करने की कोशिश की, लेकिन गुस्से में दोनों पक्ष एक-दूसरे पर हमला करते रहे। इस दौरान किसी ने पूरे घटनाक्रम का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया, जिसके बाद मामला शहरभर में चर्चा का विषय बन गया।

वायरल वीडियो में शराब दुकान के बाहर लोगों की भीड़ दिखाई दे रही है। कुछ लोग एक-दूसरे से धक्का-मुक्की और मारपीट करते नजर आ रहे हैं। हालांकि वीडियो किस समय का है और उसमें दिखाई दे रहे लोगों की पहचान क्या है, इसकी आधिकारिक पुष्टि अभी तक नहीं हो पाई है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि शराब दुकानों पर ओवररेटिंग की शिकायतें पहले भी सामने आती रही हैं। कई बार ग्राहकों द्वारा तय कीमत से ज्यादा पैसे वसूलने के आरोप लगाए जाते रहे हैं, लेकिन अधिकांश मामलों में शिकायतें जांच तक ही सीमित रह जाती हैं। ऐसे में स्कीम नंबर-54 की इस घटना ने एक बार फिर शराब दुकानों पर हो रही कथित ओवररेटिंग और निगरानी व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

हालांकि, इस पूरे मामले में अभी तक पुलिस या आबकारी विभाग की ओर से कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। न ही यह स्पष्ट हो पाया है कि विवाद वास्तव में ओवररेटिंग को लेकर हुआ था या इसके पीछे कोई अन्य वजह थी। पुलिस और आबकारी विभाग द्वारा वायरल वीडियो और घटना की जांच किए जाने की बात कही जा रही है।

खजराना के कृष्ण बाग कॉलोनी की घटना, घायल पिता अस्पताल में भर्ती

इंदौर में प्रेम प्रसंग को लेकर खूनी संघर्ष

युवक ने पिता पर धारदार हथियार से किया हमला

दैनिक अवन्तिका ▶▶ इंदौर

शहर के खजराना थाना क्षेत्र स्थित कृष्ण बाग कॉलोनी में प्रेम प्रसंग को लेकर चल रहा विवाद सोमवार को खूनी संघर्ष में बदल गया। एक युवक ने अपनी कथित प्रेमिका के पिता पर धारदार हथियार से हमला कर दिया, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना में घायल की पत्नी के साथ भी मारपीट होने की बात सामने आई है। पुलिस ने आरोपी युवक और उसकी मां के खिलाफ हत्या के प्रयास सहित विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, घायल की पहचान 40 वर्षीय मेहरबान सिंह ठाकुर निवासी कृष्ण बाग कॉलोनी के रूप में हुई है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि उनकी बेटी प्राची की शुभम नामक युवक से बातचीत होती थी।

बातचीत के दौरान दोनों पक्षों में कहासुनी शुरू हुई

परिवार इस रिश्ते का विरोध करता था, जिसके चलते घर में लंबे समय से तनाव की स्थिति बनी हुई थी। बताया जा रहा है कि सोमवार को शुभम अपनी मां के साथ प्राची के घर पहुंचा था। बातचीत के दौरान दोनों पक्षों में कहासुनी शुरू हुई, जो देखते ही देखते हिंसक विवाद में बदल गई। आरोप है कि इसी दौरान शुभम ने धारदार हथियार निकालकर मेहरबान सिंह पर ताबड़तोड़ वार कर दिए। हमले में उनकी पीठ सहित शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोटें आई हैं। घटना के बाद परिवार के लोगों और आसपास के रहवासियों ने घायल को तत्काल निजी अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका इलाज जारी है।

पत्नी के साथ भी मारपीट की गई

डॉक्टरों के मुताबिक उनकी हालत पर लगातार नजर रखी जा रही है। जानकारी के अनुसार, विवाद के दौरान मेहरबान सिंह की पत्नी के साथ भी मारपीट की गई। वहीं पुलिस यह भी जांच कर रही है कि घटना के समय युवती की क्या भूमिका थी और आखिर ऐसा क्या हुआ कि पारिवारिक विवाद हिंसक झड़प में बदल गया।

कृष्ण बाग कॉलोनी में दहशत का माहौल

घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में घर के अंदर खून बिखरा हुआ दिखाई दे रहा है। हालांकि पुलिस ने वायरल वीडियो की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है और उसकी सत्यता की जांच की जा रही है। एडिशनल डीसीपी अमरेंद्र सिंह ने बताया कि खजराना थाना पुलिस ने आरोपी शुभम और उसकी मां के खिलाफ हत्या के प्रयास सहित विभिन्न धाराओं में प्रकरण दर्ज कर लिया है। पुलिस मामले के हर पहलू की जांच कर रही है और साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। इस घटना के बाद कृष्ण बाग कॉलोनी में दहशत का माहौल है।

पवित्र श्रावण मास से बदल सकती है उज्जैन में कालभैरव मंदिर में दर्शन व्यवस्था

सशुल्क व वीआईपी प्रोटोकॉल की अलग से लाइन चलाएंगे

- कुछ दिनों पहले ही कालभैरव में 500 रुपए सशुल्क दर्शन व्यवस्था शुरू की गई थी
- सशुल्क दर्शन वाली कतार में ही प्रोटोकॉल व वीआईपी वाले श्रद्धालुओं को भी दर्शन करवाए जा रहे हैं
- इससे सुविधा बनाने में मुश्किलें हो रही हैं, क्योंकि इस कतार वाले सभी श्रद्धालुओं को गर्भगृह से दर्शन करवाने होते हैं

दैनिक अवन्तिका ▶▶ उज्जैन

श्रावण महीने की शुरूआत से कालभैरव मंदिर में दर्शन व्यवस्था बदल सकती है। मंदिर प्रबंध समिति अभी से तैयारी कर रही है।

कुछ दिनों पहले ही मंदिर में 500 रुपए सशुल्क वीआईपी दर्शन की व्यवस्था भी शुरू की गई है। ऐसे में अभी मंदिर में निःशुल्क सामान्य व सशुल्क दर्शनार्थियों के लिए अलग-अलग दो कतार लगाई जा रही है। इनमें से सशुल्क दर्शन वाली कतार में ही प्रोटोकॉल व वीआईपी वाले श्रद्धालुओं को भी दर्शन करवाए जा रहे हैं। इससे सुविधा बनाने में मुश्किलें हो रही हैं, क्योंकि इस कतार वाले सभी श्रद्धालुओं को गर्भगृह से दर्शन करवाने होते हैं। अगले महीने 30 जुलाई से सावन महीने की शुरूआत होने जा रही है। ऐसे में समिति यहां की दर्शन व्यवस्था को और भी सरल बनाने की तैयारी कर रही है।

दर्शन की नई प्लानिंग यह की जा रही है कि दो की बजाय दर्शन के लिए तीन कतार का प्रबंध किया जाएगा। इनमें से पहली कतार निःशुल्क सामान्य दर्शनार्थियों के लिए रहेगी। दूसरी कतार 500 रुपए सशुल्क वाले दर्शनार्थियों के लिए और तीसरी कतार प्रोटोकॉल-वीआईपी वाले श्रद्धालुओं के लिए। मंदिर प्रबंध समिति के अध्यक्ष एलएन गर्ग पहले ही स्पष्ट कर चुके थे कि व्यवस्थाओं में परिवर्तन करेंगे और ऑनलाइन पर भी जोर देंगे।

महाकाल दर्शन रूट पर भी बदलाव की तैयारी

श्रावण माह की शुरूआत और महाकाल लोक में उमड़ने वाली श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए शहर की यातायात व्यवस्था को सुधारने के लिए प्रशासन ने बड़ा कदम उठाया है। मंगलवार को ट्रैफिक डीएसपी दिलीपसिंह परिहार और थाना प्रभारी इंद्रपाल सिंह की उपस्थिति में ऑटो व ई-रिक्शा संघ के पदाधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक हुई।

बैठक में सर्वसम्मति बनी है कि बेगमबाग-हरिफाटक से नीलकंठ मार्ग पर लगने वाले जाम से मुक्ति के लिए अब इस रूट पर ऑटो और ई-रिक्शा का प्रवेश बंद करना जरूरी है। डीएसपी परिहार ने बताया कि इस प्रस्ताव को सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में कलेक्टर के समक्ष अंतिम नोटिफिकेशन के लिए रखा जाएगा।

श्रावण में बढ़ेगी भीड़

श्री महाकालेश्वर मंदिर में दर्शन करने के बाद अधिकांश श्रद्धालु कालभैरव मंदिर में दर्शन करने पहुंचते हैं। ऐसे में इस मंदिर में भी भीड़ का दबाव रहता है।

मंदिर जाने के लिए दो वैकल्पिक मार्ग तय

रूट नंबर 1: हरिफाटक- बेगमबाग के बजाय ऑटो व ई-रिक्शा गऊघाट और यंत्र महल के रास्ते होते हुए श्रद्धालुओं को नृसिंह घाट छोड़ेंगे।

रूट नंबर 2: हरिफाटक ब्रिज टी-पॉइंट से इंटरप्रिटेशन सेंटर होते हुए ई-रिक्शा सीधे चारधाम तक जा सकेंगे।

पुलित्जर से नवाजे गए अपटॉन सिंक्लेयर की अजब है कहानी

अपटॉन सिंक्लेयर अमेरिका के मेरीलैंड के एक बेहद गरीब परिवार में जन्मा था। गरीबी में कई बार हाल यह होता था कि उसके पूरे परिवार को भूखा रहना पड़ता। उनके पास घर का किराया चुकाने को भी पैसे न होते। अपटॉन को पढ़ने-लिखने का बेहद शौक था, लेकिन गरीबी के चलते दस साल की उम्र तक वह स्कूल का दरवाजा भी नहीं देख पाया। लेकिन कहते हैं कि जहां चाह, वहीं राह। अपटॉन ने खुद से पढ़ना-लिखना सीखा और जब होश में आने की उम्र आई तो उसने चार्ल्स डिकेंस और विलियम थेकरे के सारे उपन्यास पढ़ डाले। जब उपन्यास खत्म हुए तो उसने एनसाइक्लोपीडिया भी पढ़ डाली। अब तो जब भी मजदूरी से उसे फुर्सत मिलती, उस समय का उपयोग वह कोई न कोई किताब पढ़ने में करता। ऐसे ही संघर्ष और परिश्रम से अपटॉन कॉलेज पहुंच गया। अब वह कमाई के लिए छोटी पत्रिकाओं के लिए लिखने लगा, लेकिन उसके मन में गरीबी और अन्याय के विरोध भीषण क्रोध भरा हुआ था। अपटॉन इस दुनिया को बदलना चाहता था, सो उसने कलम उठाई। उसने पांच साल में पांच उपन्यास गरीबी और असमानता पर लिखे, लेकिन उनको पाठक नहीं मिले। इन सबसे अविचलित अपटॉन ने अपना लेखन कार्य पूरे मनोयोग से जारी रखा। उसे यकीन था कि दुनिया को आज नहीं तो कल, गरीबों की बात सुननी ही होगी। उसने अगला उपन्यास द्द जंगल के नाम से लिखा। यह उपन्यास हिट हो गया और गरीबी के खिलाफ दुनिया भर में आवाज उठी। इस उपन्यास के लिए अपटॉन सिंक्लेयर को पुलित्जर पुरस्कार भी मिला। अपटॉन ने अपने जीवन में सौ किताबें लिखीं, कई पर तो हॉलिवुड ने फिल्में भी बनाईं। वे अक्सर कहा करते थे कि समाज की सूरत तभी बदलेगी, जब कोई उसे आईना दिखाएगा, और यह लेखक ही करेगा।

सम्पादकीय

आस्था पर आघात है चढ़ावा चोरी

सदियों के संघर्ष, असंख्य लोगों के बलिदान और दशकों की कानूनी लड़ाई के बाद अयोध्या में साकार हुए राम मंदिर के चढ़ावे में चोरी के मामले ने लोगों की आस्था पर गहरी चोट करने के साथ ही उनके भरोसे को डिगाने का काम किया है। किसी के लिए भी यह सोचना कठिन है कि चढ़ावे में चोरी वही लोग कर रहे थे, जिन पर उसकी पाई-पाई का हिसाब रखने की जिम्मेदारी थी। इस हैरान-परेशान करने वाले मामले की जांच एसआइटी की ओर से की जा रही है। आशा की जाती है कि सच में दूध का दूध और पानी का पानी होगा, लेकिन जब तक ऐसा हो न जाए, तब तक निश्चिंत नहीं हुआ जा सकता।

कहना कठिन है कि चढ़ावे में चोरी कब से हो रही थी, लेकिन यह विचित्र है कि सबसे पहले इसकी भनक स्थानीय विपक्षी नेताओं को लगी और फिर सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने इसे सार्वजनिक किया। जब ऐसा हुआ तो मंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने सब कुछ ठीक होने का दावा कर दान राशि में किसी तरह की हेराफेरी से इन्कार कर दिया। आखिर उन्हें ऐसा करने की जल्दी क्या थी? इस इन्कार के बाद यह सामने आया कि कुछ लोगों के ठिकानों से पैसा मिला। यह भी पता चला कि जो लोग दान राशि की गिनती में शामिल थे, उनकी आर्थिक हैसियत अचानक अच्छी हो गई थी और वे लाखों-करोड़ों की जमीन खरीद रहे थे। ऐसी बातें भी सामने आईं कि जिन लोगों ने भगवान राम को आभूषण आदि अर्पित किए, उन्हें दान की रसीद नहीं दी गई और कुछ से यह कहा गया कि उन्होंने भेंट स्वरूप चांदी या सोने का जो कुछ दिया था, उसे गला दिया गया। यह भी सामने आया कि दान पात्रों की निगरानी और दान राशि की गणना भी सही तरह नहीं हो रही थी। जब कथित आंतरिक जांच में गंभीर किस्म की गड़बड़ी सामने आई तो मंदिर ट्रस्ट की ओर से राज्य सरकार से जांच कराने को कहा गया। इसके बाद एसआइटी का गठन हुआ। इसके पहले राम मंदिर निर्माण समिति के जो अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र यह कह रहे थे कि उनका काम केवल निर्माण कार्यों को देखना है, वे अचानक टीवी चैनलों में यह बताते हुए दिखाई दिए कि दान पात्रों की निगरानी और चौकसी में भारी कमी थी। उन्होंने चढ़ावा चोरी को डकैती कह कर स्वतः ही मामले की गंभीरता को रेखांकित कर दिया। उन्होंने इसकी भी जरूरत जतानी शुरू कर दी कि मंदिर प्रबंधन की देख-रेख के लिए किसी सीईओ की नियुक्ति आवश्यक है।

मोबाइल के बढ़ते नेटवर्क बनाम दिलों के घटते कनेक्शन

रिश्तों की खुशबू बनाम डिजिटल दूरी : प्रेम, विश्वास और संवाद की नई चुनौती

वैश्विक स्तरपर 21वीं सदी का वर्तमान दौर विज्ञान, तकनीक, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, सोशल मीडिया और डिजिटल क्रांति का युग है। दुनिया पहले की तुलना में कहीं अधिक जुड़ गई है। एक क्लिक पर हजारों किलोमीटर दूर बैठे व्यक्ति से संवाद संभव है। वीडियो कॉल, मैसेजिंग ऐप्स और सोशल नेटवर्किंग प्लेटफॉर्म ने भौगोलिक दूरियों को समाप्त कर दिया है। परंतु विडंबना यह है कि जितनी तेजी से तकनीक ने लोगों को ऑनलाइन जोड़ा है, उतनी ही तेजी से दिलों के बीच की दूरी भी बढ़ी है। आज मनुष्य के पास सैकड़ों डिजिटल संपर्क हैं, लेकिन वास्तविक जीवन में उसे सुनने और समझने वाले कुछ ही लोग बचे हैं। यही कारण है कि आधुनिक समाज में रिश्तों का संकट वैश्विक चिंता का विषय बन चुका है। रिश्ते मानव जीवन की सबसे बड़ी पूंजी हैं। मनुष्य जन्म लेते ही अनेक रिश्तों से जुड़ जाता है। माता-पिता, भाई-बहन, मित्र, गुरु, जीवनसाथी और समाज के अन्य संबंध उसके जीवन को अर्थ प्रदान करते हैं। ये रिश्ते केवल सामाजिक व्यवस्था का हिस्सा नहीं होते, बल्कि भावनात्मक सुरक्षा, मानसिक संतुलन और जीवन की खुशियों का आधार भी होते हैं। जब व्यक्ति कठिन परिस्थितियों से गुजरता है, तब धन, पद और प्रतिष्ठा से अधिक उसके रिश्ते ही उसके साथ खड़े होते हैं। इसलिए कहा जाता है कि जीवन की वास्तविक समृद्धि बैंक खाते में नहीं, बल्कि दिलों में बसे रिश्तोंमें होतीहै।

किशन सनमुखदास
(दैनिक अवन्तिका)

साथियों डिजिटल युग ने मानव जीवन को सुविधाजनक बनाया है, लेकिन इसके साथ अनेक नई चुनौतियाँ भी पैदा की हैं। आज परिवार के सदस्य एक ही घर में रहते हुए भी अलग-अलग स्क्रीन की दुनिया में खोए रहते हैं। भोजन की मेज पर संवाद की जगह मोबाइल फोन ने ले ली है। परिवारों में साथ बैठकर बातचीत करने की परंपरा कमजोर पड़ती जा रही है। बच्चों और अभिभावकों के बीच संवाद कम हो रहा है। पति-पत्नी के बीच भी समय का अभाव और डिजिटल व्यस्तता संबंधों में दूरी पैदा कर रही है। परिणामस्वरूप भावनात्मक जुड़ाव कमजोर होता जा रहा है।

साथियों, विश्व के अनेक देशों में किए गए सामाजिक और मनोवैज्ञानिक अध्ययनों ने संकेत दिया है कि अत्यधिक डिजिटल निर्भरता अकेलेपन, अवसाद और सामाजिक अलगाव को बढ़ा रही है। सोशल मीडिया पर हजारों मित्र होने के बावजूद व्यक्ति भीतर से अकेला महसूस कर रहा है। वह अपनी वास्तविक भावनाओं को साझा करने के बजाय एक आभासी छवि प्रस्तुत करने में व्यस्त रहता है। लाइक्स, कमेंट्स और फॉलोअर्स की संख्या को लोकप्रियता का पैमाना मान लिया गया है, जबकि वास्तविक रिश्ते विश्वास, समय, त्याग और संवेदनशीलता पर आधारित होते हैं।

साथियों, आधुनिक जीवन की एक बड़ी विडंबना यह है कि लोग संवाद तो बहुत कर रहे हैं, लेकिन संप्रेषण कम हो रहा है। संदेशों का आदान-प्रदान बढ़ा है, परंतु भावनाओं का आदान- प्रदान घटा है। छोटी-छोटी गलत फहमियाँ बड़े विवादों का रूप ले रही हैं क्योंकि लोग आमने- सामने बैठकर बातचीत करने के बजाय अनुमान और धारणाओं के आधार पर निर्णय लेने लगे हैं। रिश्तों में जो गर्मजोशी कभी एक मुस्कान, एक स्पर्श या एक आत्मीय मुलाकात से मिलती थी, उसे डिजिटल माध्यम पूरी तरह प्रतिस्थापित नहीं कर सकते।बदलते समय में रिश्तों के टूटने का एक प्रमुख कारण बढ़ता हुआ व्यक्तिवाद भी है। आज सफलता, प्रतिस्पर्धा और व्यक्तिगत उपलब्धियों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। व्यक्ति अपने करियर, आर्थिक विकास और व्यक्तिगत लक्ष्यों में इतना व्यस्त हो गया है कि रिश्तों को समय देना कठिन लगने लगा है। जबकि हर रिश्ता समय और समर्पण मांगता है। जिस प्रकार पौधे को नियमित जल और देखभाल की आवश्यकता होती है, उसी प्रकार रिश्तों को भी प्रेम, विश्वास और संवाद की आवश्यकता होती है। उपेक्षा किसी भी संबंध को धीरे-धीरे कमजोर कर देती है।

साथियों, वैश्विक स्तर पर परिवार संस्था में आ रहेबदलाव भी रिश्तों की प्रकृति को प्रभावित कर रहे हैं। संयुक्त परिवारों की जगह एकल परिवारों ने ले ली है। रोजगार और शिक्षा के कारण लोग अपने घरों और समुदायों से दूर रहने लगे हैं। प्रवासन ने आर्थिक अवसर तो दिए हैं, लेकिन भावनात्मक दूरी भी बढ़ाई है। कई बार माता-पिता एक देश में होते हैं और बच्चे दूसरे देश में। ऐसे में डिजिटल माध्यम संपर्क बनाए रखने में सहायक तो हैं, परंतु वे शारीरिक उपस्थिति और आत्मीयता का पूर्ण विकल्प नहीं बन सकते।

साथियों,रिश्तों के कमजोर होने का एक अन्य कारण अपेक्षाओं का बढ़ना भी है। आधुनिक समाज में लोग अक्सर दूसरों से अधिक अपेक्षाएँ रखते हैं, लेकिन स्वयं उतना योगदान देने के लिए तैयार नहीं होते। जब अपेक्षाएँ पूरी नहीं होतीं, तब निराशा और तनाव पैदा होता है। स्वस्थ रिश्तों की नींव अधिकारों पर नहीं, बल्कि जिम्मेदारियों पर टिकी होती है। जहाँ केवल लेने की इच्छा हो और देने की भावना न हो, वहाँ संबंध लंबे समय तक टिक नहीं सकते।डिजिटल युग में गलत सूचनाएँ, अफवाहें और अधूरी जानकारियाँ भी रिश्तों को प्रभावित कर रही हैं। सोशल मीडिया पर देखी गई किसी पोस्ट, फोटो या संदेश के आधार पर लोग निष्कर्ष निकाल लेते हैं। कई बार बिना सत्यता जाने आरोप-प्रत्यारोप शुरू हो जाते हैं। विश्वास की कमी रिश्तों की सबसे बड़ी शत्रु है। एक बार विश्वास टूट जाए तो उसे पुनः स्थापित करने में लंबा समय लगता है। इसलिए आवश्यक है कि किसी भी परिस्थिति में संवाद और समझदारी का मार्ग अपनाया जाए।इसके विपरीत, सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाया जाए तो डिजिटल तकनीक रिश्तों को मजबूत करने का माध्यम भी बन सकती है। विदेश में रहने वाला पुत्र प्रतिदिन अपने माता-पिता से वीडियो कॉल पर बात कर सकता है। मित्र दूर रहते हुए भी संपर्क बनाए रख सकते हैं। परिवार के सदस्य महत्वपूर्ण अवसरों को ऑनलाइन साझा कर सकते हैं। अर्थात समस्या तकनीक में नहीं, बल्कि उसके उपयोग के तरीके में है। यदि तकनीक का उपयोग संवेदनशीलता और संतुलन के साथ किया जाए तो यह रिश्तों को सटीक रूप सेसशक्त बना सकती है। साथियों रिश्तों को मजबूत बनाने के लिए सबसे महत्वपूर्ण तत्व है झ संवाद। खुलकर बात करना, एक-दूसरे की भावनाओं को सुनना और समझना हर६ संबंध की आवश्यकता है। जब व्यक्ति अपने प्रियजनों को समय देता है, उनकी समस्याओं को सुनता है और उनकी खुशियों में सहभागी बनता है, तब संबंधों में गहराई आती है।

कर्म चाहे नंगा, बस बहती रहे गंगा

गंगा नदी नहीं है भाई, हम भारतीयों के लिए एक यूनिवर्सल वॉशिंग मशीन है। डिटर्जेंट की जरूरत नहीं, बस एक डुबकी मारो और जनम-जनम के पाप ऐसे गायब, जैसे गधे के सिर से सिंग।

हम बचपन से सुनते आ रहे हैं मन चंगा तो कठौती में गंगा। लेकिन हमने इसका प्रैक्टिकल वर्ज़न ढूंढ निकाला है: कर्म चाहे नंगा, बस बहती रहे गंगा।

ऋषिकेश से लेकर बनारस के घाटों तक चले जाइए, गंगा किनारे खड़े होकर आपको लगेगा कि यहाँ मोक्ष का कोई स्टार्ट-अप चल रहा है। लोग घाट पर ऐसे आते हैं जैसे किसी बैंक की कैश-डिपॉज़िट मशीन के सामने खड़े हों। जेब से निकाला 'घोटाला नंबर 1', 'झूठ नंबर 2', 'पड़ोसी की चुगली नंबर 3' और 'धपाक!'... सब गंगा जी के खाते में। गंगा मैया भी मन ही मन सोचती होंगी, भैया, मैं मोक्षदायिनी हूँ, तुम्हारी रीसायकल बिन नहीं कि जो कचरा समाज में नहीं खपा पाए, वो लाकर मुझमें वाश आउट कर दिया।

हमारी श्रद्धा इतनी भारी है कि वह सीधे प्लास्टिक के थैलों में बंद होकर नदी में तैरती है। हम गंगा को 'माँ' कहते हैं, और माँ के प्रति हमारा प्यार इतना अगाध है कि हम उनके आँचल में फूल, अगरबत्ती के रैपर, अधजली लकड़ियाँ, लाशें और जहरीला केमिकल सब कुछ उड़ेल देते हैं।

गंगा पुत्र होने का हमारा दावा तब तक जोरदार रहता है, जब तक बात नारे लगाने की हो। जैसे ही बात कचरा डस्टबिन में डालने की आती है, हम सब अचानक सौतेले हो जाते हैं। हम हर साल हजारों करोड़ के 'नमामि गंगे' प्रोजेक्ट्स लाते हैं। फाइलें तैरती हैं, बजट बहता है, मगर गंगा का पानी? वह आज भी इस ताक में रहता है कि कोई उसमें अपनी आस्था बहाने से पहले थोड़ा सा 'कॉमन सेंस' भी बहा दे। आजकल गंगा किनारे मोक्ष कम, 'इंस्टाग्राम रील्स' ज्यादा मिलती हैं। घाट की आरती में लीन भक्त का ध्यान इस बात पर कम होता है कि मंत्र क्या हैं, और इस बात पर ज्यादा कि 'सिनेमैटिक शॉट' में बैकग्राउंड ब्लर सही आ रहा है या नहीं।

पञ्चांग राशिफल

दिनांक - 25 जून 2026 गुरुवार
सूर्योदय - 05:47 सूर्यास्त 19:12
ज्येष्ठ मास शुक्ल पक्ष
राहुकाल - 13:30 से 15:00 तक
तिथि - एकादशी 20:10 उपरांत द्वादशी
नक्षत्र - स्वाति 16:29 उपरांत विशाखा
योग - शिव 10:54 सिद्ध
करण - वणिज
चन्द्रमा - दिन पूर्ण तुला में रहेगा।
मुस्लिम मास - मोहर्रम मास 09 तारिख

मेष- आज नया रोजगार मिलेगा। अप्रत्याशित लाभ होगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। विवाद न करें।

वृषभ- नौकरी करने वालों को ऐच्छिक स्थानांतरण एवं पदोन्नति मिलने की संभावना है। स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही न करें।

मिथुन- विवाद से क्लेश होगा। शारीरिक कष्ट संभव है। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा सफल रहेगी।

कर्क- आपसी मतभेद, मनमुटाव बढ़ेगा। किसी से मदद की उम्मीद नहीं रहेगी। आर्थिक समस्या बनी रहेगी।

सिंह- धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। यात्रा सफल रहेगी। धन प्राप्ति सुगम होगी। कानूनी बाधा दूर होकर लाभ होगा। पूँजी निवेश बढ़ेगा।

कन्या- पहले किए गए कार्यों का लाभदायी फल आज मिल सकेगा। संतान के कामों से खुशी होगी।

तुला- आज घर-बाहर प्रसन्नता बनी रहेगी। भाई को वैवाहिक प्रस्ताव मिल सकता है। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा।

वृश्चिक- शारीरिक कष्ट से बाधा संभव है। भागदौड़ रहेगी। घर-परिवार का सहयोग प्राप्त होगा। राजकीय सहयोग मिलेगा।

धनु- कार्यकुशलता सहयोग से लाभान्वित होंगे। काम में मन लगेगा। रिश्तेदारों से संबंधों की मयार्दा बनाए रखें।

मकर- पुराना रोग उभर सकता है। भागदौड़ रहेगी। दुःखद समाचार मिल सकता है। धैर्य रखें। अस्वस्थता बनी रहेगी।

कुंभ- खुद के प्रयत्नों से ही जनप्रियता एवं सम्मान मिलेगा। रोजगार के क्षेत्र में संभावनाएँ बढ़ेंगी। स्थायी संपत्ति संबंधी खटपट हो सकती है।

मीन- पुराने संगी-साथियों से मुलाकात होगी। शुभ समाचार प्राप्त होंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। लाभ होगा। परिश्रम का पूरा परिणाम मिलेगा।

समसामयिक

धधक रहे हैं पहाड़

उत्तर भारत के पहाड़ी राज्यों हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और जम्मू-कष्मीर के जंगलों में लगी आग पर वायु सेना ने काबू न पाया होता तो बड़े संकट का सबब बन गई होती ? हालांकि अभी भी पहाड़ धधक रहे है। हिमाचल के सोलन जिले के कसोली क्षेत्र में लगी आग सैन्य ठिकानों और आवासीय इलाकों तक पहुंच गई थी। वन अमला आग बुझाने का कोई सार्थक उपाय कर नहीं पाया, तब भारतीय वायु सेना को राहत अभियान में उतरना पड़ा। उत्तराखंड के उत्तरकाशी में जंगल की आग गंगोत्री राजमार्ग पर पहुंच गई थी, जहां गेस्ट हाउस में ठहरे 70 यात्रियों को बड़ी मुश्किल से बचाया। जम्मू-कश्मीर के उधमपुर और रामवन जिलों में कई दिनों से पहाड़ अभी भी धधक रहे है। अनेक गांव आग के दायरे से घिरते जा रहे है।

प्रमोद भार्गव
(दैनिक अवन्तिका)

गर्मियों के शुरू होते ही इन राज्यों के पहाड़ी वनों में आग लगने की घटनाएं प्रतिवर्ष सुर्खियां बनने लगती हैं, लेकिन किसी भी राज्य ने आग न लगे ऐसे स्थायी प्रबंध करने की जरूरत आज तक नहीं समझी है। आरक्षित वनों में आग लगने की इन घटनाओं से हजारों हेक्टेयर जंगल सुलग कर राख में तब्दील हो जाते हैं। हिमाचल के अकेले कसौली वनक्षेत्र में 10 हेक्टेयर जंगल जलकर राख हो गया है। उत्तराखंड में वनाग्नि की 388 से ज्यादा घटनाएं दर्ज होने के साथ तीन लोगों की मृत्यु भी हो गई है। 340 हेक्टेयर वन भूमि अभी भी धधक रही है। चमोली के आदिबद्री और कालसी में ग्रामों तक आग पहुंच गई। पौड़ी में आग लगाने के आरोप में दो लोगों को हिरासत में लिया गया है। जम्मू-कश्मीर के रामवन, चंदरकोट और उधमपुर में अभी भी कई वनक्षेत्र धधक रहे हैं, इन पहाड़ी क्षेत्रों में आग पर काबू पाना इसलिए मुष्किल होता है, क्योंकि पहाड़ी क्षेत्रों में राहत की सुविधाएं आसानी से पहुंच नहीं पाती। यहां आग बुझाने का काम वन अमले और स्थानीय लोगों की मदद से ही संभव हो पाता है। हिमाचल की आग पर तो इसलिए काबू पा लिया गया, क्योंकि वायु सेना ने आग बुझाने की कमान अपने हाथ में ले ली थी। हेलिकॉप्टरों में बाम्बी बकेट प्रणाली का प्रयोग करके आग नियंत्रित कर ली गई। इस तरीके में निकट के जल-स्रोतों से पानी भरकर सीधे आग वाले क्षेत्रों में गिरा दिया जाता है। चूंकि आग तीन राज्यों के बहुत बड़े क्षेत्र में फैली हुई थी, इसलिए हेलिकॉप्टरों से आग बुझाना संभव ही नहीं है।

यूं तो जंगल में आग लगना एक सामान्य घटना है। वन-प्रांतरों में आग लगती ही रहती हैं। उत्तराखंड में प्रत्येक वर्ष आग की सबसे ज्यादा घटनाएं देखने में आती हैं। उत्तराखंड का भौगोलिक क्षेत्रफल 53,483 वर्ग किलोमीटर है। इसमें 64.79 प्रतिशत, यानी 34,651.014 वर्ग किमी वन क्षेत्र हैं। इनमें से 24414408 वर्ग किमी क्षेत्र वन विभाग के अधीन हैं। इसमें से करीब 24260.783 वर्ग किमी क्षेत्र आरक्षित वनों की श्रेणी में हैं। शेष 39.653 वर्ग किमी जंगल वन पंचायतों के नियंत्रण में हैं। आरक्षित वनों में से 394383.84 हेक्टेयर भूमि में चीड़ के जंगल हैं और 383088.12 हेक्टेयर बांस एवं शाल के वन हैं। वहीं 614361 हेक्टेयर में मिश्रित वन हैं। लगभग 22.17 फीसदी वन क्षेत्र खाली पड़ा है। चीड़ के जंगल और लैंटाना की झाड़ियां इस आग को फैलाने में सबसे ज्यादा जिम्मेबार हैं। दरअसल चीड़ के पत्तों में एक विशेष किस्म का ज्वनलशील पदार्थ होता है। इसकी पत्तियां पतझड़ के मौसम में आग में घी का काम करती हैं। गर्मियों में पत्तियां जब सूख जाती हैं तो इनकी ज्वलनशीलता और बढ़ जाती है। इसी तरह लैंटाना जैसी विषाक्त झाड़ियां आग को भड़काने का काम करती हैं। करीब 40 लाख हेक्टेयर वन क्षेत्र में ये झाड़ियां फैली हुई हैं। इस बार इन पत्तियों का भयावह दावाग्नि में बदलने के कारणों में वर्षा की कमी, जाड़ों का कम पड़ना, गर्मियों का जल्दी आना और तिस पर भी शुरूआत में ही तापमान का बढ़ जाना रहा है।

गर्दन के कालेपन से ऐसे पाएं छुटकारा, आजमाए ये आसान उपाय

आकर्षक दिखना कौन नहीं चाहता है। एक आकर्षक पर्सनैलिटी के लिए लोग पार्लर जाते हैं और सलून के चक्कर काटते हैं। लेकिन क्या हो अगर अच्छी पर्सनैलिटी होते हुए भी गर्दन काली और दाग धब्बों वाली हो? जी हां, अगर ऐसा है तो निश्चित रूप से उसकी सारी पर्सनैलिटी एक मिनट में खराब हो सकती है। हमारे समाज में कई महिलाएं और पुरुष ऐसे मिल जाते हैं जिन्हें अपने चेहरे की स्किन का तो बहुत ख्याल रहता है लेकिन उनकी गर्दन इतनी गंदगी भरी होती है कि किसी की भी नजर सबसे पहले उनकी गर्दन पर पड़े। हम आपके लिए कुछ ऐसे टिप्स दे रहे हैं, जिनकी मदद से आप गर्दन के कालेपन को दूर कर एक साफ स्किन पा सकती हैं। इसके लिए आपको बेसन, कच्चा दूध, बेकिंग सोड़ा और टमाटर की जरूरत पड़ेगी।

बेसन का ऐसे करें उपयोग

- बेसन, हल्दी, नींबू का रस और दही को अच्छी तरह मिलाकर गाढ़ा पेस्ट तैयार करें।
- इसे गर्दन पर अच्छी तरह लगाएं और 15-20 मिनट के लिए सूखने के लिए छोड़ दें।
- 20 मिनट बाद गर्दन को हल्के गुनगुने पानी से अच्छी तरह धो लें।
- बेहतर परिणाम के लिए इस विधि को सप्ताह में 2-3 बार जरूर दोहराएं।

कच्चा दूध

- गर्दन पर जमी गंदगी को दूर करने के लिए कच्चे दूध का उपयोग किया जा सकता है।
- एक कप कच्चा दूध लेकर उसमें रुई डुबोएं और गर्दन के प्रभावित हिस्से पर लगाएं।
- करीब महीने भर इसे यूज करने से आपको बेहतर परिणाम देखने को मिलेंगे।

बेकिंग सोडा का इस तरह करें उपयोग

- बेकिंग सोडा गर्दन के कालेपन को दूर करने में सहायक है।
- आप इसे सादे पानी में मिलाकर मिश्रण तैयार करें।
- गर्दन पर इस पेस्ट को लगाकर करीब 15 मिनट तक रहने दें।
- बेकिंग सोडा पैची स्किन से छुटकारा दिलाने में मददगार है।
- ये स्किन में होने वाली हाइपर पिग्मेंटेशन की दिक्कत को दूर करने में भी सहायक है।

टमाटर का ऐसे करें यूज

- टमाटर को नेचुरल ब्लीच माना जाता है, जो काली स्किन को चमकाने में मददगार है।
- टमाटर के एक भाग को काटकर उसके रस को गर्दन पर रगड़ें
- टमाटर काली हो चुकी स्किन को साफ करने में मदद करता है
- रस को गर्दन पर 20 मिनट तक लगे रहने दें और फिर सादे पानी से धो लें।

धर्म-आस्था

नाड़ी ज्योतिष क्यों माना गया है रहस्यमयी और पूरी तरह सटीक?

नाड़ी ज्योतिष और सामान्य वैदिक ज्योतिष दोनों ही प्राचीन भारतीय परंपराओं से जुड़े हैं, लेकिन दोनों के भविष्यवाणी के तरीके और उद्देश्य बिल्कुल अलग हैं। वैदिक ज्योतिष जन्म कुंडली और ग्रहों की गणना पर आधारित है, जबकि नाड़ी ज्योतिष प्राचीन ऋषियों द्वारा लिखी गई ताड़पत्र पांडुलिपियों पर आधारित है, जिन्हें अंगूठे के निशान से खोजा जाता है। सामान्य वैदिक ज्योतिष का मूल स्त्रोत वेद हैं, जबकि नाड़ी ज्योतिष का स्त्रोत ऋषियों द्वारा लिखी गयी पांडुलिपियाँ हैं। वैदिक ज्योतिष में जन्म तिथि, समय और स्थान के आधार पर जन्म कुंडली बनाई जाती है और फिर ग्रहों की स्थिति, दशा-भुक्ति और गोचर से भविष्यवाणी की जाती है। इसमें जन्म समय की सटीकता न होने पर भविष्यवाणी प्रभावित होती है। जबकि इसकी तुलना में नाड़ी ज्योतिष ज्यादा रहस्यमयी और सटीक माना गया है।

कहा जाता है कि प्राचीन ऋषि जैसे अगस्त्य, भृगु, वशिष्ठ आदि ने हजारों साल पहले अपनी आध्यात्मिक शक्तियों का प्रयोग कर ताड़पत्रों पर लोगों का अतीत, वर्तमान और भविष्य लिखा था। यानि इसके अनुसार, वर्तमान, भूत और भविष्य से जुड़ी हर व्यक्ति की जानकारी पहले से ही ताड़ के पत्तों पर दर्ज है। नाड़ी ज्योतिष में लोगों को उसके बारे में जानकारी देने के लिए पुरुषों के लिए दाएँ हाथ के अंगूठे का निशान और महिलाओं के लिए बाएँ अंगूठे का निशान लिया जाता है और फिर इस निशान से संबंधित पांडुलिपि खोजी जाती है। नाड़ी ज्योतिष की प्रक्रिया में ज्योतिषी सबसे पहले उपलब्ध ताड़पत्रों में से ऐसे पत्तों की पहचान करने का प्रयास करते हैं जो प्रश्नकर्ता से संबंधित हो सकते हैं। इसके लिए प्रश्नकर्ता से कुछ बुनियादी जानकारी, जैसे नाम का पहला और अंतिम अक्षर या अन्य पहचान संबंधी संकेत पूछे जाते हैं। इसके बाद माता-पिता, जीवनसाथी या परिवार से जुड़े कुछ विवरणों का मिलान किया जाता है। जब किसी ताड़पत्र में दर्ज जानकारी प्रश्नकर्ता के जीवन से मेल खाती प्रतीत होती है, तब उसे पढ़कर जीवन से जुड़े विभिन्न पहलुओं और संभावित भविष्य के बारे में बताया जाता है।

नाड़ी ज्योतिष की प्रमुख विशेषताएँ

नाड़ी ज्योतिष को इसकी विशिष्ट कार्यप्रणाली के कारण पारंपरिक ज्योतिष से अलग माना जाता है। यदि किसी व्यक्ति को अपनी जन्मतिथि, जन्म समय, नक्षत्र या अन्य जन्म विवरण ज्ञात हों, तो संबंधित ताड़पत्र की पहचान अपेक्षाकृत सरल हो सकती है। वहीं यह पद्धति उन लोगों के लिए भी उपयोगी मानी जाती है जिन्हें अपने जन्म संबंधी सटीक विवरण ज्ञात नहीं होते। इस प्रणाली की एक विशेष मान्यता यह भी है कि ताड़पत्रों में उपलब्ध जानकारी के आधार पर व्यक्ति के जन्म से संबंधित कुछ विवरणों की पुष्टि या अनुमान लगाया जा सकता है। माना जाता है कि नाड़ी पत्तों में व्यक्ति का नाम, परिवार, विवाह, करियर और जीवन की महत्वपूर्ण घटनाओं का उल्लेख हो सकता है। पारंपरिक वैदिक ज्योतिष जहां मुख्य रूप से बारह भावों पर आधारित होती है, वहीं नाड़ी ज्योतिष की कुछ परंपराओं में सोलह भावों का उल्लेख मिलता है, जिनके आधार पर जीवन के विभिन्न क्षेत्रों का विश्लेषण किया जाता है। उस पांडुलिपि को देखकर व्यक्ति विशेष को कर्मफल, जीवन की घटनाएँ, विवाह, संतान, स्वास्थ्य, आध्यात्मिक मार्ग और उपाय (परिहार) विस्तार से बताए जाते हैं।

नाड़ी ज्योतिष के समर्थकों का मानना है कि इसमें जीवन की कुछ महत्वपूर्ण घटनाओं के समय और परिस्थितियों का अपेक्षाकृत विस्तृत वर्णन मिल सकता है। इसी कारण कई लोग इसे अन्य ज्योतिषीय पद्धतियों के साथ मिलाकर भी देखते हैं, ताकि भविष्य संबंधी संकेतों की तुलना की जा सके। इस परंपरा में विश्वास और श्रद्धा को महत्वपूर्ण माना जाता है। यदि किसी व्यक्ति को ग्रहों से संबंधित कष्टों या चुनौतियों के लिए उपाय बताए जाते हैं, तो पारंपरिक मान्यताओं के अनुसार उन्हें पूरी निष्ठा और विश्वास के साथ अपनाने की सलाह दी जाती है। माना जाता है कि सुझाए गए उपायों का ईमानदारी से पालन करने पर सकारात्मक परिणाम प्राप्त हो सकते हैं। हालांकि, इस बात का खयाल रहे कि नाड़ी ज्योतिष से संबंधित असली पांडुलिपियाँ केवल कुछ मंदिरों में हैं। नकली प्रथाएँ भी चलती हैं, इसलिए सावधानी जरूरी है।

इन्दौर मंडी भाव

चना कांटा 6000 से 6050 विशाल, 5950 से 6000 मसूर 6000,महाराष्ट्र सफेद 7400 से 7500, महाराष्ट्र लाल 7700 से 7900, कर्नाटक 8100 से 8300 निमाड़ी, डेट तुअर 6500 से 7500 मूंग बेस्ट गर्मी, 7100 से 7300 मूंग बेस्ट बोल्ड, 7500 से 7700 मीडियम बोल्ड, 7200 से 7600 मोगर 5500 से 6500 उड़द बोल्ड 8700 से 9000, उड़द गर्मी 8000 से 8400 ग्रेविटी, क्लीन 8600 से 8900 हल्का उड़द, 4000 से 6000 काबुली डॉलर, 7000 से 8400 काबुली रशियन, 5800 बिटकी 5200 से 5300, सरसों निमाड़ी 8000 से 8200, रायडा 6800 से 7000 करंज 5000, से 5200 सोयाबीन 6800 अलसी, 8500 से 9000 तिल्ली 8000 से, 9000 गेहूं मिल क्वालिटी 2500 से 2550 लोकवन 2750 से 2800, पूर्णा 2550 से 2600 मालवराज, 2600 से 2650 मक्का 1975 से 2000 चना दाल 7450 से 7550, मीडियम 7650 से 7750 रुपए।

आलू, प्याज, लहसून भाव

आलू ज्योति नया 700 से 800 ज्योति राशन आलू 500 से 600 गुल्ला 300 से 400 रुपए प्रति क्विंटल बिका। प्याज नया 1200 से 1300 पुराना 800 से 1000 एवरेज 500 से 700 गोल्टा 300 से 400 प्रति क्विंटल रहे। लहसुन एक्स्ट्रा सुपर 13500 से 14000 देशी 10000 से 11000 एवरेज 8000 बारीक 4000 रुपए क्विंटल।

उज्जैन भाव

लोकवन गेहूँ- 1450-2850, चना देशी- 4999-5760, डालर चना- 4400-7990, उड़द- 7621, मूंग- 7576, सोयाबीन- 1215-8900, मैथीदाना- 1340, सरसो- 6500, धनिया- 10930-13306, बटला- 2860, मसूर- 6201, मावा- 300 प्रतिकिलो। **सोना-चाँदी-** सोना-स्टेण्ड- 1,45,600 रवा- 1,45,500 चांदी-टंच- 2,30,500 पाट- 2,30,000।

उज्जैन किराना
अशोक कुमार भगवानदास
152 फवारा चौक उज्जैन

किराना रेट प्रति किलो, चावल बासमती छड़ी 75 से 180, चावल तिबार 68 से 120, चावल पोनिया 55 से 85, चावल की टुकडी 36 से 65, चावल सेला 36.5 से 38, राइस परमेल 35 से 44, तूवर दाल निमाड़ी 130, तूवर दाल महाराष्ट्र 104 से 113, तूवर दाल अन्य 85 से 120, मूंग दाल 85 से 110, मुंग मोगर 95 से 120,उड़द मोगर 110 से 120, उड़द दाल 95 से 100, चना दाल 71 से 80।

आमंत्रण

आप भी अपने व्यंग्य, रचनाएं, लेख, प्रतिक्रिया, मालवी भाषा में पठनीय सामग्री आदि ई-मेल कर सकते है।
editor.awantika@gmail.com

मां कलिका मंदिर स्थापना दिवस पर उमड़ा आस्था का सैलाब, दक्ष प्रजापति आर्मी के पदाधिकारियों का हुआ सम्मान

सुसनेर। नगर के प्रजापति समाज द्वारा मां कलिका मंदिर का स्थापना दिवस श्रद्धा, उत्साह और धार्मिक वातावरण में धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर मंदिर परिसर में विशेष पूजा-अर्चना, महाआरती एवं प्रसादी वितरण का आयोजन किया गया। साथ ही समाज के नवचयनित युवा पदाधिकारियों का सम्मान कर सामाजिक एकता का संदेश दिया गया। कार्यक्रम की शुरूआत वैदिक मंत्रोच्चार के साथ हुई। विद्वान पंडित प्रवीण भट्ट के सानिध्य में मां कलिका का विधि-विधान से पूजन एवं आरती संपन्न हुई। इसके बाद माता रानी को प्रसाद अर्पित कर महाआरती की गई तथा उपस्थित श्रद्धालुओं को भोजन प्रसादी वितरित की गई। धार्मिक आयोजन के साथ ही दक्ष प्रजापति आर्मी संगठन के नवनियुक्त पदाधिकारियों का पुष्पमालाओं से स्वागत एवं सम्मान किया गया। सम्मानित पदाधिकारियों में विधानसभा अध्यक्ष संजय चौहान, तहसील अध्यक्ष बलराम कुम्भकार तथा नगर अध्यक्ष हरिओम प्रजापति शामिल रहे। इस अवसर पर वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता संतोष भेनिया ने संगठन के उद्देश्यों, समाज सेवा की गतिविधियों एवं युवा शक्ति की भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला। कार्यक्रम में प्रजापति समाज एवं मंदिर समिति के अध्यक्ष घनश्याम प्रजापति ने समाज में शिक्षा, संगठन और सामाजिक समरसता को बढ़ावा देने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन समाज को एकजुट करने के साथ नई पीढ़ी को अपनी संस्कृति, परंपराओं और धार्मिक मूल्यों से जोड़ने का कार्य करते हैं। इस अवसर पर समाज के वरिष्ठ एवं युवा सदस्यों की उल्लेखनीय उपस्थिति रही। आयोजन को सफल बनाने में रोडुलाल प्रजापति, संतोष प्रजापति, पप्पू प्रजापति, रामप्रसाद प्रजापत, शिव भेनिया, दीपक प्रजापति, गोपाल प्रजापति, गौतम प्रजापति, प्रदीप प्रजापति, कमलेश प्रजापति, प्रकाश प्रजापति, गोविंद प्रजापति, देवकरण प्रजापति, श्याम प्रजापति, विनोद भेनिया, अनिल प्रजापति, ओमप्रकाश प्रजापति एवं रमेश चौहान सहित बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे।

त्रिवेणी संगम के झरनों पर उमड़ रही पर्यटकों की भीड़, प्राकृतिक सौंदर्य बना आकर्षण

झरनों में स्नान, मंदिरों में दर्शन, त्रिवेणी संगम पर उमड़ रहे श्रद्धालु और पर्यटक

दैनिक अवन्तिका ▶▶ सुसनेर

नगर मुख्यालय से करीब 15 किलोमीटर दूर मोड़ी के समीप स्थित ग्राम पायली और ताखला के बीच लखुंदर, कालीसिंध एवं भाटन नदी का त्रिवेणी संगम इन दिनों क्षेत्रवासियों और पर्यटकों के आकर्षण का प्रमुख केंद्र बना हुआ है। प्राकृतिक झरनों, कल-कल बहते स्वच्छ पानी, पहाड़ियों और हरियाली से घिरा यह स्थल गर्मी के मौसम में लोगों को सुकून के पल बिताने का अवसर दे रहा है। रविवार को अवकाश के दिनों में यहां सुबह से शाम तक बड़ी संख्या में लोग परिवार और मित्रों के साथ पहुंचकर पिकनिक का आनंद लेते नजर आ रहे हैं।

प्राकृतिक सौंदर्य का अनोखा संगम

त्रिवेणी संगम का मनमोहक प्राकृतिक वातावरण लोगों को अपनी ओर आकर्षित कर रहा है। तीन नदियों का संगम, पहाड़ियों से बहता निर्मल जल और चारों ओर फैली हरियाली इस स्थान की सुंदरता को और बढ़ा देती है। प्रकृति प्रेमियों के लिए यह स्थान किसी उपहार से कम नहीं है। गर्मी और उमस से राहत पाने के लिए प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोग यहां पहुंच रहे हैं। बच्चे, युवा और बुजुर्ग झरनों में स्नान कर प्राकृतिक ठंडे पानी का आनंद ले रहे हैं जबकि कई परिवार अपने साथ भोजन लेकर पूरे दिन यहां पिकनिक मनाते हैं।

गर्मी में ही मिलता है आनंद

स्थानीय लोगों के अनुसार इस प्राकृतिक झरने का आनंद केवल गर्मी के दिनों में ही लिया जा सकता है। मानसून शुरू होने के बाद लखुंदर, कालीसिंध और भाटन नदी में पानी का बहाव तेज हो जाता है, जिससे पूरा क्षेत्र जलमग्न हो जाता है

बारिश में बरतनी पड़ती है सावधानी

बारिश के मौसम में पानी का तेज बहाव होने के कारण यहां स्नान करना खतरनाक हो जाता है। सुरक्षा की दृष्टि से इस दौरान लोगों को झरनों के पास जाने से बचने की सलाह दी जाती है और पर्यटक केवल दूर से प्राकृतिक दृश्य का आनंद लेते हैं।

आस्था का भी प्रमुख केंद्र

त्रिवेणी संगम केवल प्राकृतिक पर्यटन स्थल ही नहीं, बल्कि धार्मिक आस्था का भी प्रमुख केंद्र है। संगम के पूर्व दिशा में पहाड़ी पर स्थित तारकेश्वर महादेव मंदिर तथा पश्चिम दिशा में स्थित भगवान देवनारायण मंदिर में प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचते हैं। श्रद्धालु पहले पूजा-अर्चना कर भगवान का आशीर्वाद प्राप्त करते हैं और इसके बाद संगम के झरनों व प्राकृतिक वातावरण का आनंद लेते हैं।

पर्यटन की अपार संभावनाएं

क्षेत्रवासियों का मानना है कि यदि इस प्राकृतिक और धार्मिक स्थल का सुनियोजित विकास किया जाए तथा यहां सुरक्षा, बैठने की व्यवस्था, स्वच्छता और अन्य मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं, तो यह स्थान जिले के प्रमुख पर्यटन स्थलों में अपनी अलग पहचान बना सकता है। फिलहाल गर्मी के मौसम में त्रिवेणी संगम अपनी प्राकृतिक छटा, ठंडे झरनों और धार्मिक महत्व के कारण लोगों की पहली पसंद बना हुआ है। यहां पहुंचने वाला हर पर्यटक इस खूबसूरत स्थल की यादें अपने साथ लेकर लौटता है।

जनपद पंचायत में आरजीएसए योजना के तहत जीपीडीपी प्रशिक्षण संपन्न

सरपंचों और सचिवों ने सीखे योजना निर्माण के गुर

सारंगपुर। बुधवार को जनपद पंचायत सारंगपुर के सभाकक्ष राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान (आरजीएसए) योजना के अंतर्गत ग्राम पंचायत विकास योजना (जीपीडीपी) निर्माण का एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस महत्वपूर्ण प्रशिक्षण में सारंगपुर जनपद क्षेत्र की विभिन्ना ग्राम पंचायतों के सरपंच, सचिव और ग्राम रोजगार सहायकों ने हिस्सा लिया, जिन्हें ग्रामीण विकास की योजनाओं को धरातल पर उतारने के तकनीकी गुर सिखाए गए। इस दौरान मुख्य प्रशिक्षक के रूप में क्षेत्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायत राज प्रशिक्षण केंद्र भोपाल से आए बालकृष्ण व्यास उपस्थित रहे। उन्होंने उपस्थित जनप्रतिनिधियों और पंचायत कर्मियों को संबोधित करते हुए कहा कि जीपीडीपी किसी भी ग्राम पंचायत के समग्र विकास का आधार स्तंभ है। इसके सही निर्माण से ही गांवों में बुनियादी सुविधाओं का सुदृढीकरण किया जा सकता है। उन्होंने प्रशिक्षण के दौरान पंचायत स्तर पर बजट आवंटन, प्राथमिकताओं का निर्धारण, कार्ययोजना तैयार करने और उसे पोर्टल पर ऑनलाइन अपलोड करने की प्रक्रिया को विस्तार से समझाया। इस दौरान जनपद पंचायत सारंगपुर सीईओ हेमेंद्र गोविल विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों को निर्देशित करते हुए कहा कि सभी ग्राम पंचायतें अपने क्षेत्र की वास्तविक आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर ही विकास योजनाएं तैयार करें। योजना पारदर्शी और जनहितैषी होनी चाहिए ताकि शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम छोर के व्यक्ति तक आसानी से पहुंच सके। उन्होंने लापरवाही बरतने वाले कर्मचारियों को समय पर कार्य पूर्ण करने की सख्त हिदायत भी दी।

हादसों से सबक कब?

सारंगपुर में बेखौफ चल रहे बिना पंजीकृत कोचिंग सेंटर

एक ही रास्ता, दर्जनो जान खतरे में...सुरक्षा के नही इंतजाम

दैनिक अवन्तिका ▶▶ सारंगपुर

लखनऊ के कोचिंग सेंटर में आग और वहां छात्रों की मौत के हादसे से सबक लेने की बजाय शहर के कोचिंग संचालक अब भी नियमों को ठेंगा दिखा रहे हैं। छात्रों की सुरक्षा को ताक में रखकर बडी संख्या में संचालन किया जा रहा है। शहर के विभिन्ना इलाकों में करीब 2 दर्जन कोचिंग सेंटर संचालित हो रहे है। हमने इन कोचिंग सेंटर्स की जमीनी हकीकत देखी तो चौंकाने वाली जानकारी सामने आई। अधिकांश आवासीय मकानों, नपा दुकानों, अपार्टमेंटों और बहुमंजिला भवनों की पहली-दूसरी मंजिल पर चल रहे हैं। कुछ तो बेसमेंट में लग रहे हैं। इन संस्थानों में पढने पहुंचने वाले बच्चों की सुरक्षा के लिए अग्निशमन उपकरण, आपातकालीन निकास और सुरक्षित निकासी व्यवस्था जैसे बुनियादी इंतजाम तक नजर नहीं आते। बावजूद इसके वर्षों से इनका संचालन हो रहा है, फिर भी जिम्मेदार आंखों में पट्टी बांधे बैठे है।

शहर के व्यस्तम मार्ग भेरू दरवाजा, बांगकुआ, नजीमाबाद स्कूल के पीछे, दीनदयाल चौराहा, अस्पताल रोड आदि जगहों पर कोचिंग सेंटर्स का संचालन हो रहा है। कमर्शियल बिल्डिंग में संचालित हो रही कोचिंग में सुरक्षा के कोई पुख्ता इंतजाम तक नहीं है। डिस्प्ले बोर्ड में रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट, फीस, बैच टाइम, टीचर डिटेल बाहर लगाना जरूरी होने के बाद भी सेंटर पर नहीं लगे हुए हैं। कोचिंग संस्थानों में पहुंचने के लिए संकरी सीढियां, लाइट, एसी, पंखा तक पर्याप्त नहीं हैं। कई जगह पीने के पानी की व्यवस्था तक नहीं। वेंटिलेशन नहीं। सिंगल एग्जिट पॉइंट के साथ ही सुरक्षा के सभी इंतजाम नदारद।

शहर-ग्रामीण में कोचिंग बिना रजिस्ट्रेशन, बिना फायर एनओसी, बिना सीसीटीवी के क्लास लगा रहे हैं। अधिकांश सेंटर इनमें से कोई भी शर्त पूरी नहीं कर रहे। लखनऊ जैसी तंग बिल्डिंग, एक ही रास्ता, खिडकी नहीं यही मॉडल यहां भी चल रहा है। कमर्शियल बिल्डिंग से आपातकालीन निकास की कोई व्यवस्था नहीं है। दो से तीन मंजिला भवनों में चल रहे कई कोचिंग संस्थान में सीढियों पर लाइट तक नहीं है। आने-जाने का रास्ता भी संकरा है की दुर्घटना होने पर निकलना मुश्किल होगा। कई जगह घर के भीतर ही कोचिंग संचालित की जा रही है। यहां आग बुझाने का एक साधारण यंत्र तक मौजूद नहीं है। जब कोचिंग संचालकों से सवाल किया गया तो उन्होंने जिम्मेदारी लेने के बजाय सरकारी विभागों का हवाला देते हुए मामले को टाल दिया। वहीं नपा की बने दुकानों की दूसरी मंजिल पर कोचिंग सेंटर संचालित हो रहे है। यहां निकासी के लिए महज एक द्वार है। नियमानुसार शिक्षा विभाग के अधिकारियों को शहर एवं ग्रामीण क्षेत्र में बिना पंजीयन के संचालित हो रहे सभी कोचिंग संस्थानों पर नियमानुसार कार्रवाई करना चाहिए।

समाचार पत्र में सूचना प्रकाशन हेतु विज्ञप्ति

आवेदिका -श्रीमती मोनल मुन्दड़ा पुत्री अभय गादिया आयु 44 वर्ष, निवासी-704, जयदीप अपार्टमेंट, भटार रोड़, नियर उमा भवन, सुरत (गुजरात) हॉल मुकाम 108, कंठाल बाजार, गोपाल मंदिर मार्ग, छत्रीचौक जिला उज्जैन (म.प्र.)

आवेदक -लक्ष्मीनिवास पिता श्री नरेन्द्र कुमार मुन्दड़ा आयु 45 वर्ष निवासी-704, जयदीप अपार्टमेंट, भटार रोड़, नियर उमा भवन, सुरत (गुजरात) हॉल मुकाम 108, कंठाल बाजार, गोपाल मंदिर मार्ग, छत्रीचौक जिला उज्जैन (म.प्र.)

यह कि, आवेदिका एवं आवेदक का आपस में कोई रक्त संबंध नही है। हम उभयपक्ष पूर्णतः बालिग होकर अपना भला बुरा समझने के योग्य है। आवेदिका श्रीमती का विवाह पूर्व में श्री परिवेश चौहान से संपन्न हुवा था, जिसमे उन्हे 02 संताने है जिनके नाम (1) रुद्रांश चौहान जन्म दिनांक 03/06/2017 (2) अवियांश चौहान जन्म दिनांक 05/06/2010 होकर जो कि नाबालिग है। तथा इसी प्रकार आवेदक लक्ष्मीनिवास मुन्दड़ा का विवाह पूर्व में श्रीमति शिल्पा से संपन्न हुआ था, जिससे उन्हे 02 संताने है, जिनका नाम (1) मान्यता मुन्दड़ा जन्म दिनांक 09/12/2002 जो कि बालिग है तथा (2) मानवी मुन्दड़ा जन्म दिनांक 02/10/2013 जो कि नाबलिग है, तथा आवेदिका के पूर्व पति तथा आवेदक की पत्नि का पूर्व में स्वर्गवास हो चुका है।

2. यह कि, उभयपक्षो के दोनो परिवारों की आपसी सहमति से सप्तविधि के अनुसार विवाह दिनांक 06/03/2025 को संपन्न हुआ है। उभयपक्ष के सप्तविधि से विवाह होने के कारण प्रथम पक्ष की 02 संताने एवं द्वितीय पक्ष की 2 संतानों उभयपक्ष द्वारा अंगीकर किए गए है।

अतः 1. रूद्रांश मुन्दड़ा 2. अवियांश मुन्दड़ा को इसी नाम से जाना व पहचाना जाये।दिनांकः-05/06/2026

नोटः- पुराना नाम (1) रुद्रांश चौहान
(2) अवियांश चौहान — **हस्ताक्षर आवेदिका...**
नया नामः (1) रुद्रांश मुन्दड़ा
(2) अवियांश मुन्दड़ा — **हस्ताक्षर आवेदक...**

जाहिर सूचना

सर्वसाधारण को इस जाहिर सूचना के द्वारा सूचित किया जाता है कि मैं राजेन्द्र प्रसाद पिता अर्जुनलाल निवासी 39/26 भगतसिंह मार्ग देवता कालोनी उज्जैन का होकर मेरी पत्नी स्व. कमला देवी मेरे स्वामित्व एक मकान 39/26 भगतसिंह मार्ग देवता कालोनी उज्जैन में स्थित होकर वर्तमान में तल मंजिल व प्रथम मंजिल निर्मित है। जिसे मेरे द्वारा स्व०अर्जित पूंजी से निमार्ण किया जाकर उक्त भवन पर मेरा स्वामित्व व आधिपत्य होकर तल मंजिल पर काबिज हुँ। उक्त संपति को मेरी पुत्र वधु राखी शर्मा पति स्व. चन्दन शर्मा को किसी भी प्रकार का अंतरण हस्तांतरण करने का अधिकार नही है। परन्तु मेरी पुत्र वधु राखी शर्मा पति स्व. चन्दन शर्मा जो की मेरे स्वामित्व के उक्त वर्णित भवन की प्रथम मंजिल पर निवास कर रही है। उसके द्वारा उपरोक्त संपति के मूल दस्तावेज मुझसे धोखे से लेकर मेरे हक व हित को नुकसान पहुंचाने की गरज से बिना मेरी मरर्जी के उक्त संपति रहन बय दान या अंतरण हस्तातरण करना चाहती है। जिसकी सूचना थाना महाकाल मे दिये गये आवेदन के माध्यम से दर्ज है। ऐसी दशा में कोई भी व्यक्ति, संस्था या पेढी फर्म उक्त संपति पर किसी प्रकार का कोई ऋण भार बोझ कय, व्यय या किसी प्रकार से बाधित या भारित नही किया जा सकता है और ना ही करें यदि किसी के द्वारा ऐसा कोई व्यवहार, संव्यवहार अंतरण, हस्तांतरण किया जाता है। तो वह अवैध होकर मुझ पर किसी प्रकार का बंधनकारक नहीं रहेगा। और इस कारण से किसी को वैधानिक स्वत्व प्राप्त नहीं होगा। हर आम व खास को इस जाहिर सूचना द्वारा सूचित किया है कि उपरोक्त संपति के संबध में कोई भी कय विक्रय रहन बय दान या अन्य किसी प्रकार से कोई भी अंतरण हस्तांतरण का व्यव्हार नहीं करे नही तो इस हेतु वह स्वयं दोषी माना जावेगा मेरे द्वारा कानूनी कार्यवाही की जावेगी सो सूचित हो।

राजेन्द्र प्रसाद पिता अर्जुनलाल
39/26 भगतसिंह मार्ग देवता कालोनी उज्जैन
आधार न 6959 7570 2935
8435727162, 8989729974

न्यायालय तहसीलदार तहसील घट्टिया जिला उज्जैन

प्र.क्र. 0004/-20(3)/2023-24 **दिनांकः 23/06/2026**

सार्वजनिक उद्घोषणा कंडिका 142

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है श्रीमान कलेक्टर कलेक्टर महोदय (नजूल) जिला उज्जैन म.प्र. का पत्र क्रमांक/नजूल / रीडर/2024/196 उज्जैन दिनांक 05.06.2026 से प्रकरण अनुविभागीय अधिकारी महोदय राजस्व अनुभाग घट्टिया को भूमि आंवटन के संबंध में प्रकरण प्राप्त हुआ है जिसमें लेख है कायार्पालन यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी संभाग उज्जैन द्वारा जिला उज्जैन तहसील घट्टिया के ग्राम बिछडौद खालसा स्थित भूमि सर्वे क्रमांक 865/1 रकबा 0.500 हे. सर्वे क्रमांक 865/2 रकबा 0.400 हे. सर्वे कंमाक 865/3 रकबा 0.620 हे. शासकीय भूमि शाला भवन निर्माण / विस्तार हेतु के निर्माण हेतु भूमि आंवटन किया जाना है।

अतः इस संबंध में जिस किसी को कोई आपत्ति हो तो वह विज्ञप्ति चस्पा दिवस के 15 दिनों के भीतर स्वंय अथवा अपने वैद्य अभिभावक के माध्यम से न्यायालयीन समय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकता है। बाद म्याद आपत्ति मान्य नहीं होगी ।

नायब तहसीलदार
तहसील घट्टिया, जिला उज्जैन

दैनिक अवन्तिका

अखबार की निम्न स्थानों पर एजेंसी बदलना है

बेरछा, चौमा डाक बंगला, हाटपिपलिया, कालापीपल, खेड़ा खजूरिया, माचलपुर, खिलचीपुर, मड़ावदा, मेघनगर, माकड़ोन, नरसिंहगढ़, बुरहानपुर, पेटलावद, झाबुआ रानापुर, मनावर, सुवासरा, सोयतकलां में एजेंसी देना है।

सम्पर्क करें

दैनिक अवन्तिका कार्यालय
2, रानी लक्ष्मीबाई मार्ग, उज्जैन
0734-4041777, मोबा. 9977755777

निविदा विज्ञप्ति

उपरोक्त विषयांतर्गन्त लेख है कि संस्थान के द्वारा असिस्टेंट ड्रेस मेकर, ब्युटी केयर असिस्टेंट, दर्जी एंडवास, असिस्टेंट हेयर ड्रेसर, आदि के क्षेत्रान्तर्गत निरंतरित विभिन्न व्यवसायिक प्रशिक्षणों हेतु प्रशिक्षण सामग्री (TLM) क्रय किया जाना है। सामग्री सूची कार्यालयीन समय में संस्थान के मुख्यालय एम.आर. 2 भवन क्र. 20/2 भरतपुरी प्रशासनिक क्षेत्र के सूचना पटल पर चस्पा देखी जा सकती है। गुणवत्ता एंव उसके मूल्य के आधार पर तय कर सामग्री क्रय की जावेगी। सामग्री चार या इससे अधिक किस्तो में क्रय की जावेगीं एंव कीमत सम्पूर्ण किट की मान्य की जायेगी। निविदा निरस्त करने या स्वीकार करने का सर्वाधिकार संस्थान के पास सुरक्षित है। सील बंद लिफाफे में मय जी.एस.टी. निविदा प्रकाशन दिंनाक से 02.07.2026 सांय 05:00 बजे तक आमंत्रित है।

टेलीफोन न.-0734-3500532

निदेशक
श्रीमती अनीता सक्सेना जन शिक्षण संस्थान उज्जैन

जाहिर सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार ने दिवाकर कोठालकर पिता श्री शंकरराव कोठालकर एंव श्रीमती विजया कोठालकर पति श्री दिवाकर कोठालकर निवासीगण- 37, सरदारपुरा, शंकर भवन आर.एस.एस कार्यालय के पास , उज्जैन (म.प्र) से उनके स्ववत्वर स्वामित्व एंव आधिपत्यस का फ्री-होल्डी राईटस का भवन क्रमांक ए-12/3, श्रेणी एम.आई.जी जिसका कुल क्षेत्रफल 135.00 वर्गमीटर स्थित उज्जैन विकास प्राधिकरण उज्जौन की बंसत विहार योजना, उज्जैन (म.प्र) जिसके पूर्व में-भवन क्रंमाक ए-12/4 ,पश्चिम में- भवन क्रंमाक ए-12/2, उत्तर में- भवन क्रंमाक ए-12/22, 23 के भाग एवं दक्षिण में- 9.00 मीटर चौड़ी सड़क हैं को क्रय करने का अनुबंध किया होकर बयाना राशि का भुगतान भी कर दिया है केवल विक्रय पत्र का निष्पादन होना शेष रहा हैं यदि उक्तय भूखण्डको विक्रय किये जाने में किसी व्यपक्त्ानि संस्थो बैंक या अन्य किसी को कोई आपत्ति हो या किसी का कोई ऋण भार बोझ हित अधिकार आधिपत्य ब्रिकी या वारिसान आदि का कोई हक, हित या भार हो या इस विक्रय संव्यवहार को कोई आपत्ति हो तो वह इस जाहिर सूचना के 7 दिवस (सात) के भीतर सप्रमाण लिखित में मेरे कार्यालयीन समय में आपत्ति प्रस्तुत करे अन्यकथा बाद मियाद अवधि मेरा पक्षकार दोनों भूखण्ड का विक्रय-पत्र का पंजीयन करवा लेवेगा तत्पश्चात कोई आपत्ति मेरे पक्षकार के हितों पर बंधनकारक नहीं होगी को सूचित हो इति दिनांक 23.06.2026

विवेक गुप्ता एडवोकेट
पता-11/1 घटकरपर मार्ग उज्जैन (म.प्र)
मोबाईल नबंर- 9827228461

जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार ने सागीर शेख पिता रज्जाक शेख निवासी ग्राम कपाल्याखेड़ी खुदेल जिला इन्दौर (म.प्र.) से उनके स्वामित्व एंव आधिपत्य की भूमि सर्वे क्रमांक 339/3/2 रकबा 0.1500 हेक्टर ,सर्वे क्रमांक 340/3/2 रकबा 0.4500 हेक्टर कुल किता 2 कुल रकबा 0.6000 हेक्टर ग्राम पिपलौदा द्वारकाधीष प.ह.न.0046 तहसील व जिला उज्जैन में स्थित है को मय तला व हवाई हक सहित क्रय करने का सौदा किया होकर टोकन राशि अदा कर सौदा चिट्ठी का सम्पादन करवा लिया है तथा अनुबंध पत्र का सम्पादन करवाया जाना है और अनुबंध पत्र अनुसार शेष राशि अदाकर विक्रय पत्र का निष्पादन करवाया जाना शेष है। यदि उक्त भूमि में कोई अपना हित व हिस्सा रखता हो या उक्त भूमि पर किसी भी राष्ट्रीयकृत बैंक,अथवा सरकारी,साहूकारी या किसी विभाग या वित्तीय संस्था अथवा सोसायटी का कोई ऋण भार हो तो ऐसे संबंधित विभाग/व्यक्ति इस जाहिर सूचना प्रकाशन से 7 (सात) दिवस की अवधि में मय प्रमाण सहित लिखित में आपत्ति मेरे समक्ष प्रस्तुत करें ताकि उसका निराकरण करवाया जा सके, अन्यथा सूचना प्रकाशन की अवधि व्यतीत होने के पश्चात मेरे पक्षकार द्वारा विधिवत अनुबंध पत्र निष्पादन के पश्चात विक्रय पत्र का निष्पादन करवा लिया जावेगा व कोई आपत्ति मान्य नही होगी।

इति दिनांकः- 24-06-2026 उज्जैन

श्रीमती नीलम अग्रवाल (एडवोकेट)
एम.ए.एल.एल.बी.
ऑफिस क्रमांक डी-5, भरतपुरी कॉम्पलेक्स, पुराना आर.टी.ओ.
ऑफिस के पीछे उज्जैन मोबा. 98264-44002

जाहिर सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि कृषि भूमि आराजी सर्वे नंबर-53/1/1/1 रकबा 0.5000 हेक्टेयर ग्राम छायन तहसील व जिला उज्जैन (म.प्र.) में स्थित हैं, उपरोक्त वर्णित सर्वे नंबर-53/1/1/1 रकबा 0.5000 हेक्टेयर में से रकबा 0.2000 हेक्टेयर इस प्रकार कुल किता 1-एक कुल रकबा 0.2000 हेक्टेयर ग्राम छायन तहसील व जिला उज्जैन (म.प्र.) को मेरे पक्षकार ने भूमिस्वामी गोवर्धन पिता श्री आत्माराम, निवासी-ग्राम छायन जिला उज्जैन (म०प्र०) से क्रय करने का अनुबंध कर टोकन राशि भू-स्वामी को अदा कर दी है, जल्द ही बयाना राशि/शेष सौदा राशि अदा कर अनुबंध-पत्र / विक्रय-पत्र का निष्पादन करवाया जाना हैं। उक्त भूमि पर किसी व्यक्ति, संस्था, वित्तीय निकाय, बैंक, पेढी, शासकीय व अर्द्धशासकीय संस्था आदि का किसी भी प्रकार का कोई स्वत्व, हित व अधिकार अथवा भार, बोझ, दान, विक्रय, बख्शीश, क्लेम आदि हो अथवा किसी भी प्रकार का कोई सुखाधिकार हो अथवा इस विक्रय व्यवहार में किसी प्रकार की आपत्ति हो तो इस जाहिर सूचना के प्रकाशन के 7 दिन में अपनी आपत्ति या क्लेम मय प्रमाण के मेरे कार्यालय में आकर प्रस्तुत करें, ताकि उसका निराकरण किया जा सके, अन्यथा मेरे पक्षकार अपने हित में उक्त संपत्ति के विक्रय पत्र का पंजीयन करा लेंगे व उक्त अवधि गुजर जाने के पश्चात किसी भी प्रकार की कोई क्लेम, आपत्ति मान्य नहीं होगी। इस जाहिर सूचना के प्रकाशन के पश्चात उक्त भूमि के संबंध में कोई भी व्यक्ति उक्त भूमि क्रय करने का व्यवहार नही करे।

इति दिनांकः-24/06/2026

दीपिका सावरकर, अभिभाषक
दुकान नं. ए-17, भरतपुरी कॉम्पलेक्स, उज्जैन (म.प्र.)
मोबा. 98272-99159

जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि, मेरे पक्षकार द्वारा भूमि स्वामीगण 1. दिनेश पिता श्री लक्ष्मी नारायण जी, निवासी 5/2, अंकपात मार्ग गली न.8 उज्जैन 2. पदम सिंह मीण पिता श्री लक्ष्मी नारायण जी, निवासी- 5/8, काजी पुरा, अंकपात मार्ग, उज्जैन से उनके अपने अपने स्वामित्व एवं आधिपत्य की कृषि भूमि सर्वे क्रमांक 235/1 रकबा 1.475 हेक्टर, सर्वे क्रमांक 236/1/1 रकबा 0.030 हेक्टर, सर्वे क्रमांक 238/1/1 रकबा 0.136 हेक्टर, सर्वे क्रमांक 236/1/2 रकबा 0.054 हेक्टर, सर्वे क्रमांक 237/1 रकबा 1.452 हेक्टर में से 0.395 हेक्टर, कुल किता 5 कुल रकबा 2.090 हेक्टर भूमि, स्थित ग्राम भीतरी (चकभ) 2 तहसील उज्जैन नगर जिला उज्जैन (म.प्र.) में स्थित है, उक्त वर्णित भूमि को क्रय करने का सौदा कर टोकन राशि अदा कर दी है, अब केवल विक्रय-पत्र का संपादन करवाना शेष है।

उक्त सम्पत्ति के क्रय-विक्रय के संबंध में किसी भी संस्था, व्यक्ति को कोई आपत्ति हो या किसी शासकीय या अर्द्धशासकीय कार्यालय, बैंक, सोसायटी आदि का कोई ऋण भार आदि हो या कोई व्यक्ति, सोसायटी, संस्था आदि उक्त सम्पत्ति पर अपना हक, हित, स्वत्व, आदि रखती हो तो वह इस जाहिर सूचना प्रकाशन के 7 (सात) दिवस के अन्दर मय प्रमाण के लिखित रूप में आपत्ति मेरे कार्यालयीन समय में प्रस्तुत करें, ताकि उसका निराकरण किया जा सके। उक्त अवधि के पश्चात मेरे पक्षकार द्वारा उक्त भूमि के विक्रय-पत्र का सम्पादन अपने हित में करवा लिया जावेगा। उक्त अवधि के पश्चात किसी भी प्रकार की कोई उज्र व आपत्ति मान्य नहीं की जावेगी तथा ऐसी कोई उज्र व आपत्ति मेरे पक्षकार पर बंधनकारक नहीं होगी तथा प्रभावशुन्य रहेगी। अपने पक्षकार के आदेश व निदेर्शानुसार यह जाहिर सूचना सर्वसाधारण के ज्ञानार्थ व ध्यानार्थ की जा रही है। सो सूचित हो। इतिः दिनांक-24/06/2026, उज्जैन

मोनिका सिंह, एडवोकेट
ऑफिस-CF-10, भरतपुरी, उज्जैन मो. नम्बर 98263 42244

जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि भूमि स्वामी श्री भेरूसिंह पिता श्री शंकरलाल, जाति-सोंधिया, निवासी-ग्राम रनाहेडा तहसील घट्टिया जिला उज्जैन (म. प्र.) के मालिकी स्वामित्व में कृषि भूमि सर्वे क्रमांक-280/4 रकबा 2.2600 हेक्टर ग्राम रनाहेडा, प. ह. नं.-00097 तहसील उज्जैन जिला उज्जैन में स्थित है। उक्त कृषि भूमि सम्पूर्ण रकबा 2.2600 हेक्टर मेसे 1.6600 हेक्टर को क्रय करने सौदा मेरे पक्षकार ने उपरोक्त भूमि स्वामी से कर आंशिक राशि अदा कर दी है, शेष राशि का भुगतान कर, केवल विक्रय पत्र का पंजीयन करवाना है। उपरोक्त कृषि भूमि पर अन्य किसी व्यक्ति, संस्था, वित्तीय निकाय, बैंक, पेढ़ी, समूह, शासकीय व अर्द्धशासकीय संस्था आदि से किसी भी प्रकार का कोई ऋण आदि लिया हो अथवा उक्त भूमि पर अन्य किसी का कोई स्वत्व, हित, आधिकार, सुखाधिकार अथवा भार, बोझ, दान, विक्रय, बक्षीस, सौदा चिट्ठी, अनुबंध, कब्जा, पारिवारिक विवाद आदि हो अथवा इस विक्रय व्यवहार से किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो, तो इस जाहिर सूचना के प्रकाशन के 07 (सात) दिन में अपनी आपत्ति मय लिखित प्रमाण के मेरे कार्यालय में आकर प्रस्तुत करे, ताकि उसका निराकरण किया जा सके, अन्यथा मेरे पक्षकार अपने हित में उक्त भूमि के विक्रय पत्र का ई पंजीयन उपरोक्त भूमि स्वामी से करा लेंगे व समय अवधि गुजर जाने के पश्चात किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी। सूचित हों। इति दिनांक-24.06.2026

राजकुमार प्रजापत एडवोकेट
कार्यालय-A-1 भरतपुरी काम्पलेक्स, देवास रोड उज्जैन (म.प्र.)
मोबा. 94259-46659

जाहिर सूचना

भूखण्ड की क्रय रसीद गुम हो जाने के संबंध में

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता हैं कि, संपत्ति भूखण्ड क्रमांक 75 जो कि शिवांश होम्स कालोनी, ग्राम सुरासा तहसील घटिया जिला उज्जैन में स्थित है, उक्त संपत्ति को मैरी पक्षकार फर्म मेसर्स गौतम इन्फ्रा, उज्जैन ने श्रीमती संगीता आंजना पति श्री राजेश आंजना, निवासी ग्राम सुरासा तहसील घटिया जिला उज्जैन (म.प्र.) को जरिये भूखण्ड क्रय रसीद पर विक्रय किया हैं। उक्त मूल रसीद श्रीमती संगीता आंजना पति श्री राजेश आंजना से कही गुम हो गई हैं तथा कई बार तलाश ने पर भी नही मिल रही हैं तथा गुम होने के संबंध में श्रीमती संगीता आंजना द्वारा जीवाजीगंज पुलिस थाने में दिनांक 19.06.2026 को आवेदन देकर वैधानिक कार्यवाही पूर्ण की गई हैं। यदि उक्त वर्णित सम्पत्ति की मूल रसीद के संबंध में किसी बैंक, व्यक्ति, वित्तीय संस्था, शासन या अन्य का कोई का ऋण, भार या मतालबा हो या किसी के पास बंधक, गिरिवी या शासकीय, अर्द्धशासकीय विभाग का किसी प्रकार का टेक्स, कर, प्रभार, बोझ, पेनल्टी, दंड, ब्याज या देनदारी आदि बकाया हो या उक्त वर्णित सम्पत्ति में किसी का कोई स्वत्व, हित, दान, क्लेम हो अथवा अनुबंध पत्र विक्रय बाबत कोई आपत्ति हो तो वह इस जाहिर सूचना के प्रकाशन से 07 दिवस के अंदर सप्रमाण मुझे लिखित में आपत्ति प्रस्तुत करें ताकि उसका निराकरण किया जा सकेगा अन्यथा बाद अवधि मैरी पक्षकार फर्म मेसर्स गौतम इन्फ्रा, उज्जैन द्वारा उक्त सम्पत्ति का विक्रय पत्र श्रीमती संगीता आंजना के हित में संपादित कर दिया जावेगा, तत्पश्चात किसी प्रकार की कोई आपत्ति मान्य नहीं की जावेगी। सूचित हो। ईति दिनांक 24-06-2026

सौरभ जैन, (चौरड़िया) एडव्होकेट
ए-20, भरतपुरी कांप्लेक्स, देवास रोड, उज्जैन
मो0 नं 96177-77776

अध्यक्ष को ज्ञापन देकर वार्ड 10 में आरसीसी सड़क व पक्की नाली निर्माण की मांग

सुसनेर। मंगलवार को नगर के वार्ड क्रमांक 10 के रहवासियों ने नगर परिषद अध्यक्ष प्रदीप सोनी को ज्ञापन सौंपकर मस्जिद वाली गली में आरसीसी सड़क एवं पक्की नाली निर्माण की मांग की। ज्ञापन में बताया गया कि यह मार्ग डाक बंगला रोड को मैना रोड से जोड़ता है तथा हरिजन मोहल्ला, बाडपीड़ित कॉलोनी, बाबा रामदेवजी की बाड़ी सहित आसपास के कई क्षेत्रों के लोगों का मुख्य आवागमन इसी रास्ते से होता है। रहवासियों ने बताया कि गली की सड़क वर्षों पुरानी और पूरी तरह जर्जर हो चुकी है। जगह-जगह गड्ढे होने से लोगों को आवागमन में परेशानी होती है। गर्मी के दिनों में धूल उड़ती रहती है, जबकि बारिश के समय पूरी गली में कीचड़ और जलभराव की स्थिति बन जाती है। ज्ञापन में यह भी बताया गया कि गली की नालियां कच्ची होने के कारण उनकी नियमित सफाई नहीं हो पाती। इससे गंदा पानी जमा रहता है जिससे मच्छर-मक्खियों का प्रकोप बढ़ने के साथ संक्रामक बीमारियों का खतरा भी बना रहता है। इस समस्या से मोहल्लेवासियों के अलावा राहगीरों को भी परेशानी उठानी पड़ती है। रहवासियों ने नगर परिषद अध्यक्ष प्रदीप सोनी से मांग की कि जनहित को ध्यान में रखते हुए वार्ड क्रमांक 10 की मस्जिद वाली गली में शीघ्र आरसीसी सड़क एवं पक्की नालियों का निर्माण कराया जाए, ताकि क्षेत्रवासियों को धूल, कीचड़ और जलभराव जैसी समस्याओं से स्थायी राहत मिल सके। इस दौरान वार्डवासियों ने शीघ्र कार्रवाई की उम्मीद जताई। चित्र:-0093

द्वारकाधीश मंदिर प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव अंतर्गत भव्य कलश यात्रा निकाली

तराना।श्री द्वारकाधीश मंदिर प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव अंतर्गत सोमवार को भव्य कलश यात्रा निकाली गई। यह यात्रा नयापुरा स्थित देवनारायण मंदिर से शुरू हुई जो नयापुरा, भेरू महाराज चौराहा होते हुए तेजाजी चौक पहुंची।द्वारकाधीश मंदिर पर कलश यात्रा का समापन हुआ। यात्रा में सुसज्जित भव्य बग्गी में भगवान द्वारकाधीश विराजमान रहे रहवासियों द्वारा पुष्प वर्षा कर दिव्य स्वागत किया गया।इस दौरान बड़ी संख्या में महिलाएं एवं पुरुष शामिल रहे।

माहेश्वरी समाज का भव्य चल समारोह धूमधाम से मनाई महेश जयंती

सुसनेर। माहेश्वरी समाज द्वारा महेश जयंती श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ धूमधाम से मनाई गई। इस अवसर पर नगर में बैंड-बाजों के साथ भव्य चल समारोह निकाला गया। भगवान महेश के जयघोष और धार्मिक भजनों के बीच निकले इस शोभायात्रा में समाज के महिला, पुरुष, युवा एवं बच्चों ने बड़ी संख्या में सहभागिता की। चल समारोह नगर के प्रमुख मार्गों से होकर सराफा बाजार स्थित मंदिर पहुंचा, जहां इसका समापन हुआ। यात्रा के दौरान विभिन्न स्थानों पर सामाजिक संगठनों, व्यापारियों एवं नागरिकों द्वारा चल समारोह का पुष्पवर्षा कर एवं स्वागत द्वार बनाकर भव्य स्वागत किया गया। श्रद्धालुओं का जगह-जगह अभिनंदन होने से पूरे नगर में उत्सव का माहौल बना रहा। मंदिर परिसर में भगवान महेश की विशेष पूजा-अर्चना एवं महाआरती संपन्न हुई। समाजजनों ने भगवान महेश से समाज की सुख-समृद्धि, उन्नति और नगर की खुशहाली की कामना की। इस अवसर पर माहेश्वरी समाज के पदाधिकारी सहित बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे। पूरे आयोजन में धार्मिक आस्था, सामाजिक एकता और उत्साह का सुंदर संगम देखने को मिला।

महाराणा प्रताप जयंती को लेकर बैठक में धार्मिक कार्यक्रम की रूप रेखा तैयार

खाचरौद। वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की 486 वीं जन्म जयंती की तैयारीयों को लेकर मंगलवार को नगर के नीलकंठेश्वर महादेव मंदिर पर समाज कि बैठक संपन्न हुई। जिसमें महाराणा प्रताप की जयंती को धूमधाम के साथ मनाने और धार्मिक कार्यक्रम की रूप रेखा तैयार की गई। बैठक में 28 जून रविवार को नगर में महाराणा प्रताप की जयंती पर एक विशाल शौर्य यात्रा निकाली जावेगी। यात्रा प्रातः 10:30 बजे नीलकंठेश्वर महादेव मंदिर परिसर से प्रारंभ होकर नगर के प्रमुख मार्गो से होती हुई संजोग परिसर पहुंचकर धर्म सभा में परिवर्तित होगी। कार्यक्रम में वर्ष 2025-26 मैं कक्षा 10वीं एवं 12वीं बोर्ड परीक्षा में 80 प्रतिशत से अधिक अंक लाने वाले समाज के प्रतिभावान विद्यार्थियों का भी सम्मान किया जावेगा। यात्रा में समस्त राजपूत समाज अपने परंपरागत वेशभूषा में शामिल होकर निकलने वाली शौर्य यात्रा को सफल बनावे। यात्रा में नगर एवं ग्रामीण अंचल से अधिक से अधिक संख्या में समाज जनों से यात्रा में शामिल होने की अपील समस्त राजपूत समाज जनों द्वारा की गई है।

समावेशी शिक्षा को लेकर शिक्षकों की संयुक्त समीक्षा बैठक संपन्न

सीडब्ल्यूएसएन बच्चों के नामांकन, शैक्षणिक प्रगति और दिव्यांग मूल्यांकन शिविर की तैयारियों पर चर्चा

दैनिक अवन्तिका ▸▸ सुसनेर

समावेशी शिक्षा के अंतर्गत विशेष आवश्यकता वाले (सीडब्ल्यूएसएन) बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जन शिक्षा केंद्र देहरिया सोयत एवं जन शिक्षा केंद्र सोयत की संयुक्त समीक्षा बैठक सांदीपनि विद्यालय सोयतकला में तथा जन शिक्षा केंद्र डोंगरगांव की बैठक शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय डोंगरगांव में आयोजित की गई।

बैठक का संचालन एमआरसी ओमप्रकाश पाटीदार ने किया। विकासखंड स्त्रोत समन्वयक राधेश्याम पाटीदार के मार्गदर्शन में आयोजित बैठक में सीडब्ल्यूएसएन बच्चों के नामांकन, नियमित उपस्थिति, शैक्षणिक प्रगति तथा समावेशी शिक्षा के प्रभावी क्रियान्वयन की विस्तृत समीक्षा की गई। शिक्षकों एवं संबंधित अधिकारियों ने बच्चों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं, सहायक उपकरणों तथा व्यक्तिगत शिक्षण योजनाओं पर विस्तार से चर्चा करते हुए गुणवत्तापूर्ण और समावेशी शिक्षा सुनिश्चित करने पर जोर दिया।

एमआरसी ओमप्रकाश पाटीदार ने शिक्षकों को निर्देश दिए कि प्रत्येक विद्यार्थी की विशेष आवश्यकताओं के अनुरूप शिक्षण गतिविधियों का संचालन किया जाए तथा अभिभावकों के साथ नियमित संवाद बनाए रखा जाए। उन्होंने छात्रवृत्ति, शासकीय योजनाओं एवं अन्य लाभकारी सुविधाओं का लाभ पात्र बच्चों तक समयबद्ध तरीके से पहुंचाने पर भी विशेष बल दिया।

बैठक में बताया गया कि 24 जून 2026 को जनपद पंचायत सुसनेर में दिव्यांगजन मूल्यांकन शिविर आयोजित किया जाएगा। शिविर में दिव्यांग बच्चों के दिव्यांगता प्रमाण-पत्र, यूडीआईडी कार्ड तथा सहायक उपकरणों के लिए आवश्यक मूल्यांकन किया जाएगा। शिक्षकों एवं अभिभावकों से पात्र बच्चों की अनिवार्य उपस्थिति सुनिश्चित करने की अपील की गई। बैठक में बीएससी मुकेश पालीवाल, जनशिक्षक भेरूसिंह सिसोदिया, रामदयाल गुर्जर, इफ्तियार खान, मनीष शर्मा सहित अन्य शिक्षक एवं अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक के अंत में विद्यालय परिसरों को दिव्यांगजन-अनुकूल बनाने, बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा उनकी शिक्षा की गुणवत्ता एवं सर्वांगीण विकास के लिए सभी संबंधित पक्षों द्वारा सामूहिक प्रयास करने का संकल्प लिया गया।

दो महीने से खुले पड़े गड्ढे में गिरा ई-रिक्शा, बाल-बाल बचा चालक

दैनिक अवन्तिका ▸▸ शाजापुर

नगर पालिका की घोर लापरवाही और अधूरे कामकाज की पोल उस समय खुल गई, जब लालघाटी इलाके में एक ई-रिक्शा सड़क के बीचों-बीच खुले पड़े एक गहरे गड्ढे में जा समाया। पाइपलाइन सुधारने के नाम पर दो महीने पहले खोदे गए इस 'मौत के कुएं' को जिम्मेदार विभाग बंद करना ही भूल गया था। गनीमत यह रही कि इस घटना में रिक्शा चालक को कोई गंभीर चोट नहीं आई और स्थानीय लोगों की तत्परता से एक बड़ा हादसा टल गया। जानकारी के अनुसार, यह घटना सोमवार दोपहर करीब 4 बजे लालघाटी स्थित होंडा शोरूम के पास हुई। ई-रिक्शा चालक भगवान सिंह कुंडल, जो शहर में खाने-पीने के सामान की सप्लाई का काम करते हैं, अपने वाहन को रिवर्स ले रहे थे। इसी दौरान उन्हें पीछे खुले गड्ढे का अंदाजा नहीं हुआ और रिक्शे का पिछला हिस्सा सीधे गड्ढे में जा धंसा। ई-रिक्शा बुरी तरह फंस गया और पलटते-पलटते बचा। हादसे की यह पूरी खौफनाक तस्वीर पास लगे एक सीसीटीवी कैमरे में भी रिकॉर्ड हो गई है।

पाइपलाइन सुधारी, पर गड्ढा भरना भूले

इस हादसे ने स्थानीय प्रशासन के कामकाज पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। मौके पर मौजूद लोगों ने बताया कि लगभग दो महीने पहले इस जगह पर पानी की पाइपलाइन फूट गई थी। तब नगर पालिका के अमले ने सुधार कार्य के लिए यह भारी-भरकम गड्ढा खोदा था। पाइपलाइन तो ठीक कर दी गई, लेकिन कर्मचारी गड्ढे को मिट्टी से बंद करना भूल गए। तब से यह लावारिस गड्ढा आम जनता और राहगीरों के लिए हादसों को न्यौता दे रहा था।

लोगों ने बल्लियों के सहारे निकाला बाहर

दिनदहाड़े हुए इस हादसे को देख आस-पास के लोग और दुकानदार तुरंत मदद के लिए दौड़ पड़े। स्थानीय लोगों ने सूझबूझ का परिचय देते हुए दो बल्लियों (लकड़ी के लट्ठों) का इंतजाम किया। इसके बाद सभी ने मिलकर कड़ी मशक्कत की और जैसे-तैसे ई-रिक्शा को खींचकर गड्ढे से सुरक्षित बाहर निकाला।

आज श्रद्धा और आस्था के साथ मनाई जाएगी निर्जला एकादशी

सुसनेर। गुरुवार 25 जून को ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष की निर्जला एकादशी पूरे देश के साथ सुसनेर क्षेत्र में भी श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ मनाई जाएगी। सनातन धर्म में निर्जला एकादशी का विशेष महत्व बताया गया है। मान्यता है कि इस दिन बिना जल ग्रहण किए व्रत रखकर भगवान विष्णु की विधि-विधान से पूजा करने पर वर्षभर की सभी 24 एकादशियों के व्रत के समान पुण्य प्राप्त होता है। धार्मिक ग्रंथों के अनुसार इस एकादशी को भीमसेनी एकादशी भी कहा जाता है। कथा के अनुसार महाभारत काल में भीमसेन भोजन के बिना नहीं रह पाते थे, इसलिए महर्षि वेदव्यास ने उन्हें केवल निर्जला एकादशी का व्रत रखने का उपदेश दिया था। तभी से इस व्रत का विशेष महत्व माना जाता है। निर्जला एकादशी के दिन प्रातः स्नान कर भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की पूजा-अर्चना की जाती है। भक्त उपवास रखते हुए विष्णु सहस्त्रनाम, गीता और भगवान के मंत्रों का जप करते हैं। अगले दिन द्वादशी तिथि में विधि-विधान से व्रत का पारण किया जाता है। इस दिन जल से भरे घड़े, शीतल पेय, पंखे, छाता, फल, वस्त्र तथा अन्न का दान विशेष पुण्यदायी माना गया है। भीषण गर्मी को देखते हुए कई स्थानों पर समाजसेवी संस्थाओं और धार्मिक संगठनों द्वारा राहगीरों के लिए शीतल जल एवं शरबत की व्यवस्था भी की जाती है। इसे मानव सेवा का श्रेष्ठ कार्य माना गया है। सुसनेर के मंदिरों में भी निर्जला एकादशी पर विशेष पूजा-अर्चना, भजन-कीर्तन और भगवान विष्णु के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ने की संभावना है।

मेडिकेयर इंस्टीट्यूट पर मनाया गया योग दिवस

सारंगपुर। स्वस्थ आयु के लिए योग की विशेष थीम के अंतर्गत आर्ट ऑफ लिविंग सारंगपुर द्वारा अंतरराष्ट्रीय योग दिवस अत्यंत उत्साह और उमंग के साथ मनाया गया। इस पावन अवसर पर शहर के विभिन्ना प्रमुख संस्थानों में योग सत्रों का आयोजन कर आमजन को निरोगी जीवन जीने का संदेश दिया गया।

आयोजन की कडी में उप जेल सारंगपुर में एक विशेष योग सत्र आयोजित किया गया। यहाँ आर्ट ऑफ लिविंग के योग प्रशिक्षक राहुल पुष्पद एवं उनके सहयोगी लोकेश पुष्पद द्वारा जेल के बंदियों को योग, प्राणायाम और ध्यान का गहन अभ्यास कराया गया। इस सत्र का मुख्य उद्देश्य बंदियों में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करना और मानसिक तनाव को दूर करना रहा।

टचिंग ग्राउंड आरसीसी रोड धंसने की कगार पर:

बंद ड्रेनेज पाइप के कारण नीचे बना एक फीट गहरा गड्ढा, बडे हादसे का डर

दैनिक अवन्तिका ▸▸ सारंगपुर

एबी रोड से नगर के भीतर आने वाला मुख्य आरसीसी मार्ग की सडक कभी भी जमींदोज हो सकती है। दो वर्ष पूर्व हाइवे के जोड़ के पास बनी इस आरसीसी रोड के नीचे लगे ड्रेनेज पाइप के चोक होने के कारण पानी के साथ सड़क का बेस बह गया है जिससें करीब एक फीट गहरी जानलेवा गड्ढा सड़क के नीचे बन चुका है, जिससे यहां हर वक्त दुर्घटना का अंदेशा बना रहता है।

स्थानीय नागरिकों के अनुसार इस दुर्दशा की मुख्य वजह सडक के नीचे डाला गया ड्रेनेज पाइप है, जो लंबे समय से पूरी तरह बंद पडा है। पानी की सही निकासी न होने के कारण जलभराव हुआ और भीतर ही भीतर पानी ने सडक के नीचे की पूरी मिट्टी को काट दिया। नतीजा यह हुआ कि ऊपर से मजबूत दिखने वाली आरसीसी सडक अंदर से पूरी तरह खोखली हो चुकी है। यह मार्ग सारंगपुर नगर में प्रवेश के मुख्य मार्गो में शामिल है और यही से दशहरा मैदान होते हुए शहर में दाखिल शहरवासी होते भी है, दिन-रात सैकडों छोटे-बडे वाहन और हजारों लोग गुजरते हैं। सडक की इस खतरनाक स्थिति को लेकर स्थानीय निवासी ईद अंसारी, नासिर अंसारी, राहुल नागर, संतोष कुमार, अनिल कुमार आदि लोगों का कहना है कि भारी वाहनों के दबाव से यह खोखली हो चुकी सडक कभी भी धंस सकती है। नागरिकों ने मांग की है कि बंद ड्रेनेज पाइप को तुरंत साफ कराकर सडक के नीचे मजबूत फिलिंग की जाए, ताकि समय रहते हादसे को टाला जा सके।

बोले जिम्मेदार

आपके माध्यम से इस समस्या की जानकारी मिली है। हमारे द्वारा तत्काल इस सड़क पर सुधार कार्य करवाया जाएगा। ताकि नागरिकों को किसी प्रकार की कोई परेशानी का सामना न करना पड़े।
दीपक रानवे, सीएमओ, नपा सारंगपुर।

नेटवर्क ठप:

सारंगपुर में जियो और बीएसएनएल बंद होने से रुकीं रजिस्ट्रियां, परेशान हो रहे किसान

दैनिक अवन्तिका ▸▸ सारंगपुर

उपपंजीयक कार्यालय सारंगपुर में पिछले कुछ समय से जियो और बीएसएनएल का नेटवर्क पूरी तरह ठप होने के कारण शासकीय कामकाज पूरी तरह ठप हो गया है। सर्वर डाउन और नेटवर्क न मिलने की वजह से जमीनों की रजिस्ट्रियां नहीं हो पा रही हैं, जिससे अपनी जमीन की खरीद-बिक्री के लिए तहसील कार्यालय पहुंच रहे किसान और आम नागरिक भीषण गर्मी में परेशान होने को मजबूर हैं।

खाली हाथ लौट रहे किसान

इन दिनों कृषि कार्य और अन्य घरेलू जरूरतों के लिए किसानों को रुपयों की सख्त आवश्यकता है। इसके लिए कई किसान अपनी जमीनों का सौदा कर रजिस्ट्री कराने उपपंजीयक कार्यालय पहुंच रहे हैं। लेकिन जैसे ही वे दफ्तर पहुंच रहे हैं, उन्हें नेटवर्क न होने का हवाला देकर वापस लौटाया जा रहा है। बायोमेट्रिक मशीन और ऑनलाइन पोर्टल के लिए जरूरी इंटरनेट कनेक्टिविटी न मिलने से रोजाना दर्जनों फाइलें पेंडिंग हो रही हैं।

दूर-दराज के गांवों से पैसे खर्च कर ट्रैक्टर और अन्य वाहनों से आ रहे किसानों का कहना है कि वे सुबह से आकर लाइन में खडे हो जाते हैं। दोपहर तक इंतजार करने के बाद अधिकारी नेटवर्क न होने की बात कहकर पल्ला झाड लेते हैं। नेटवर्क की इस आंख-मिचौली के कारण न केवल किसानों का समय बर्बाद हो रहा है, बल्कि उन्हें आर्थिक नुकसान भी उठाना पड रहा है।

आमजन का हो रहा बडा नुकसान

एक तरफ जहां किसान और आम जनता परेशान है, वहीं दूसरी तरफ रजिस्ट्रियां रुकने से शासन को मिलने वाले राजस्व (का भी हर दिन भारी नुकसान हो रहा है। स्थानीय नागरिकों, दस्तावेज लेखकों और वकीलों ने प्रशासन और संबंधित दूरसंचार कंपनियों से मांग की है कि सारंगपुर उपपंजीयक कार्यालय क्षेत्र में जियो और बीएसएनएल के नेटवर्क की समस्या को तुरंत सुधारा जाए, ताकि किसानों को दफ्तरों के चक्कर काटने से मुक्ति मिल सके। रजिस्ट्री की समस्या के अलावा नेटवर्क की समस्या का हजारों उपभोक्ताओं को भी करना पड़ा, जबकि उन्हें एक दूसरे से संपर्क करने एवं इंटरनेट का उपयोग करने में खासी कठिनाईयां आई जिससें लोगों के कई महत्वपूर्ण कार्य अटक गए।

पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष चिंतामण राठौर बने भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य

सुसनेर। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष चिंतामण राठौर को भाजपा ने प्रदेश

कार्यसमिति सदस्य का दायित्व सौंपा है। इस नियुक्ति पर उन्होंने पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त करते हुए इसे अपने लिए गर्व के साथ-साथ बड़ी जिम्मेदारी बताया। राठौर ने कहा कि वे संगठन की विचारधारा, नीतियों और जनसेवा के संकल्प को पूरी निष्ठा, ईमानदारी एवं समर्पण के साथ आगे बढ़ाने का कार्य करेंगे। उन्होंने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सहित पार्टी के सभी वरिष्ठ नेताओं, पदाधिकारियों और कार्यकताओं का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि कार्यकताओं का स्नेह, विश्वास और मार्गदर्शन ही उनकी सबसे बड़ी पूंजी है तथा सभी के सहयोग और आशीर्वाद से वे संगठन को और अधिक मजबूत बनाने के लिए सदैव तत्पर रहेंगे। उनकी नियुक्ति पर क्षेत्र के भाजपा कार्यकताओं और समर्थकों ने हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दी हैं।

बीच सड़क कार खड़ी करना पड़ा महंगा, पुलिस ने काटा 500 का चालान

सुसनेर। नगर के व्यस्त शुक्रवारिया बाजार स्थित एसबीआई बैंक चौराहे पर बीच सड़क पर खड़ी एक कार के कारण काफी देर तक यातायात व्यवस्था प्रभावित रही। मुख्य मार्ग पर कर्नाटक पासिंग की कार खड़ी होने से राहगीरों और वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ा। काफी समय तक वाहन के पास कोई नहीं पहुंचने पर लोगों ने कार को लावारिस समझते हुए इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और कार की जांच शुरू की। पुलिस ने आसपास मौजूद लोगों से पूछताछ की तथा वाहन की जानकारी जुटाई। जांच के दौरान पता चला कि कार के मालिक दिनेश पाटीदार हैं, जबकि वाहन कन्हैयालाल पाटीदार चला रहे थे। चालक बैंक के कार्य से एसबीआई शाखा में गए थे और उन्होंने कार को मुख्य सड़क पर ही खड़ा कर दिया था, जिससे चौराहे पर यातायात बाधित होने लगा। मौके पर पहुंची पुलिस ने पहले यातायात को सुचारु कराया, इसके बाद वाहन को अपने कब्जे में लेकर थाना परिसर पहुंचाया। यातायात नियमों का उल्लंघन करने और सार्वजनिक मार्ग पर वाहन खड़ा कर आवागमन में बाधा उत्पन्न करने के मामले में चालक के विरुद्ध 500 का चालान काटकर वैधानिक कार्रवाई की गई। पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि सड़क पर वाहन खड़ा कर यातायात बाधित करना यातायात नियमों का उल्लंघन है। ऐसे मामलों में नियमानुसार चालानी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस की इस कार्रवाई से वाहन चालकों को यातायात नियमों का पालन करने का संदेश भी मिला है।

उदनखेडी में चार महीने से अटकी वृद्धा, विधवा और विकलांग पेंशन

ग्रामीणों में सरकार के खिलाफ भारी आक्रोश

सारंगपुर। मध्य प्रदेश सरकार द्वारा गरीब, बेसहारा और जरूरतमंदों को संबल देने के लिए चलाई जा रही सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाएं सरकार की ही लापरवाही की भेंट चढ रही हैं। समीपस्थ ग्राम उदनखेडी और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में पिछले 4 महीनों से वृद्धा, विकलांग और विधवा पेंशन नहीं मिलने से हितग्राही दाने-दाने को मोहताज हो रहे हैं। ग्रामीण हितग्राहियों ने आक्रोश जताते हुए बताया कि वे पिछले कई महीनों से जनपद पंचायत से लेकर ग्राम पंचायत के चक्कर काट रहे हैं, लेकिन उनकी सुध लेने वाला कोई नहीं है। सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि इस गंभीर लापरवाही को जनप्रतिनिधि एवं सरकार के नुमांइदे व वरिष्ठ अधिकारियों की इस बेरुखी के कारण ग्रामीणों में गहरा रोष है। पेंशन न मिलने से सबसे ज्यादा परेशानी बेसहारा विधवा महिलाओं, बुजुर्गों और दिव्यांगों को हो रही है, जिनका भरण-पोषण इसी सरकारी राशि पर निर्भर है। हितग्राहियों का आरोप है कि सरकार और जनप्रतिनिधि भी इस समस्या को लेकर पूरी तरह उदासीन बना हुआ है। जिला प्रशासन द्वारा भी शासन की इन जनकल्याणकारी योजनाओं की जमीनी हकीकत पर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। ग्रामीणों ने कहा कि एक तरफ सरकार सबका साथ, सबका विकास का दावा करती है, वहीं दूसरी तरफ जिम्मेदारो की लापरवाही के चलते योजनाएं दम तोड रही हैं। ग्रामीणों ने जिला कलेक्टर और वरिष्ठ अधिकारियों से मांग की है कि मामले को संज्ञान में लेकर अटकी हुई पेंशन राशि का तुरंत भुगतान कराया जाए और लापरवाहो पर सख्त कार्रवाई की जाए।

देसी आम की अंतिम बिक्री:

एक महीने से 40-50 रुपए किलो बिक रहा बारिश के बाद आवक बंद हो जाएगी

सारंगपुर। क्षेत्र में पिछले एक माह से देशी आमों की बडी मात्रा में बिक्री हो रही है। हालांकि, यह आमों की आवक का अंतिम सप्ताह है। बारिश शुरू होने के बाद देशी आमों की बिक्री लगभग बंद हो जाएगी। वर्तमान में ये आम 40 से 50 रुपए प्रति किलोग्राम के भाव से बिक रहे हैं। सारंगपुर शहर और आसपास के क्षेत्रों के लोगों को ये आम काफी पसंद आ रहे हैं। सारंगपुर में दूसरे स्थानों से लाकर आम बेच रहे हैं, जिससे उन्हें बेहतर मूल्य मिल रहा है। सारंगपुर के राजीव गांधी चौराहे पर प्रतिदिन सुबह 9 बजे से 50 से अधिक आम विक्रेता ठेलो में देशी आम बेचते देखे जा सकते हैं। विक्रेता ग्राहकों को आम चखाकर पसंद आने पर मोलभाव करते हैं। चूसने वाले देसी आम की कीमत 40 से 50 रुपए प्रति किलोग्राम है। देशी आमों में भी कई प्रकार की किस्में उपलब्ध हैं, जो शौकीन ग्राहकों को आकर्षित कर रही हैं। बादाम, तोतापरी, नीलम, लाल पट्टा और अन्य देशी आम की किस्में भी 50 रुपए प्रति किलोग्राम के भाव से बिक रही हैं। आम विक्रेता सलमान फुट ने बताया कि यह देसी आम का आखिरी हफ्ते है। बारिश के बाद आमों की आवक बंद हो जाएगी और किसान अपने खेती के कार्यों में व्यस्त हो जाएंगे। वही बात करें अचार बनाने के लिए इस्तेमाल होने वाला छोटा देशी आम की तो पहली बार बडी मात्रा में बाजार में पहुंचा है। आम बेचने आए शंकर सिंह ने बताया कि अचार का देसी आम बाजार में 60 से 70 रुपए प्रति किलो बिक रहा है। अन्य किस्मों में लंगडा आम 70 रुपए किलो, दशहरी 60 रुपए किलो, तोता परी और नीलम आम 50 रुपए प्रति किलो के भाव से बेचे जा रहे हैं। व्यापारियों के अनुसार, मई महीने में क्षेत्र में आई हवा-आंधी और बारिश के कारण स्थानीय आम की फसल को सर्वाधिक नुकसान हुआ था।

घनी आइब्रो के लिए आर्गन आयल

मोटी आइब्रो पाने के लिए आर्गन ऑयल का इस्तेमाल

घनी आइब्रो पाने की है चाह, इन 3 तरीकों से इस्तेमाल करें आर्गन ऑयल पतली आइब्रो को घना बनाने के लिए महिलाओं और पुरुष कई उपाय अपनाते हैं, जिसमें आर्गन ऑयल भी शामिल है। ऐसे में आइए जानते हैं कि आइब्रो को घना बनाने के लिए आर्गन ऑयल का इस्तेमाल कैसे करें?

सुंदर दिखने के लिए महिलाएं और पुरुष दोनों ही कई तरह के स्किन ट्रीटमेंट्स लेते हैं। बालों और स्किन को अट्रैक्टिव दिखने के लिए लोग कई तरह के घरेलू उपाय भी अपनाते हैं। वहीं, कुछ लोगों की आइब्रो काफी पतली होती हैं, जिस कारण उन्हें मोटा दिखाने के लिए वे आइब्रो पेंसिल का इस्तेमाल करते हैं, ताकि ब्रो मोटी, घनी और चेहरा सुंदर दिख सके। घनी और सही शेप वाली आइब्रो चेहरे की खूबसूरती को कई गुना ज्यादा बढ़ा सकते हैं। हालांकि, बार-बार थ्रेडिंग, मेकअप, हार्श केमिकल्स और पोषण की कमी के कारण आइब्रो के बाल पतले होने लगते हैं। ऐसे में आर्गन ऑयल का इस्तेमाल आइब्रो को मोटा करने के लिए काफी प्रभावी माना जाता है। तो आइए हरियाणा के सिरसा में स्थित रामहंस चेरिटेबल हॉस्पिटल के आयुर्वेदिक डॉ. श्रेय शर्मा से जानते हैं कि आइब्रो को मोटा करने के लिए आर्गन तेल का इस्तेमाल कैसे करें?

आयुर्वेदिक डॉ. श्रेय शर्मा का कहना है कि आर्गन ऑयल को लिक्विड गोल्ड के रूप में भी जाना जाता है। इसमें विटामिन ई, फैटी एसिड और एंटीऑक्सीडेंट्स भरपूर मात्रा में पाया जाता है, जो आइब्रो के बालों को मजबूत, घना और हेल्दी बनाने में मदद करता है। इसलिए आप कई तरह से आर्गन ऑयल का इस्तेमाल अपनी आइब्रो को मोटा करने के लिए कर सकते हैं।

आर्गन ऑयल से आइब्रो की मालिश

आइब्रो को मोटा करने के लिए सबसे आसान और असरदार तरीका आर्गन ऑल का सीधा इस्तेमाल करना है। सबसे पहले चेहरे और आइब्रो को हल्के फेस वॉश से साफ कर लें। इसके बाद 2 से 3 बूंद साफ और कोल्ड-प्रेस्ड आर्गन ऑयल लेकर उंगली या साफ रूई से आई ब्रो पर लगाएं। हल्के हाथों से 2 से 3 मिनट तक मसाज करें। आप आर्गन ऑयल से अपनी आई ब्रो को रोजाना रात को सोने से पहले मसाज करें। आर्गन ऑयल से आइब्रो मसाज करने से उनकी जड़ों तक पोषण पहुंचाता है और नए बाल उगाने में मदद मिलती है।

आर्गन ऑयल और कैस्टर ऑयल का मिश्रण

अगर आपकी आइब्रो बहुत ज्यादा पतली हैं तो आर्गन ऑयल और कैस्टर ऑयल को मिलाकर अपनी भौहों पर इस्तेमाल कर सकते हैं। 1 चम्मच आर्गन ऑयल में 1 चम्मच कैस्टर ऑयल डालकर अच्छी तरह मिला लें। इसके बाद रात को सोने से पहले इस मिश्रण को आइब्रो पर लगाएं और सुबह अपनी आइब्रो को गुनगुने पानी से धो लें। आप हफ्ते में 4 से 5 बार इस्तेमाल कर सकते हैं। कैस्टर ऑयल आइब्रो की ग्रोथ को बढ़ाता है और आर्गन ऑयल उन्हें मजबूत

चेहरे पर चावल का आटा लगाने के क्या साइड इफेक्ट्स हैं?

चेहरे पर चावल का आटा लगाने के क्या साइड इफेक्ट्स हैं? डॉक्टर से जानें चावल का इस्तेमाल स्किन के लिए काफी फायदेमंद माना जाता है। लेकिन, चावल का आटा कुछ लोगों की स्किन को डैमेज कर सकता है। आइए जानते हैं चेहरे पर चावल का आटा इस्तेमाल करने के नुकसान के बारे में-

स्किन से जुड़ी समस्याओं को दूर करने के लिए कुछ लोग महंगे-महंगे स्किन केयर प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करते हैं। वहीं, कुछ लोग ऐसे भी हैं जो आज के समय में भी अपनी स्किन की समस्या को दूर करने और त्वचा को स्वस्थ रखने के लिए घरेलू नुस्खों का इस्तेमाल करते हैं। चावल के आटे का इस्तेमाल भी सदियों से लोग अपने स्किन केयर रूटीन में शामिल करते आ रहे हैं। फेस पैक, स्क्रब और क्लींजर के रूप में चावल का आटा आपकी स्किन के लिए काफी फायदेमंद माना जाता है। लेकिन, क्या आपको पता है चावल का आटा आपकी स्किन को नुकसान भी पहुंचा सकता है। आइए मेवाड़ विश्वविद्यालय में प्रोफेसर एवं प्राकृतिक चिकित्सालय बापू नगर, जयपुर की वरिष्ठ चिकित्सक योग, प्राकृतिक चिकित्सा पोषण और आयुर्वेद विशेषज्ञ डॉ. किरण गुप्ता से जानते हैं स्किन पर चावल का आटा लगाने से क्या नुकसान हो सकता है?

चावल का आटा कई पोषक तत्वों से भरपूर होता है, जो स्किन के लिए काफी फायदेमंद माना जाता है, लेकिन गलत तरीके और ज्यादा मात्रा में इसका उपयोग स्किन को डैमेज कर सकता है, आइए जानते हैं कैसे-

1. त्वचा में रूखापन- चावल के आटा स्किन के लिए एक अच्छा एक्सफोलिएटर होता है, लेकिन इसका बार-बार ज्यादा मात्रा में उपयोग करने से स्किन की नेचुरल नमी छिन सकती है, जो आपकी स्किन को रूखा बना सकती है। चावल का पानी खासतौर पर उन लोगों के लिए समस्या का कारण बन सकती है, जिनकी स्किन पहले से ही ड्राई है। इसलिए, ड्राई स्किन होने पर चावल के आटे का इस्तेमाल करते समय आप इसमें दूध, शहद या एलोवेरा जेल मिला सकते हैं।

2. एलर्जी या रैशेज की समस्या- कुछ लोगों को चेहरे पर चावल के आटे का इस्तेमाल करने से एलर्जी की समस्या हो सकती है, जिससे चेहरे पर खुजली, रेडनेस, या रैशेज की समस्या हो सकती है। खासतौर पर जिन लोगों की स्किन सेंसिटिव है, उन्हें चावल के आटे का इस्तेमाल करने से बचना चाहिए।

27 करोड़ के पंत 15 करोड़ में दिल्ली कैपिटल्स लौटे

13.50 करोड़ रुपए में कुलदीप लखनऊ में शामिल, दोनों टीमों के बीच ट्रेड हुआ

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

आईपीएल इतिहास के सबसे महंगे खिलाड़ी ऋषभ पंत की दिल्ली कैपिटल्स में वापसी हो गई है, जबकि स्पिनर कुलदीप यादव अब लखनऊ सुपर जायंट्स के लिए खेलेंगे। दोनों टीमों के बीच यह ट्रेड हुआ है। इस आईपीएल के बाद पंत ने लखनऊ की कप्तानी छोड़ दी थी। लखनऊ ने आईपीएल 2025 के ऑक्शन में पंत को रिकॉर्ड 27 करोड़ रुपए में खरीदा था, जो आईपीएल इतिहास की सबसे बड़ी बोली थी। अब ट्रेड के बाद वे 15 करोड़ रुपए की फीस पर दिल्ली से जुड़े हैं। वहीं, कुलदीप यादव 13.50 करोड़ रुपए की अपनी मौजूदा फीस पर लखनऊ में शामिल हुए।

पंत एक बार फिर उसी फ्रेंचाइजी का हिस्सा बन गए हैं, जहां उन्होंने साल 2016 से 2024 के बीच अपने करियर के 9 सीजन बिताए थे। दिल्ली कैपिटल्स के लिए पंत ने अब तक कुल 111 मैच खेले हैं। उन्होंने तीन सीजन में 43 मुकाबलों में दिल्ली की कप्तानी भी की। हालांकि 2025 मेगा ऑक्शन से पहले जीएमआर ग्रुप के साथ कुछ मतभेदों के बाद उन्हें रिलीज कर दिया गया था।

इस ट्रेड में कुलदीप दिल्ली कैपिटल्स का साथ छोड़कर लखनऊ सुपर जायंट्स में शामिल हो गए हैं। कुलदीप का दिल्ली के साथ 5 सीजन का एक बेहद सफल सफर रहा है, जो अब इस ट्रेड के साथ समाप्त हो गया है। कुलदीप साल 2022 में दिल्ली की फ्रेंचाइजी से जुड़े थे। तब से लेकर अब तक उन्होंने टीम के लिए 65 मैचों में 72 विकेट अपने नाम किए हैं।

यह बदलाव कुलदीप के लिए भी एक तरह से घर वापसी जैसा होगा। उन्होंने घरेलू क्रिकेट उत्तर प्रदेश से खेला है, जबकि पंत दिल्ली के खिलाड़ी रहे हैं।

पंत का प्रदर्शन रहा ट्रेड की वजह

पंत के ट्रेड की आधिकारिक वजह नहीं बताई गई है। हालांकि, इसके पीछे उनका कप्तान और खिलाड़ी के रूप में प्रदर्शन एक कारण माना जा रहा है। क्छछ 2026 में लखनऊ पॉइंट्स टेबल में आखिरी 10वें और 2025 में 7वें स्थान पर रही। पंत टीम के कप्तान थे, इसलिए मैनेजमेंट बदलाव चाहता था। वहीं, 27 करोड़ रुपए की रिकॉर्ड कीमत के मुकाबले उनका प्रदर्शन भी उम्मीदों पर खरा नहीं उतरा। उन्होंने लखनऊ के लिए दो सीजन में 28 मैच खेलकर 581 रन बनाए।

वैभव को टीम इंडिया की 3 नंबर जर्सी मिली

कहा- खुशी बयां करने के लिए शब्द नहीं, आयरलैंड-इंग्लैंड दौरे पर रवाना

एजेंसी ▶▶ मुंबई

वैभव सूर्यवंशी सीनियर टीम इंडिया के साथ आयरलैंड और इंग्लैंड के दौरे पर मंगलवार को रवाना हो गए। बीसीसीआई की ओर से उन्हें 3 नंबर जर्सी होटल भिजवाई गई, जिसे सूर्यवंशी काफी देर तक देखते रहे।

सूर्यवंशी को जर्सी भारतीय टीम में थ्रो डाउन स्पेशलिस्ट रघु ने सौंपी। सूर्यवंशी ने सबसे पहले रघु के पैर छूए और उन्हें प्रणाम किया, फिर जर्सी ली। इस पूरी घटना को कैमरे में रिकॉर्ड भी किया गया।

इसे शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता। जिस दिन पहली बार बल्ला थामकर मैदान पर कदम रखा था, आज वह सपना पूरा हो गया है। यह मेरे अब तक के करियर का सबसे बड़ा कदम है और इस अहसास को शब्दों में बयां करना नामुमकिन है। 15 साल के सूर्यवंशी को पहली बार भारतीय टीम में जगह दी गई है। देश की नेशनल टीम में सिलेक्ट होने वाले वे सबसे कम उम्र के खिलाड़ी हैं। भारतीय टीम का आयरलैंड दौरा 26 जून से शुरू हो रहा है और इंग्लैंड दौरा 1 जुलाई से शुरू होगा।

आयरलैंड के बेलफास्ट में 26 या 28 जून को होने वाले मैच से वैभव सूर्यवंशी इंटरनेशनल क्रिकेट में डेब्यू कर सकते हैं। अगर वे आयरलैंड या इंग्लैंड के खिलाफ मैदान पर उतरते हैं, तो वे 15 साल की उम्र में भारत के लिए खेलने वाले सबसे युवा इंटरनेशनल क्रिकेटर बन जाएंगे। ऐसा होने पर वे सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड तोड़ देंगे, जिन्होंने 16 साल 205 दिन की उम्र में डेब्यू किया था।

सूर्यवंशी ने क्छछ 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए ऑरेंज कैप अपने नाम की। उन्होंने 16 मैचों में 776 रन बनाए, जो इस सीजन किसी भी बल्लेबाज द्वारा सबसे ज्यादा हैं। इस दौरान उनके बल्ले से 1 शतक और 5 अर्धशतक निकले। सूर्यवंशी ने सबसे कम उम्र में ऑरेंज कैप जीतने का रिकॉर्ड भी अपने नाम कर लिया। उन्होंने साई सुदर्शन का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने आईपीएल 2025 में 23 साल 237 दिन की उम्र में यह उपलब्धि हासिल की थी।

प्रवेश प्रारंभ
आवश्यकता है:- शिक्षक / शिक्षिकाओ की (अंग्रेजी माध्यम स्कूल में)
योग्यता :- ग्रेजुएट, पोस्ट ग्रेजुएट,
आफिस समय 10 से 01 बजे तक
आवेदन: 23-06-2026
सेन्ट मदार कान्वेंट स्कूल 36, मदार गेट सरदार स्टील के पास उज्जैन फोन नम्बर:-2557390

विज्ञप्ति
क्षीरसागर कॉलोनी स्थित भूखण्ड क्रमांक 3 नजर अली मार्ग, पथ क्रमांक 3, उत्तरमुखी खुला भूखण्ड 46 फीट बाय 66 फीट विक्रय किया जाना है। वास्तविक इच्छुक व्यक्ति ही स्वयं सम्पर्क करें, मध्यस्थता स्वीकार्य नहीं है।
चन्द्रकान्त शुक्ला मो. 9406801039

मकान बेचना है
गणेशपुरा मक्सी रोड मेन चौराहा, गली नंबर 1 में 20x40 में निर्मित सर्वसुविधा युक्त मकान बेचना है।
संपर्क 8717818385

आवश्यकता है
स्टॉफ की आवश्यकता है न्यू ओपनिंग रेस्टोरेंट के लिए- 2- कचोरी-समोसा, जलेबी बनाने वाले उस्ताद, 2- रेस्टोरेंट मैनेजर्स, 2- इंडिया शैफ, 2- तंदूर, 2- कैशियर, 5- किचन हेल्पर, 3- पैंट्री वाले, 4- कैप्टन, 6-वेटर, 4- हाउस किपिंग वालों की आवश्यकता है।
अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें 9893713817

आवश्यकता है
मार्केटिंग / सेल्समैन वेतन 12000 से 15000 योग्यतानुसार
(समय प्रातः 7.30 से 6 बजे तक लन्च 1 से 2.30)
नोटः जरूरतमंद एवं अनुभवी की आवश्यकता
पेट्रोल खर्च अतिरिक्त दिया जाएगा
संपर्क मो.9575477077

खरीदना / किराए से चाहीए
उज्जैन में कोई भी छोटी होटल या होम स्टे, जो चालू अवस्था में हो खरीदना / किराए से चाहीए
संपर्क 9893374872

इन्दौर में 2 BHK फ्लेट बेचना है।
सीता श्री रेसीडेंसी
ऐयर पोर्ट मेनरोड कालानी नगर के पास
ग्राउंड फ्लोर में 4 बैंक व 4 दुकाने है
पास में, मेट्रो स्टेशन निर्माणाधीन मोके की जगह।
सीधे आनर से संपर्क करें। 9669578652

आवश्यकता
छुरी वाली कटिंग मशीन एवं सर्कलकटिंग मशीन ऑपरेटर की जो दोनों मशीन चलाना जानता हो, चौकीदार की जो रात दिन फैक्ट्री पर रह सके.
संपर्क करे
श्री हरि पेपर इंडस्ट्री
8 मक्सी रोड इंडस्ट्रियल एरिया प्रवाह पेट्रोल पंप के पीछे, उज्जैन
मोबाइल 9425358095

आवश्यकता है
दुकान पर काम करने हेतु युवक-युवती की। पेन्ट-शर्ट बनाने वाले कारीगर की भी आवश्यकता है।
संपर्क करें 9575555715, 9425094114

रद्दी बेचना है
अखबारी फ्रेश रद्दी, थोक रेट में टनों से 10-10 किलो के बंडल में बेचना है
संपर्क 7773077762

अवश्यकता है
दुकान पर काम करने हेतु युवक और युवती की।
कोट पेन्ट बनाने वाले कारीगर की व शर्ट व सफारी बनाने वाले कारीगरों की आवश्यकता है।
प्रोमिस टेलर मेट्रो टॉकीज के सामने (उज्जैन)
संपर्क करें 7974817308, 9516848052

बेचना है
अगरबत्ती का कारखाना बेचना है, वियतनाम ऑटोमैटिक मशीन। ड्रायर मिक्सर और अन्य सामान बेचना है। स्थान- नागझिरी, उज्जैन
संपर्क 9111328540

किराए से देना है
शहर के मध्य, पुराने दारू गोदाम के सामने, बुनकर समिति के अंदर 1500 & 2000 SQFT कमर्शियल व गोडाउन उपयोग हेतु 16 फीट ऊंचाई टीन शेड, बोरिंग सुविधा, अटैच लेट-बाथ, सर्व सुविधा युक्त
6267735937

आवश्यकता
अशासकीय विद्यालय श्री संस्कृति कॉ. मि. स्कूल भैरवगढ़ में अध्यापन हेतु शिक्षक-शिक्षिकाओं की आवश्यकता है- अनुभवी एवं प्रशिक्षित को प्राथमिकता-
योग्यता- B.E.D/D.E.D./Deled
वेतन- 7000 से 8000 प्रतिमाह
राजेश राव हाण्डे- 9977588698
Head Master
Shri Sanskriti Convent Middle School, Bhairavgar

न्यूज कॉलम

काफी देर तक बातों में उलझाया और ज्वेलरी दुकान से डेढ़ लाख के गहने लेकर फरार युवक

इंदौर। कनाड़िया थाना क्षेत्र में एक ज्वेलरी दुकान से सोने के आभूषण लेकर फरार हुए बदमाश का सीसीटीवी फुटेज सामने आया है। आरोपी ने बड़ी चालाकी से पहले दुकान संचालक और वहां बैठी युवती को बातचीत में उलझाए रखा, फिर मौका मिलते ही सोने की चेन और अंगूठियां लेकर भाग निकला। पुलिस अब सीसीटीवी के आधार पर उसकी तलाश कर रही है। जानकारी के अनुसार कनाड़िया रोड पर 70 साल के शिवशंकर विजयवर्गीय की चंद्रिका ज्वेलर्स नाम से दुकान है। सोमवार सुबह एक युवक दुकान पर पहुंचा और गिफ्ट देने के लिए दो अंगूठियां और एक सोने की चेन पसंद की। उसने करीब डेढ़ लाख रुपए का सौदा तय किया और एटीएम से पैसे निकालकर आने की बात कहकर चला गया। शाम करीब 5 बजे युवक दोबारा दुकान पहुंचा। उसने काउंटर पर बैठी युवती से वही आभूषण दिखाने को कहा और नकद भुगतान करने की बात कही। युवती ने चेन और अंगूठियों का बॉक्स उसे दे दिया। इसके बाद आरोपी ने दुकान संचालक शिवशंकर विजयवर्गीय से गहनों का वजन करने को कहा।

सड़क हादसों में 2 की मौत, 1 घायल, लवकुश चौराहे पर महिला को आयशर ने कुचला

इंदौर। मंगलवार को हुए दो अलग-अलग सड़क हादसों में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। दोनों मामलों में पुलिस ने जांच शुरू कर दी है और फरार वाहन ड्राइवरों की तलाश की जा रही है। पहला हादसा मंगलवार शाम लवकुश चौराहे के पास हुआ। पुलिस के अनुसार खरगोन निवासी रीना पति शेरसिंह को आयशर वाहन ने टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि वाहन के दोनों पहिए महिला के ऊपर से गुजर गए, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद ड्राइवर वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए अरविंदो अस्पताल भिजवाया। पुलिस ने आयशर वाहन जब्त कर लिया है। शुरुआती जांच में सामने आया है कि महिला सड़क पार कर रही थी, तभी वह हादसे का शिकार हो गई। दूसरा हादसा मंगलवार रात आजाद नगर क्षेत्र में तीन इमली के पास हुआ। यहां स्कूटी पर सवार दो दोस्तों को किसी अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी।

कारोबारी से 65 लाख की धोखाधड़ी, तुअर दाल के कारोबार में मुनाफे का झांसा दिया

इंदौर। भंवरकुआं थाना क्षेत्र में एक कारोबारी के साथ तुअर दाल के व्यापार में निवेश के नाम पर 65 लाख रुपए की धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। आरोप है कि दो व्यापारियों ने बड़े मुनाफे का लालच देकर रकम अपने अकाउंट में ट्रांसफर करवा ली, लेकिन न तो माल भेजा और न ही रकम वापस की। पुलिस के अनुसार, रानीबाग निवासी गिरीश रामनानी ने शिकायत दर्ज कराई है कि उनकी पहचान महाराष्ट्र के सोलापुर निवासी गुरुशांतलिंग कुंभार और सोमनाथ हलगोदे से हुई थी। दोनों ने खुद को तुअर दाल का बड़ा कारोबारी बताते हुए अपनी फर्म श्री विजयलक्ष्मी ट्रेडर्स के माध्यम से व्यापार करने का प्रस्ताव दिया। गिरीश कई वर्षों से दोनों के संपर्क में थे। इससे पहले छत्तीसगढ़ और नागपुर से भी उनके साथ व्यापारिक लेन-देन हो चुका था। फरियादी के मुताबिक, गुरुशांतलिंग कुंभार ने फरवरी 2026 में सोमनाथ को उनके पास भेजा। रानीबाग स्थित घर पर मुलाकात के दौरान उसने मोबाइल पर तुअर दाल के स्टॉक की तस्वीरें दिखाईं और व्यापार में निवेश करने पर अधिक मुनाफा मिलने का भरोसा दिलाया।

घर बैठे-बैठे खाते से निकले 6.47 लाख रुपए, मोबाइल हैक होने की आशंका

इंदौर। कनाड़िया क्षेत्र में साइबर ठगों ने बीएसएनएल के रिटायर्ड अधिकारी को निशाना बनाकर ठगी की वारदात को अंजाम दिया। मोबाइल फोन हैक कर उनके बैंक खातों से 6.47 लाख रुपए निकाल लिए गए। खाते से रकम निकलने की जानकारी मिलने पर पीड़ित ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। कनाड़िया पुलिस के मुताबिक, 63 वर्षीय महेंद्र सिंह चौहान, निवासी संचार नगर एक्सटेंशन, ने मंगलवार को शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने बताया कि 22 जून को वह घर पर थे, तभी उनके मोबाइल पर दो ओटीपी आए। इसके बाद जब उन्होंने बैंक खाते की जांच की तो पता चला कि उनके आईसीआईसीआई बैंक खाते से करीब 5.94 लाख रुपए सात अलग-अलग ट्रांजेक्शन में निकाल लिए गए हैं। इसके अलावा स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के खाते से भी करीब 53 हजार रुपए ट्रांसफर किए गए। कुल मिलाकर 6.47 लाख रुपए की धोखाधड़ी हुई। इसके बाद उन्होंने दोनों बैंक खाते तत्काल बंद कराए और साइबर हेल्पलाइन पर शिकायत दर्ज कराई।

ड्रिंक-एंड-ड्राइव में पकड़ी गाड़ी छुड़ाने थाने पहुंचे बीजेपी नेता, कुत्ते के भौंकने पर हुए नाराज

इंदौर। विजयनगर थाने में मंगलवार को उस समय हंगामा हो गया, जब ड्रिंक एंड ड्राइव में पकड़ी गई गाड़ी छुड़ाने के लिए कुछ बीजेपी नेता थाने पहुंचे। इस दौरान पुलिस स्टाफ से उनकी बहस हो गई। मामला उस समय और बढ़ गया जब थाने में मौजूद एक कुत्ते को लेकर भी विवाद हो गया। जानकारी के अनुसार विजयनगर थाने के सामने स्थित श्यामा प्रसाद मुखर्जी की प्रतिमा पर बीजेपी नेता चंदू शिंदे, सुरेश कुरवाडे और अन्य कार्यकर्ता माल्यार्पण करने पहुंचे थे। इसी दौरान एक कार्यकर्ता ने ड्रिंक एंड ड्राइव में जब्त हुई गाड़ी छुड़ाने के लिए मदद मांगी, जिसके बाद सभी लोग विजयनगर थाने पहुंच गए। बताया जा रहा है कि थाने परिसर में एक कुत्ते के पैर रखने के बाद वह भौंकने लगा। इस पर बीजेपी नेता चंदू शिंदे ने पुलिसकर्मियों से नाराजगी जताई। उनका कहना था कि अगर कुत्ता किसी को काट लेता तो इसकी जिम्मेदारी कौन लेता। इस दौरान बीजेपी नेता और पुलिस स्टाफ के बीच बहस शुरू हो गई। आरोप है कि चंदू शिंदे ने वहां मौजूद महिला पुलिसकर्मी राज मोहिनी से भी बहस की और उन्हें भला-बुरा कहा।

इंस्टाग्राम पर चाकू लहराकर लाइव आए युवक बर्थडे पार्टी में शराब के नशे में हथियार दिखाए

इंदौर। बदमाशों के बढ़ते हौसलों का एक और मामला सामने आया है। परदेशीपुरा क्षेत्र के कुछ युवक हाथों में चाकू लेकर इंस्टाग्राम पर लाइव आए। वीडियो में युवक शराब के नशे में हथियार लहराते और अपशब्द बोलते नजर आ रहे हैं। ये वीडियो अब सोशल मीडिया पर सामने आया है। जानकारी के अनुसार वीडियो परदेशीपुरा क्षेत्र के बदमाश विशाल धनगर और उसके साथियों का बताया जा रहा है। दो दिन पहले विशाल धनगर का जन्मदिन था। इसी मौके पर एक होटल में पार्टी आयोजित की गई थी। पार्टी के दौरान विशाल अपने साथियों के साथ इंस्टाग्राम पर लाइव आया। वीडियो में विशाल धनगर के साथ सुमित धनगर और साहिल काले भी दिखाई दे रहे हैं। वीडियो में युवकों के हाथों में कई बड़े और छोटे चाकू नजर आ रहे हैं। बदमाशी वाले गानों पर वे चाकू लहराते हुए डांस कर रहे हैं और शराब पीते दिखाई दे रहे हैं। लाइव के दौरान युवकों ने क्षेत्र के एक अन्य बदमाश लोकेश खोपड़े का नाम लेकर भी आपत्तिजनक टिप्पणियां कीं। सूत्रों के मुताबिक कुछ समय पहले लोकेश खोपड़े के घर पर बम फेंकने के मामले में भी इन युवकों के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया गया था।

अंगूठी और चेन चोरी, कर्मचारी ने अपने दोस्त को दे दिए थे गहने

इंदौर। हीरानगर थाना क्षेत्र में कार वॉश कराने पहुंचे एक कारोबारी की कार से सोने के आभूषण चोरी होने का मामला सामने आया है। पुलिस ने जांच के बाद मंगलवार को कार धोने वाले युवक और उसके दोस्त को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं चोरी की चेन खरीदने वाले तीसरे आरोपी की तलाश जारी है। पुलिस के अनुसार फरियादी योगेश कुमार तोमर, सुखलिया निवासी हैं और फर्नीचर का काम करते हैं। उन्होंने 16 जून को अपनी कार कबिटखेड़ी मेन रोड स्थित हरिओम सर्विस सेंटर पर धुलवाई के लिए दी थी। योगेश ने पुलिस को बताया कि कार में सोने की एक चेन और महिला की सोने की अंगूठी रखी हुई थी, जिन्हें वह बाद में यूको बैंक, सुखलिया में जमा कराने वाले थे। कार वॉश कराने के बाद जब वह बैंक पहुंचे और कार से सामान निकालने लगे, तब उन्हें पता चला कि सोने की चेन और अंगूठी गायब हैं। इसके बाद उन्होंने हीरानगर थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने सर्विस सेंटर पर जांच की तो पता चला कि कार धोने वाला कर्मचारी अमित, घटना के बाद से काम पर नहीं आ रहा था। पुलिस जब उसके घर पहुंची तो उसके पिता ने बताया कि अमित के पास एक सोने की अंगूठी है। पुलिस ने अमित को हिरासत में लेकर पूछताछ की और उसके पास से चोरी की अंगूठी बरामद कर ली। पूछताछ में अमित ने बताया कि चोरी की चेन उसने अपने दोस्त मोहित मालवीय को दे दी थी।

डेढ़ सौ से अधिक बच्चों के बीमार पड़ने की घटना के बाद जिला प्रशासन ने स्कूलों में संचालित किचन, मेस और खाद्य व्यवस्थाओं की जांच शुरू

गुरु हरिकिशन स्कूल का किचन सील, एनडीपीएस में एक्सपायरी खाद्य सामग्री जब्त

दैनिक अवन्तिका ▶▶ इंदौर

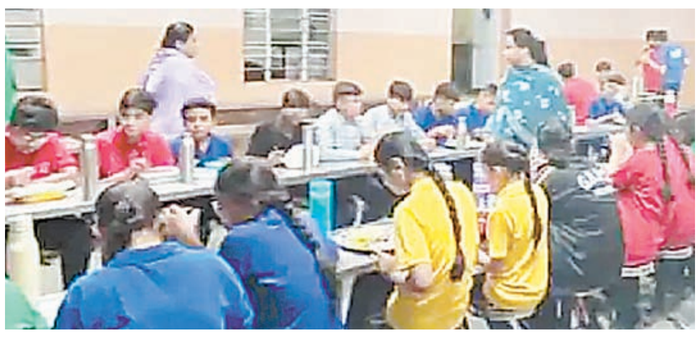

इंदौर के शिशुकुंज स्कूल में डेढ़ सौ से अधिक बच्चों के बीमार पड़ने की घटना के बाद जिला प्रशासन ने शहर के स्कूलों में संचालित किचन, मेस और खाद्य व्यवस्थाओं की जांच शुरू कर दी है। बुधवार को प्रशासन और खाद्य सुरक्षा विभाग की संयुक्त टीमों ने कई स्कूलों का निरीक्षण किया, जिसमें खाद्य सुरक्षा मानकों से जुड़ी गंभीर अनियमितताएं सामने आईं।

खंडवा रोड स्थित गुरु हरिकिशन पब्लिक स्कूल के निरीक्षण के दौरान स्कूल के पास वैध खाद्य लाइसेंस नहीं पाया गया। वहीं किचन में उपयोग की जा रही कुछ खाद्य सामग्री एक्सपायरी डेट की मिली। टीम ने संबंधित सामग्री को मौके पर ही नष्ट करवाते हुए स्कूल के किचन को तत्काल प्रभाव से बंद करने के निर्देश दिए। निरीक्षण में यह भी पाया गया कि स्कूल में टैंकर के पानी का उपयोग किया जा रहा था, जबकि पानी की गुणवत्ता संबंधी जांच रिपोर्ट उपलब्ध नहीं थी। आरओ सिस्टम की टंकी भी गंदी मिली, जिसे अधिकारियों ने तत्काल साफ करवाया। इसी कड़ी में न्यू दिगंबर पब्लिक स्कूल (एनडीपीएस) का भी निरीक्षण किया गया। यहां सॉस, खाद्य तेल और अन्य खाद्य सामग्री एक्सपायरी डेट की पाई गई। खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने संबंधित सामग्री को जब्त कर आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है। प्रशासन की दो अन्य टीमें एडवांस एकेडमी और डीपीएस स्कूल में भी जांच कर रही हैं। इन संस्थानों की रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। कलेक्टर शिवम वर्मा ने विद्यार्थियों, अभिभावकों और नागरिकों से अपील की है कि यदि किसी स्कूल, हॉस्टल, मेस, कैंटीन या अन्य खाद्य प्रतिष्ठान में गंदगी, मिलावट, अस्वच्छता या खाद्य सुरक्षा संबंधी कोई अनियमितता दिखाई दे तो इसकी सूचना तत्काल कलेक्टर हेल्पलाइन 0731-181 पर दें। उन्होंने कहा कि प्राप्त शिकायतों पर त्वरित जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

घर-घर पहुंचकर बच्चों की जांच कर रहे डॉक्टर

गैस्ट्रोएंटेराइटिस, डिहाइड्रेशन के मिले लक्षण

इंदौर के शिशुकुंज स्कूल में लंच के बाद 150 से अधिक बच्चों की तबीयत बिगड़ने के मामले के बाद अब स्कूल प्रबंधन और स्वास्थ्य विभाग दोनों सतर्क हो गए हैं। मंगलवार को स्कूल पहुंचे अधिकांश विद्यार्थी घर से टिफिन लेकर आए। वहीं घटना के बाद स्कूल में विद्यार्थियों की उपस्थिति भी सामान्य दिनों की तुलना में कम रही। सोमवार को प्रशासन द्वारा किचन सील करने के बाद स्कूल प्रबंधन ने अभिभावकों को ई-मेल भेजकर फिलहाल बच्चों को घर से भोजन भेजने का आग्रह किया था। इसके बाद छात्र-छात्राएं अपना टिफिन लेकर स्कूल पहुंचे। मामले की गंभीरता को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने बीमार बच्चों की मॉनिटरिंग शुरू कर दी है। मंगलवार को डॉक्टरों की टीम करीब 30 बच्चों के घर पहुंची और उनके स्वास्थ्य की जांच की। डॉक्टरों ने परिजन से बच्चों की वर्तमान स्थिति की जानकारी ली और यह सुनिश्चित किया कि किसी बच्चे की हालत गंभीर तो नहीं है। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के अनुसार, बुधवार को भी अन्य प्रभावित बच्चों के घर जाकर स्वास्थ्य परीक्षण किया जाएगा।

शनिवार को स्कूल में लंच करने के बाद कई बच्चों को पेट दर्द, उल्टी, घबराहट और कमजोरी की शिकायत शुरू हुई थी। जांच के दौरान कई बच्चों में गैस्ट्रोएंटेराइटिस और डिहाइड्रेशन के लक्षण पाए गए। घटना के बाद चिंतित अभिभावकों ने सोमवार को स्कूल परिसर पहुंचकर विरोध जताया था। प्रभावित बच्चों में अधिकांश चौथी कक्षा तक के विद्यार्थी शामिल हैं। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ) डॉ. माधव हसानी ने बताया कि विभाग द्वारा जुटाई गई जानकारी के अनुसार, स्कूल प्रशासन ने 85 विद्यार्थियों को अस्वस्थ महसूस होने पर एहतियात के तौर पर घर भेजा था। इसके अलावा स्कूल को इस संबंध में करीब 35 ई-मेल भी प्राप्त हुए हैं।

356 करोड़ के बैंक फ्रॉड में ईडी का शिकंजा

इंदौर-शाजापुर की 35.52 करोड़ की संपत्ति कुर्क

दैनिक अवन्तिका ▶▶ इंदौर

प्रवर्तन निदेशालय के इंदौर सब-जोनल कार्यालय ने बैंक धोखाधड़ी से जुड़े एक बड़े मामले में कार्रवाई करते हुए 35.52 करोड़ रुपए मूल्य की अचल संपत्तियों को अस्थायी रूप से अटैच किया है। यह कार्रवाई धन शोधन निवारण अधिनियम, 2002 के तहत की गई है।

ईडी की जांच के अनुसार यह मामला एम/एस धनलक्ष्मी सॉल्वेक्स प्राइवेट लिमिटेड, उसके निदेशकों और उससे जुड़े संस्थानों और व्यक्तियों से संबंधित है। कंपनी पर बैंकों के साथ करीब 356.31 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी करने का आरोप है। ईडी द्वारा जिन संपत्तियों को अटैच किया गया है, उनमें इंदौर और शाजापुर जिलों में स्थित आवासीय फ्लैट एवं भूमि के विभिन्न टुकड़े शामिल हैं। ये संपत्तियां आरोपित व्यक्तियों के नाम पर दर्ज हैं।

जांच एजेंसी का कहना है कि बैंक फ्रॉड से अर्जित या उससे जुड़े धन के निवेश के संबंध में मनी लॉन्ड्रिंग की जांच की जा रही है। इसी के तहत संपत्तियों को अस्थायी रूप से कुर्क (प्रोविजनल अटैचमेंट) किया गया है।

356 करोड़ रुपये के बैंक घोटाले की जांच जारी

- ईडी इस पूरे मामले में धन के स्रोत, उसके उपयोग और विभिन्न संपत्तियों में निवेश की पड़ताल कर रही है। जांच में कंपनी के निदेशकों और संबंधित व्यक्तियों की भूमिका भी जांच के दायरे में है।
- अधिकारियों के अनुसार मामले में आगे भी वित्तीय लेन-देन और अन्य संपत्तियों की जांच जारी रहेगी तथा जांच के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

पांच स्थानों पर तलाशी अभियान चलाया

- 26 फरवरी, 2026 को, ईडी ने मध्य प्रदेश के इंदौर और देवास जिलों में पीएमएलए की धारा 17 के तहत पांच स्थानों पर तलाशी अभियान चलाया। तलाशी के दौरान, अधिकारियों ने आपत्तिजनक दस्तावेज, डिजिटल उपकरण और वित्तीय रिकॉर्ड जब्त किए, जिससे मामले को मजबूती मिली।
- एकत्रित साक्ष्यों के आधार पर, एजेंसी ने इंदौर और शाजापुर जिलों में स्थित आवासीय फ्लैटों और भूमि भूखंडों सहित 19 अचल संपत्तियों को जब्त कर लिया है। इन संपत्तियों का मूल्य 35.52 करोड़ रुपये है और ये आरोपी व्यक्तियों के नाम पर हैं।
- इस कुर्की को आरोपी के लिए एक बड़ा झटका माना जा रहा है, क्योंकि इससे उनकी संपत्ति फ्रीज हो जाती है और उसका निपटान या हस्तांतरण नहीं हो पाता। इस कदम का उद्देश्य अपराध से प्राप्त धन की सुरक्षा करना और पीड़ित बैंकों को अंततः क्षतिपूर्ति प्रदान करना है।
- मामले की आगे की जांच जारी है और आने वाले दिनों में और अधिक कुर्की और कानूनी कार्रवाई होने की संभावना है। इस घटनाक्रम ने राज्य के औद्योगिक क्षेत्र में ऋण धोखाधड़ी और वित्तीय अनियमितताओं को लेकर चिंताओं को एक बार फिर उजागर किया है।

ट्रेन में चोरी करने वाला शातिर चोर इंदौर से गिरफ्तार

दैनिक अवन्तिका ▶▶ इंदौर

जीआरपी ने ट्रेन में चोरी की वारदातों को अंजाम देने वाले एक शातिर आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से करीब 15 लाख रुपए कीमत के सोने के आभूषण बरामद किए गए हैं। पुलिस के मुताबिक आरोपी देश के कई राज्यों में सक्रिय था और वारदात के बाद पुलिस से बचने के लिए फ्लाइट से फरार हो जाता था।

एएसपी हेमंत चौहान के मुताबिक आरोपी की पहचान जितेंद्र चावला उर्फ जीतू निवासी उत्तराखंड के रूप में हुई है। आरोपी ने 16 मार्च 2026 को अहमदाबाद से इंदौर आ रही ट्रेन में सफर कर रही इंदौर निवासी मीना का पर्स चोरी कर लिया था। पर्स में करीब 15 लाख रुपए कीमत के सोने के जेवर रखे हुए थे। महिला की शिकायत के बाद इंदौर जीआरपी ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

- **500 से ज्यादा सीसीटीवी खंगाले-** पुलिस ने आरोपी की तलाश में फरीदाबाद, बरेली, मुरादाबाद, बदायूं समेत कई शहरों के 500 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। तकनीकी साक्ष्यों और लगातार निगरानी के आधार पर आरोपी को नीमच से गिरफ्तार किया गया।
- **आरोपी से 15 लाख के जेवर बरामद-** पुलिस ने आरोपी के कब्जे से सोने का हार, कान के टॉप्स, दो सोने के कंगन और चार सोने की अंगूठियां बरामद की हैं। जब्त आभूषणों की कीमत करीब 15 लाख रुपए बताई जा रही है। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह अपने महंगे शौक पूरे करने के लिए ट्रेनों में चोरी की वारदातों को अंजाम देता था।
- **चोरी के बाद फ्लाइट से भागता था-** पुलिस के अनुसार आरोपी के खिलाफ कई राज्यों में चोरी के मामले दर्ज हैं। वारदात के बाद पहचान छिपाने और पुलिस से बचने के लिए वह हवाई यात्रा का इस्तेमाल करता था।

अवैध गांजा ओर स्मैक बेचने वालों से संरक्षण के रुपए लेने के आरोप में

बीजेपी शिवाजी मंडल का उपाध्यक्ष गिरफ्तार

दैनिक अवन्तिका ▶▶ इंदौर

इंदौर के जोन-1 क्षेत्र में पुलिस ने भाजपा के शिवाजी मंडल के उपाध्यक्ष गोपाल सिंगार को गिरफ्तार कर मंगलवार को जेल भेज दिया। पुलिस का आरोप है कि वह अवैध नशे के कारोबार में शामिल आरोपियों से संरक्षण राशि वसूलता था। मामले में गिरफ्तार महिला और अन्य आरोपियों से पूछताछ के बाद पुलिस ने उसके खिलाफ कार्रवाई की।

डीसीपी जोन-1 नरेंद्र रावत के अनुसार, आजाद नगर क्षेत्र में पिछले दिनों गांजा और एमडी ड्रग्स के साथ पंगुबाई, दुगाबाई, सरदार सहित अन्य आरोपियों को अलग-अलग कार्रवाई में पकड़ा गया था। पूछताछ के दौरान जानकारी मिली कि वार्ड क्रमांक-54 स्थित भील कॉलोनी निवासी एवं भाजपा नेता गोपाल सिंगार कथित तौर पर नशा कारोबारियों से आर्थिक लाभ लेता था।

पुलिस ने गोपाल सिंगार को हिरासत में लेकर आरोपियों से आमना-सामना कराया। पुलिस के मुताबिक पंगुबाई ने बयान दिया कि वह गोपाल सिंगार को हर माह 50 हजार रुपए देती थी। दुगाबाई और सरदार ने भी उसे पैसे देने की बात स्वीकार की। इसके बाद पुलिस ने गोपाल सिंगार के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 29 के तहत मामला दर्ज कर गिरफ्तार किया और 11 नंबर कोर्ट में पेश किया, जहां से उसे केंद्रीय जेल भेज दिया गया।

पुलिस का कहना है कि जिन महिला और अन्य आरोपियों के नाम सामने आए हैं, उनके खिलाफ पहले से दो दर्जन से अधिक गंभीर मामले दर्ज हैं। वहीं, गोपाल सिंगार को छुड़ाने के लिए कुछ राजनीतिक नेताओं के फोन आने की भी चर्चा है, हालांकि पुलिस अधिकारियों ने इस पर आधिकारिक टिप्पणी नहीं की है।

गैस पाइप लाइन में धमाके के साथ लगी आग के बाद तीन झुलसे

आईसीयू में जिंदगी-मौत की जंग लड़ रहे तीनों

दैनिक अवन्तिका ▶▶ इंदौर

विजय नगर के सुमन नगर में मंगलवार को वाटर रिचार्जिंग पिट की ड्रीलिंग के दौरान गैस पाइपलाइन में धमाके के साथ आग लग गई। इसमें जिनी झाला निवासी गीताभवन, सुभाष ठाकुर निवासी काजी की चाल और गोपाल मालाकर झुलस गए।

तीनों आईसीयू में भर्ती हैं। एक बाइक व एक्टिवा भी खाक हो गई। लोगों का कहना है कि वार्ड 31 के पार्षद बालमुकुंद सोनी बोरिंग करवा रहे थे। घटना स्थल से 50 मीटर दूर गैस कंपनी के बोर्ड पर इन्होंने ध्यान नहीं दिया। घटना दोपहर 3.30 बजे हुई। इलाके में अवंतिका गैस की 125 मिमी की हाई-प्रेशर पाइपलाइन बिछी है। ड्रिलिंग से पाइपलाइन फट गई और आग लग गई। फायर ब्रिगेड ने 400 लीटर फोम और पानी का उपयोग कर आग पर काबू पाया।

- पानी से भरे गड्ढे में कूद गई मैं अपनी स्कूटर से नानी के घर जा रही थी। जैन मंदिर के पास पहुंची तो बड़ा धमका हुआ। उससे लगी आग से मैं झुलसने लगी। सड़क किनारे पानी से भरे गड्ढे में कूदी और खुद को बचाया।
  - जिनी झाला, प्रत्यक्षदर्शी
- बाइक से गिरा और झुलस गया मैं न्यूरोलाजिस्ट के पास चेक अप के लिए जा रहा था। तभी अचानक धमाका होते ही आग लगी। मैं बाइक सहित गिर पड़ा। जब तक उठ पाता, मेरे दोनों पैर हाथ और पीठ भी बुरी तरह जल गए।
  -गोपाल मालाकार

ईडी केस में कांग्रेस नेता की जमानत याचिका मंजूर

दैनिक अवन्तिका ▶▶ इंदौर

करोड़ों रुपए के डब्बा ट्रेडिंग और मनी लॉन्ड्रिंग मामले में आरोपी कांग्रेस नेता विशाल उर्फ गोलू अग्निहोत्री को स्पेशल कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। विशेष न्यायाधीश राजेंद्र कुमार पाटीदार की कोर्ट ने उनका जमानत आवेदन स्वीकार करते हुए उन्हें जमानत प्रदान कर दी।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने विशाल अग्निहोत्री के खिलाफ करोड़ों रुपए के अवैध डब्बा कारोबार से जुड़े धन के लेन-देन और मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपों के तहत मामला दर्ज किया था। इसी मामले में एजेंसी द्वारा उनकी गिरफ्तारी के बाद पूछताछ और जांच की कार्रवाई की गई थी। मामले में ईडी ने विशाल अग्निहोत्री के इंदौर स्थित ठिकानों पर छापेमारी की थी। जांच के दौरान करीब 1.5 करोड़ रुपए की अघोषित नकदी मिलने की जानकारी सामने आई थी। इसके अलावा लैपटॉप, मोबाइल फोन और कई महत्वपूर्ण दस्तावेज भी जब्त किए गए थे। ईडी की जांच में यह भी सामने आया था कि ऑनलाइन डब्बा ट्रेडिंग नेटवर्क संचालित किया जा रहा था। जांच एजेंसी को कुछ शेल कंपनियों के दस्तावेज भी मिले थे, जिनके जरिए देश और विदेश से आने वाले धन के रोटेशन की आशंका जताई गई थी।

दुबई कनेक्शन भी जांच के दायरे में

सूत्रों के अनुसार विशाल अग्निहोत्री पिछले कुछ समय से दुबई में सक्रिय थे। जांच एजेंसियों को दुबई में संपत्ति निवेश और शेल कंपनियों के संचालन से जुड़े कुछ इनपुट भी मिले थे। इसी आधार पर ईडी कथित रूप से सट्टे की कमाई को विदेश भेजने और धन शोधन के पहलुओं की जांच कर रही थी।

राजनीतिक पहचान के चलते मामला रहा चर्चाओं में

विशाल अग्निहोत्री मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ के करीबी माने जाते हैं। वे इंदौर नगर निगम में पार्षद रह चुके हैं और शहर कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष का दायित्व भी संभाल चुके हैं। उनकी पत्नी भी पार्षद रह चुकी हैं। राजनीतिक पृष्ठभूमि के कारण यह मामला लंबे समय तक चर्चा में बना रहा।

जांच जारी रहेगी

हालांकि कोर्ट से जमानत मिलने के बाद भी मामले की जांच जारी रहेगी। ईडी मनी ट्रेल, वित्तीय लेन-देन, शेल कंपनियों और विदेशों में हुए निवेश की पड़ताल कर रही है। आने वाले समय में जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जा सकती है।

स्वत्वाधिकारी अवंतिका प्रकाशन (भागीदारी फर्म) के लिए प्रकाशक, मुद्रक संदीप मेहता द्वारा अवंतिका ऑफसेट 2, रानी लक्ष्मीबाई मार्ग उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित एवं ए-5 द्वितीय तल विजयनगर मेन रोड इन्दौर (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादक : संदीप मेहता, फोन : 0731-4085777, मोबा. 9827771777 e-mail: awantikapress@gmail.com